

नुसरत फतेह अली की कव्वाली पर बना था गाना, अधूरी मोहब्बत को तब्बू ने किया बयां; आज भी कुरेदता है दिलों के जख्म

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 29
न्यूनतम - 17

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 307 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 05 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 11 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

बंगाल के काली मंदिरों में पूजा का नया पैटर्न

● दक्षिणेश्वर से कालीघाट तक हर ओर दिख रहा है कमल ही कमल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के 6 महीने बाद न सिर्फ राज्य का राजनीतिक माहौल बदल रहा है, बल्कि भक्ति के तौर तरीके बदल गए हैं। मंदिरों में देवी-देवताओं को अर्पित करने के लिए कमल के फूल की डिमांड बढ़ गई है। यहां तक कि दक्षिणेश्वर से कालीघाट के मंदिरों में मां काली का प्रिय माना जाने वाला लाल अड़हुल के फूल की जगह भक्त कमल का फूल ले रहा है। इस बार पश्चिम बंगाल में कमल की बंपर फसल हुई है और राज्य में राजनीतिक बदलाव हो चुका है। अप्रैल में बीजेपी की पश्चिम बंगाल में जीत और मई में शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के बाद कमल का फूल पश्चिम बंगाल में



लोकप्रिय हो गया है। आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र माने जाने वाले माता के मंदिरों में भी अड़हुल के फूल से ज्यादा गुलाबी और सफेद कमल की डिमांड बढ़ गई है। दक्षिणेश्वर,कालीघाट, बिष्णुपुर व कंकालीतला के काली मंदिर में भी भक्त कमल अर्पित कर रहे हैं। दक्षिणेश्वर में तो कमल प्रसाद का चलन शुरू हो गया है।

पंडितजी भी कर रहे कमल का समर्थन

बिष्णुपुर मंदिर के पुजारी बापी बनर्जी भी मानते हैं कि कमल के फूल ने अड़हुल की जगह ले रही है। उन्होंने बताया कि वह भी भक्तों को कमल चढ़ाने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि देवताओं को यह पसंद है। तारकेश्वर में काली मंदिर के पुजारी असीम मुखोपाध्याय ने बताया कि अड़हुल के फूल चढ़ाने की परंपरा 18वीं सदी में शुरू हुई। उस समय देवी के उपासक शाक्त कवि रामप्रसाद सेन अड़हुल के लाल फूल भेंट करने का प्रचलन शुरू किया। धीरे-धीरे यह शाक्त उपासकों के लिए परंपरा बन गई। अब कमल के साथ रामप्रसाद सेन का युग ही समाप्त हो गया है। यूपी और कर्नाटक के पंडित पहले से ही कमल चढ़ाने के समर्थक रहे हैं। फूल विक्रेता असित संतरा ने भी बताया कि सरकार बदलने के तुरंत बाद कमल की मांग बढ़ गई। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने रैलियों और सजावट के लिए बड़ी मात्रा में कमल खरीदना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि सत्ता बदलने के बाद बीजेपी नेताओं ने कई काली पूजाओं पर नियंत्रण कर लिया है।

बबुआ को समझाइए,जनता बदला नहीं बदलाव करती है

योगी बोले-आप लोगों ने सपा अध्यक्ष का बयान पढ़ा होगा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में बुधवार को भाजपा ने गोरखपुर, कानपुर और प्रयागराज में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली निकाली। गोरखपुर में सीएम योगी ने कहा- आप लोगों ने सपा अध्यक्ष का बयान पढ़ा होगा। दिल्ली का उनका बयान बड़ा विचित्र सा बयान था। वे कहते हैं कि अगली पीढ़ी हर लाठी और हर जख्म का बदला लेगी। सपा के बबुआ को थोड़ा समझाइए, लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। उन्होंने कहा- जैसे 2014 में देश के अंदर जनता ने बदलाव किया था, 2017 में प्रदेश में किया था। और यह बदलाव की ताकत कांग्रेस या समाजवादी पार्टी में नहीं, यह बदलाव जनता जनार्दन

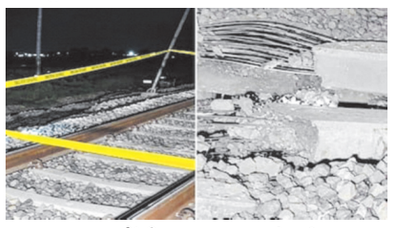


के बल पर हुआ था। जनता जनार्दन ही बदलाव करके दिखाती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी गोरखपुर में थे।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर जबरदस्त ब्लास्ट

● 45 मिनट पहले पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी, बाल-बाल बची



अनूपगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेलवे लाइन पर मंगलवार रात 9.45 बजे ब्लास्ट हो गया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ ट्रैक पर धमाके से पहले रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी। धमाके की आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। ब्लास्ट के कारण पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह से टूट गए। पटरियों के बीच 2 फीट गहरा गड्ढा हो गया। ब्लास्ट की जानकारी के बाद आईबी, सीआईडी और एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

सीईसी ज्ञानेश पर 20 साल पुराने आरोप की होगी जांच

● केरलम में 2 करोड़ रुपए रिश्वत मांगने का लगा था आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच होगी। केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्निथला ने विजिलेंस



को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़ा है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य में सचिव थे। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद पेमेंट करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी थी। इस समय कांग्रेस की अगुवाई में पूरे देश में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं।

गुवाहाटी शूटआउट का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

● पुलिस से पिस्टल छीनने की कोशिश की, मारा गया

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के शिवसागर जिले में बुधवार को पुलिस फायरिंग में गुवाहाटी होटल गोलीकांड के आरोपी घनकांत गोगोई की मौत हो गई। उस पर 26 अक्टूबर को होटल में 5 लोगों की गोली मारकर हत्या का आरोप था। पुलिस के



मुताबिक, गोगोई को गुवाहाटी से शिवसागर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उसने सब इंस्पेक्टर की पिस्टल छीनने की कोशिश की। जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना में सब इंस्पेक्टर देबाशीष शर्मा के दाहिने पैर में चोट आई है। एएसपी पापोरी चेतिया के मुताबिक, आरोपी को शिवसागर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक पुराने केस के सिलसिले में गुवाहाटी से शिवसागर लाया जा रहा था।

हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया

● होसबाले बोले-हमने पूरा किया आरएसएस का सबसे बड़ा संकल्प

इंदौर में सरकार्यवाह ने कहा-आरक्षण को लेकर न हो राजनीति

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक बुधवार को समाप्त हो गई। डेली कॉलेज में 2 नवंबर से चल रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने आरक्षण, मंदिरों के मामलों, संगठन विस्तार, एसआईआर, संघ के पंजीयन और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा।



आरक्षण पर होसबाले ने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को जब तक समान अवसर नहीं मिलते, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। इसका लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। आरक्षण सामाजिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों के आधार पर हो, राजनीति के लिए नहीं। कृष्ण जन्मभूमि समेत अदालतों में चल रहे मंदिरों के मामलों पर उन्होंने कहा, 'हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया। बाकी मामले कोर्ट में चल रहे हैं, उन्हें वहीं रहने देना चाहिए।

एक साल में 10,241 नए स्थानों तक पहुंचा संघ

होसबाले ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में संगठन का विस्तार हुआ है। एक साल में संघ की पहुंच 10,241 नए स्थानों तक बढ़ी है। अब देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं। इसके अलावा 34,982 साप्ताहिक मिलन और 14,096 मासिक मंडलियां भी चल रही हैं। इन गतिविधियों के जरिए संघ की पहुंच कुल 1,03,397 स्थानों तक हो गई है। सामाजिक एकता और समरसता के लिए देशभर में 94,218 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। संघ के मुताबिक, इनमें करीब पांच करोड़ लोगों ने भाग लिया।

बंगाल में 150 गुना बढ़ीं शाखाएं,केरल के हर गांव तक पहुंचने का दावा

संघ की शाखाओं के विस्तार पर होसबाले ने कहा कि पश्चिम बंगाल में शाखाओं की संख्या पहले की तुलना में 150 गुना बढ़ी है। पहले वहां शाखाएं लगाने का विरोध होता था। त्रिपुरा और असम में संघ के कई कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई, लेकिन संगठन का काम जारी रहा। मिजोरम में दो जगह और लद्दाख में भी शाखाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि केरल के सभी गांवों में संघ की शाखाएं हैं। होसबाले ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए संघ विशेष योजना बनाएगा। जो युवा ड्रग्स और नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं, उनकी काउंसलिंग की जाएगी। युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर भी काम होगा। उन्होंने बताया कि नवंबर-दिसंबर में संघ के प्रांतों में संघचालकों का निर्वाचन और नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इसके बाद देशभर के 88 संभागों में संगठन के काम की योजना तैयार होगी।

बिहार में अब नदियों की गाद से बनेगी नई सड़क

सरकार की बाढ़ की समस्या कम करने की पहल

पटना (एजेंसी)। बिहार में बाढ़ की समस्या से निपटने और सड़क निर्माण को गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के दो दिवसीय दिल्ली दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में नई दिल्ली में यह समझौता हुआ। इसके



तहत बिहार के जल निकायों और नदियों से वैज्ञानिक तरीके से गाद निकाली जाएगी। निकाली गई उपयुक्त गाद और मिट्टी का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इससे एक तरफ नदियों की जलधारण क्षमता बढ़ाने और बाढ़ का खतरा कम करने में मदद मिलेगी।

4 बड़ी सड़क परियोजनाओं के लिए 49,751 करोड़ की मांग

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ बिहार की सड़क परियोजनाओं को लेकर भी अहम बैठक की। इसमें राज्य की करीब 330 किलोमीटर लंबी चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को केंद्रीय कैबिनेट से जल्द अंतिम मंजूरी दिलाने का आग्रह किया गया। इन परियोजनाओं के लिए करीब 49,751 करोड़ रुपए की मांग रखी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के पूरा होने से बिहार में सड़क संपर्क बेहतर होगा और विकास की रफ्तार बढ़ेगी।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव हारे ट्रंप

● दोनों सदनों में करारी हार, डेमोक्रेट्स को बहुमत
● पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे अब्दुल अल-सैयद

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं।



● हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, सीनेट सब हारे- हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 231 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 144 सीटें जीती हैं। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं।

हार के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद बाजार में यह अनिश्चितता बढ़ी है कि ट्रम्प ईरान युद्ध को लेकर आगे क्या फैसला लेंगे। इसी चिंता का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, बुधवार सुबह ब्रेंट क्रूड की कीमत 76 सेंट यानी 0.7 फीसदी बढ़कर 104.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 63 सेंट यानी 0.7 बढ़कर 96.72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कानून पर विचार की है जरूरत



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है।

अग्निवीरों को मोदी सरकार का दीवाली गिफ्ट!

● पचहत्तर फीसदी को मिलेगा 2 साल का एक्सटेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निवीरों को बड़ा दीवाली गिफ्ट दिया है। केंद्र ने अग्निवीरों की सेवा अवधि बढ़ाने का ऐलान किया है। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निवीरों को दो साल का और इंगेजमेंट पीरियड मिलेगा। इसके बाद आर्म्ड फोर्सेज में भी एनरोलमेंट किया जाएगा। दो साल का पीरियड पूरा होने के बाद ऑब्जेक्टिव सेलेक्शन प्रक्रिया के जरिए उन्हें सेना में भर्ती का मौका मिलेगा। सरकार ने बुधवार को 'अग्निवीरों' को दो साल का सेवा विस्तार देने की घोषणा की। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना था।



अग्निवीरों को मिलेगा सेवा विस्तार

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि आज का दिन भारतीय रक्षा बलों और हमारे अग्निवीरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए भारतीय रक्षा बलों में शामिल होने का रास्ता खोल दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, अग्निपथ योजना 14 जून 2022 को शुरू की गई थी। उस समय यह बताया गया था कि अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा और समय-समय पर इस योजना की समीक्षा की जाएगी। सीडीएस ने कहा कि अग्निवीरों का पहला बैच अब अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने के करीब है।

नवी मुंबई में बन रही देश की पहली समुद्री रेल-टनल

● 7 किलोमीटर लंबी, 35 मंजिला इमारत जितनी गहराई में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन; दुनिया का छठा प्रोजेक्ट

सावली (एजेंसी)। नवी मुंबई के सावली में देश की पहली समुद्री रेल सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग से देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरेगी। सुरंग बनाने का काम जमीन से 114 मीटर नीचे चल रहा है, यानी इतनी गहराई, जितनी 35 मंजिला ऊंची इमारत होती है। समुद्र के अंदर सुरंग बनाने का यह छठा प्रोजेक्ट है। दुनिया में सबसे ज्यादा 2 समुद्री सुरंगें जापान में हैं। इसके अलावा चीन, नॉर्वे में एक-एक समुद्री सुरंग है। ब्रिटेन और फ्रांस के बीच भी एक समुद्री सुरंग बनी है। भारी गर्मी और घुटन के बीच करीब 1,200 मजदूर और इंजीनियर दिन-रात इस काम में जुटे हैं। सावली से शीलफाटा के



बीच 4.8 किलोमीटर लंबी सुरंग पहले ही तैयार हो चुकी है। अब समुद्र के अंदर 7 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदी जा रही है, जिसके लिए 3,000 टन भारी मशीन लगातार खुदाई कर रही है। आमतौर पर मेट्रो के आने-जाने के लिए दो अलग सुरंगे बनती हैं, लेकिन यहां एक ही चौड़ी सुरंग के अंदर से दोनों तरफ की बुलेट ट्रेनें एक साथ निकलेंगी।

पानी का दबाव और कंपन रोकना बड़ी चुनौती

विक्रोली से बीकेसी के बीच इमारतों, फ्लाईओवरों को कंपन से बचाने के लिए टीबीएम की गति 4 आरपीएम पर सेट है। जमीन पर रियल-टाइम सेटलमेंट सेंसर 24 घंटे हलचलों की निगरानी कर रहे हैं। पानी का दबाव : गीली मिट्टी और भारी जलदाब के कारण समुद्री सुरंग में पानी भरने का जोखिम है। इससे बचने स्लरी बेस्ड मिक्स शील्ड टीबीएम चल रही है, जो मिट्टी-पानी के गाढ़े घोल की मदद से खुदाई कर रही है। 13.6 मीटर व्यास वाली विशाल सुरंग एनएटीएम तकनीक से खोदते तो इसके ढहने की आशंका ज्यादा थी। इसलिए टीबीएम से खुदाई के साथ ही कंक्रीट रिंग सेगमेंट्स और वाटरप्रूफ सीलिंग लगा रहे हैं।

राहुल गांधी ने पीएम को फिर दी बहस की चुनौती

बोले-मोदी देशद्रोही, ट्रम्प के कहने पर काम कर रहे

संगरूर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती दी है। मैंने उन्हें कहा है कि कहीं भी आकर मेरे साथ डिबेट कर लो, लेकिन वह मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते हैं। मैं गारंटी देता हूं कि 5 मिनट में उन्हें देशद्रोही साबित कर दूंगा। मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियत्रंति कर रहे हैं। ये बात उन्होंने पंजाब के संगरूर में इंसाफ रैली के दौरान कही। संबोधन की शुरुआत में वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को स्टेज पर लाए। राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ,



वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है। भगवंत मान दिल्ली में थे तो हमें चुटकुले सुनाते थे। सुबह 11 बजे उनके मुंह से शराब की बदबू आती थी।

अनमोल वचन

हजार योग्यताओं और लाख समृद्धियों को एक ओर और सुसंस्कारों को एक ओर रखकर तोला जाय तो सुसंस्कारों का पलड़ा भारी बैठेगा। स-संस्कारी व्यक्ति निर्धन रहते हुए भी आनन्द और उल्लास का जीवन व्यतीत कर सकता है। इसके विपरीत कुसंस्कारी व्यक्ति कुबेर की सम्पदा और इन्द्र के वैभव का स्वामी होते हुए भी संतप्त रहेगा, साथ ही अपने परिजनों को भी सन्तप्त करेगा। इसलिये प्रत्येक बुद्धिमान व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपनी सन्तानों को भूमि, मकान, धन आदि से सुसज्जित करने की चिन्ता न करे वरन उन्हें सुसंस्कारी बनाने का सर्वप्रथम प्रयास करे और इस पुनीत कार्य के लिये सदैव सतर्क और सचेत रहे। क्योंकि सुसंस्कार देने का उत्त-रदायित्व मुख्यतः माता-पिता का होता है। माता-पिता जैसा करते हैं, कहते हैं, उसी के अनुसार नकल करके बच्चे में संस्कार आते रहते हैं, जो कालान्तर में पुष्ट होते जाते हैं। यदि इस पुनीत कार्य की उपेक्षा की जायेगी तो मानव जीवन को धन्य बनाने वाले एक श्रेष्ठ कार्य से वंचित रह जायेंगे।

मुजफ्फरनगर में चाकलेट के बाद रसभरी में मिले कीड़े: खाद्य विभाग का दीपावली से पहले बड़ा एक्शन: 220 किलो कीड़े लगी रसभरी मौके पर नष्ट, खोया और चॉकलेट के सैंपल लैब भेजे

जौली रोड स्थित मिष्ठान भंडार में भंडारण की खुली पोल, रिलायंस रिटेल से कैडबरी बॉर्नविले चॉकलेट का नमूना भी संग्रहित

मुजफ्फरनगर। दीपावली पर्व के नजदीक आते ही बाजारों में मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में विभाग की टीम ने मुजफ्फरनगर शहर के कई प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर अचानक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान जौली रोड स्थित एक प्रसिद्ध मिष्ठान भंडार में भारी लापरवाही सामने आई, जहाँ बिक्री के लिए रखी 220 किलोग्राम रसभरी में कीड़े पाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस पूरी खेप को मौके पर ही नष्ट करवा दिया।

प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

लखनऊ स्थित खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त के निदेर्शों का पालन करते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया। मुजफ्फरनगर में इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय) अर्चना धीरान और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय प्रधान ने किया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. अश्विनी कुमार भी शामिल रहे। टीम ने सबसे पहले कस्बा कूकड़ा स्थित गोपाल जी स्वीट्स पर छापा मारा, जहाँ मिठाइयों की गुणवत्ता जांचने के लिए खोया (मावा) का एक नमूना संग्रहित किया गया। इसके बाद टीम सीधे जौली रोड स्थित नेहा मिष्ठान भंडार पहुँची।

220 किलो दूषित मिठाई नष्ट, रस माधुरी का सैंपल लिया



नेहा मिष्ठान भंडार पर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को गोदाम और भंडारण क्षेत्र में घोर लापरवाही देखने को मिली। वहाँ रखी लगभग 220 किलो रसभरी में कीड़े रेंगते पाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पूरी दूषित मिठाई को जब्त कर मौके पर ही नष्ट करा दिया, ताकि इसे बाजार में न बेचा जा सके। इसी प्रतिष्ठान के संचालक जगदीश से 'रस माधुरी' का एक नमूना भी जांच के लिए संग्रहित किया गया।

शिकायत के बाद रिलायंस रिटेल पर छापा

मिठाई की दुकानों के अलावा विभाग ने सोशल मीडिया पर मिली एक शिकायत का भी संज्ञान लिया। आदर्श कॉलोनी स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड के स्टोर पर पहुंचकर टीम ने कैडबरी बॉर्नविले ब्रांड की चॉकलेट का एक नमूना जांच के लिए लिया। यहां एक दिन पहले चाकलेट में कीड़े मिले थे, जिसे खाकर बच्चों की तबीयत खराब हो गई थी और लोगों ने जमकर हंगामा भी किया था, पुलिस भी इस मामले में कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया गया है, इस खबर के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया।

लैब रिपोर्ट के आधार पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय प्रधान ने बताया कि संग्रहित किए गए तीनों नमूनों (खोया, रस माधुरी और कैडबरी चॉकलेट) को सील कर राजकीय विश्लेषक प्रयोगशाला (लैब) भेज दिया गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित खाद्य कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (फस्साई एक्ट) के तहत अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के सीजन में नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुजफ्फरनगर में एसडीएम की संवेदनशीलता ने जीता दिल: फरियादी बुजुर्ग को दिया दीपावली का तोहफा, भावुक होकर बुजुर्ग ने दिया आशीर्वाद

एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव निस्तारण के दिए सख्त निर्देश, जमीन विवाद का मामला लेकर तहसील पहुंचे थे वृद्ध



मुजफ्फरनगर। तहसील सदर में उस समय एक भावुक और संवेदनशील दृश्य देखने को मिला, जब एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने अपनी प्रशासनिक मुस्तैदी के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं का अनूठा परिचय दिया। तहसील परिसर में अपनी समस्या लेकर पहुंचे एक असहाय बुजुर्ग फरियादी की व्यथा सुनकर एसडीएम ने न केवल उनके मामले को दीपावली से पूर्व प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के आदेश दिए, बल्कि उन्हें त्यौहार की शुभकामनाएं देते हुए मिठाई भी भेंट की। सदर तहसील परिसर में अपनी जमीन से जुड़े एक विवाद की शिकायत लेकर पहुंचे बुजुर्ग बेहद परेशान थे। जब एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने उनकी फरियाद सुनी, तो बातचीत के दौरान पता चला कि पीड़ित बुजुर्ग का एक ही बेटा था, जिसका अब निधन हो चुका है और वे इस दुनिया में अकेले संघर्ष कर रहे हैं। दीपावली से पहले मामला सुलझाने के निर्देश

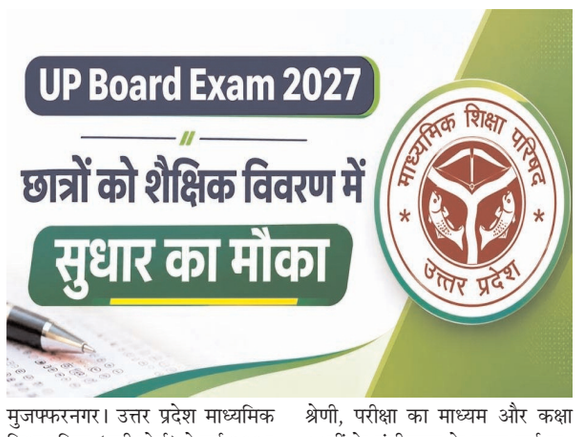
बुजुर्ग की व्यथा और पारिवारिक स्थिति की गंभीरता को समझते हुए एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने बिना किसी देरी के तुरंत अधीनस्थ कर्मचारियों को मौके पर तलब किया। उन्होंने सख्त और स्पष्ट निर्देश दिए कि बुजुर्ग के जमीन संबंधी मामले की गहनता से जांच कर दीपावली के पर्व से पहले ही इसका पूर्ण और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

एसडीएम का व्यवहार देख छलके बुजुर्ग के आंसू

अधिकारियों के इस तरह के संवेदनशील रुख की फरियादी ने उम्मीद भी नहीं की थी। एसडीएम सदर ने सम्मानपूर्वक बुजुर्ग को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्हें मिठाई का डिब्बा भेंट किया। प्रशासनिक अधिकारी की इस सहृदयता और सम्मान को देखकर वृद्ध फरियादी की आंखों में खुशी और भावुकता के आंसू छलक आए। उन्होंने भावविभोर होकर एस-डीएम सदर शुभम श्रीवास्तव के सिर पर हाथ रखकर दिल से आशीर्वाद दिया। तहसील में मौजूद अन्य फरियादियों और कर्मचारियों ने भी एसडीएम सदर के इस मानवीय दृष्टिकोण और त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2027: छात्र विवरणों में त्रुटि सुधार का मौका, 12 नवंबर तक ऑनलाइन पोर्टल खुला

छात्र-छात्राएं शैक्षिक विवरणों के अलावा जन्मतिथि और नाम बदलाव के लिए 16 नवंबर तक आवेदन अनिवार्य



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को अपने दर्ज विवरणों में रही त्रुटियों को सुधारने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। यूपी बोर्ड द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, शैक्षिक विवरणों में संशोधन के लिए आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल 2 नवंबर से खोल दिया गया है, जो 12 नवंबर की मध्यरात्रि 12 बजे तक सक्रिय रहेगा। इस निर्धारित अवधि के दौरान संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य यूपी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (upmsp.edu.in) पर अपने विद्यालय की लॉगिन आईडी के माध्यम से प्रवेश कर परीक्षार्थियों के फॉर्म में आवश्यक सुधार कर सकेंगे।

इन विवरणों में ऑनलाइन हो सकेगा सुधार

परीक्षा प्रभारी आशुतोष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्र-छात्राएं अपने आवेदन पत्र में दर्ज विभिन्न जानकारियों की जांच कर उनमें सुधार करा सकते हैं। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से छात्र/छात्रा का नाम और माता-पिता के नाम में आंशिक त्रुटि, चयनित विषय एवं अध्ययन वर्ग, जेंडर (लिंग) एवं जाति श्रेणी, परीक्षा का माध्यम और कक्षा 11वीं के पंजीकरण के समय दर्ज हा-ईस्कूल के गलत अनुक्रमांक जैसे विवरणों में संशोधन संभव होगा।

जन्मतिथि व नाम परिवर्तन के लिए ऑफलाइन प्रक्रिया

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कुछ संवेदनशील संशोधनों के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। निम्नलिखित मामलों में केवल ऑफलाइन माध्यम से ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसमें जन्मतिथि में किसी प्रकार का संशोधन, छात्र-छात्रा अथवा माता-पिता के पूरे नाम में बदलाव और किसी परीक्षार्थी का विवरण डिलीट (हटाने) या रिस्टोर (पुनर्स्थापित) कराने से संबंधित इन ऑफलाइन संशोधनों के लिए विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी आवश्यक प्रामाणिक अभिलेखों की जांच कर आवेदन पत्र तैयार करें। इन आवेदनों को 16 नवंबर तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय मुजफ्फरनगर में अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा। प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रमुखों को समय सीमा के भीतर समस्त परीक्षार्थियों के अभिलेखों का गहन सत्यापन करने और त्रुटिरहित डेटा सुनिश्चित करने की हिदायत दी है।

मुजफ्फरनगर के चर्चित रोहन राठी हत्याकांड में नया मोड़: आरोपियों ने नार्को टेस्ट से किया इनकार, जीजा-साले ने अदालत में लिखित में दी असहमति

सीजेएम कोर्ट ने खारिज की पुलिस की अर्जी, सुप्रीम कोर्ट के 'सेल्वी निर्णय' का दिया हवाला

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी के रोहन राठी हत्याकांड की जांच में नया मोड़ सामने आया है। मामले में पुलिस की ओर से आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने की मांग को अदालत ने स्वीकार नहीं किया। आरोपियों जीजा-साले ने नार्को टेस्ट कराने से स्पष्ट इनकार करते हुए अदालत में लिखित रूप से अपनी असहमति दर्ज कराई। दोनों की ओर से सहमति नहीं मिलने के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट ने पुलिस की अर्जी खारिज कर दी।

अदालत ने इस इस घटनाक्रम के बाद रोहन राठी हत्याकांड की जांच में नार्को टेस्ट कराने की पुलिस की कोशिश को झटका लगा है। इसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कविता अग्रवाल ने विवेचक द्वारा दी गई नार्को टेस्ट कराने की अनुमति याचिका को निरस्त कर दिया। दोनों आरोपियों को जिला कारागार से लाकर सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया था, जहाँ उन्होंने लिखित रूप में बयान प्रस्तुत किया कि वे अपना नार्को या पॉलीग्राफ टेस्ट कराने के पक्ष में नहीं हैं। अदालत ने इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक 'सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य' मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि आ-रोपियों की स्पष्ट सहमति के बिना उन्हें किसी भी प्रकार के वैज्ञानिक परीक्षण के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। इस ममामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हरैंटी गांव से लेकर लखनऊ तक राजनीतिक हलचल रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया एवं गांव



पहुंचकर इस मामले में पारदर्शी जांच की मांग उठाई थी। आरोपियों के नार्को से इनकार के बाद अब पुलिस की अग्रिम विधिक रणनीति पर सभी की नजरें टिकी हैं।

हत्याकांड में अब तक क्या हुआ?

पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरैंटी निवासी रोहन राठी एलएलबी प्रथम सेमेस्टर का छात्र था। वह 23 सितंबर 2026 को अपने दोस्त की बाइक लेकर जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गया था। अगले दिन 24 सितंबर को उसका शव गांव के पास सलेमपुर मार्ग पर मिला था। घटना के बाद उसकी बाइक और मोबाइल फोन भी गायब मिले थे। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए उत्त-राखंड के मंगलौर क्षेत्र के गांव संगीपुर निवासी नाजिम और उसके साले सहारनपुर के देवबंद क्षेत्र के गांव जहीरपुर निवासी शावेज को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, दोनों ने पहचान उजागर होने के डर से रोहन की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर रोहन की बाइक और मोबाइल भी बरामद किए थे।

रोहन हत्याकांड का पूरा घटनाक्रमः कब क्या हुआ?

23 सितंबरः रोहन राठी शाम 6 बजे अपने मित्र की बाइक लेकर जन्मदिन की पार्टी में गया। रात 9 बजे पिता से बातचीत हुई, जिसमें उसने सुबह लौटने की बात कही।

24 सितंबरः सलेमपुर मार्ग पर रोहन का शव बरामद हुआ। दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई।

25 सितंबरः पुलिस ने नाजिम और शावेज को भैंसानी पुल के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर घटना का पदार्फाश करने का दावा किया।

21 अक्टूबरः पुलिस खुलासे से असंतुष्ट परिजनों और भाकियू टिकैत ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर नार्को टेस्ट की मांग रखी।

अदालती आदेशः सीजेएम कोर्ट में आरोपियों द्वारा असहमति जताए जाने पर नार्को टेस्ट की अर्जी खारिज हुई।

पुलिस खुलासे पर उठे थे गंभीर सवाल

गत 23 सितंबर की रात एलएलबी प्रथम वर्ष के छात्र रोहन राठी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। 24 सितंबर को सलेमपुर मार्ग पर उसका शव बरामद हुआ, जिसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण मुंह भींचकर दम घोटना आया। 25 सितंबर को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद इमाम नाजिम (निवासी संगीपुर, लक्सर) और उसके साले शावेज (निवासी जहीरपुर, देवबंद) को गिरफ्तार करते हुए दावा किया कि कार की टक्कर के बाद पहचान उजागर होने के डर से उन्होंने रोहन की हत्या की थी। हालाँकि, रोहन के परिजनों, ग्रामीणों और भाकियू टिकैत सहित विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों ने पुलिस की इस कहानी को खारिज करते हुए इसे गलत खुलासा करार दिया था। निष्पक्ष जांच और नार्को टेस्ट की मांग को लेकर 21 अक्टूबर को भाकियू कार्यकताओं ने एसएसपी कार्यालय मुजफ्फरनगर पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस नार्को टेस्ट कराने के लिए राजी हुई थी। परिजनों की शंकाओं और पुलिस की कार्रवाई के बावजूद रोहन के परिजन और ग्रामीण हत्याकांड के खुलासे से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। मामले में निष्पक्ष जांच और अन्य संभावित पहलुओं की पड़ताल की मांग उठाई गई थी। परिजनों की शंकाओं और उठाए गए सवालों के बाद मामले की जांच के लिए एसआईटी भी गठित की गई थी। इसी बीच पुलिस की ओर से दोनों आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने की पहल की गई थी, ताकि विवेचना में सामने आए तथ्यों की पड़ताल की जा सके।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का सेल्वी फैसला?

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2010 में सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था। इसमें स्पष्ट किया गया था कि किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उस पर नार्को एनालिसिस, पॉलीग्राफ और ब्रेन मैपिंग टेस्ट नहीं थोपा जा सकता।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुझ गया घर का इकलौता चिराग, 20 वर्षीय अभिषेक की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़



मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के मोरना गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। जानसठ मार्ग पर बाल काटने की दुकान चलाकर अपने परिवार का सहारा बने 20 वर्षीय अभिषेक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहे अभिषेक की असमय मौत से घर में मातम पसरा है। परिवार ने अपना सहारा खो दिया है। अब मां और छोटे भाई-बहनों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। हादसे से दुखी परिजनों और ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परि-वार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार मोरना निवासी 20 वर्षीय अभिषेक जानसठ मार्ग पर बाल काटने की दुकान चलाता था। इसी दुकान से होने वाली आमदनी के सहारे वह अपने परिवार की मदद करता था। मंगलवार को वह दुकान के लिए जरूरी सामान खरीदने उत्तराखंड के रुड़की गया था। सामान खरीदने के बाद वह बाइक से वापस अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे में बुझ गया परिवार का सहारा

सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल अभिषेक की मौत हो गई। घटना की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। जिस बेटे से मां को बुढ़ापे में सहारे की उम्मीद थी और जिस भाई के कंधों पर छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी थी, वह अचानक हमेशा के लिए दुनिया छोड़ गया।

बुधवार शाम अभिषेक का शव घर पहुंचा तो परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। अंतिम विदाई के दौरान गांव के लोगों की आंखें भी नम हो गईं। अभिषेक अपने पीछे मां चांदी, छोटे भाई हर्ष और छोटी बहनों रिया व सोनाक्षी को छोड़ गया है। परिवार में अभिषेक ही अपनी मेहनत से आजी-विका चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। उसकी मौत के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मां ने अपना जवान बेटा खो दिया तो छोटे भाई-बहनों के सिर से बड़ा भाई का सहारा उठ गया। परिवार की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों में भी शोक के साथ चिंता का माहौल है। अभिषेक की मौत से दुखी परिजनों ने प्रशासन से पी-ड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सहायता दिलाने की मांग की है। अभिषेक की ताई हेमंत देवी, जिला पंचायत सदस्य संजय रवि, ग्राम प्रधान मिंटू राठी, शहजाद अंसारी और रियासत अंसारी ने प्रशासन से मांग की कि परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि मां और छोटे भाई-बहनों के सामने जीवनयापन का संकट कम हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि कम उम्र में परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाले अभिषेक की असमय मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। ऐसे कठिन समय में प्रशासन को आगे आकर पीड़ित प-रिवार की मदद करनी चाहिए, जिससे परिवार के सदस्यों को जीवनयापन में सहारा मिल सके।

भोपा के कॉलेज में डिजिटल कंप्यूटर लैब का भव्य उद्घाटन, ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगी आधुनिक शिक्षा की सुविधा

मुजफ्फरनगर। ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक और डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की दिशा में भोपा स्थित कॉलेज में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंदन सिंह चौहान के प्रयासों से सांसद निधि योजना के अंतर्गत कॉलेज में तैयार कराई गई डिजिटल कंप्यूटर लैब का बुधवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद चंदन सिंह चौहान की पत्नी यशिका चौहान पहुंचीं। उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया। नई डिजिटल सुविधा मिलने से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अब कंप्यूटर शिक्षा और आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने का बेहतर अवसर मिल सकेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि यशिका चौहान ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर किया। इसके उपरांत उन्होंने राष्ट्र संत स्वामी कल्याण देव तथा पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विद्यालय प-रिवार की ओर से उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं में नई कंप्यूटर लैब को लेकर उत्साह दिखाई दिया। कॉलेज में स्थापित डिजिटल कंप्यूटर लैब का निर्माण सांसद निधि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंदन सिंह चौहान के प्रयासों से कराया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराना और उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। लैब का निर्माण कार्यदायी संस्था यूपी सिकोपुर के माध्यम से कराया गया है। इस सुविधा से अब कॉलेज के विद्यार्थियों को कंप्यूटर और डिजिटल तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलेगी।



ग्रामीण बच्चों को भी मिले शहरों जैसी डिजिटल शिक्षा : यशिका चौहान

मुख्य अतिथि यशिका चौहान ने कहा कि सांसद चंदन सिंह चौहान का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चों को भी शहरों के विद्यार्थियों जैसी आधुनिक और डिजिटल शिक्षा की सुविधाएं मिलें। आज का समय तकनीक का समय है और शिक्षा के क्षेत्र में कंप्यूटर का ज्ञान बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा केवल कंप्यूटर चलाना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और रोजगार के नए अवसरों के द्वार भी खोलती है। ग्रामीण परिवेश के बच्चों को भी समय के साथ आगे बढ़ने और तकनीकी रूप से दक्ष बनने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कंप्यूटर लैब विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और उज्ज्वल भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कंप्यूटर शिक्षा के साथ ऑनलाइन पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में मिलेगी मदद कॉलेज के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने डिजिटल कंप्यूटर लैब की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यहां छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी देने के साथ ही इंटरनेट के उपयोग, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल कौशल और आधुनिक तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इसके अलावा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी कंप्यूटर लैब का लाभ मिलेगा।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विजय वर्मा पर अभद्र टिप्पणी का आरोप, समाज के प्रबुद्ध जनों ने की एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर की मांग

मुज़फ़्फ़रनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जनपद में राजनीतिक व सामाजिक पारा अचानक चढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त ओबीसी जिलाध्यक्ष विजय वर्मा द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दिया गया कथित विवादास्पद बयान सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित (वायरल) होने के बाद वाल्मीकि समाज में गहरा असंतोष और आक्रोश फैल गया है। बयान से आहत समाज के सैकड़ों लोगों और प्रबुद्ध जनों



ने लामबंद होकर पार्टी नेता के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और सीधे पुलिस प्रश-ासन के शीर्ष अधिकारियों तक अपनी नाराजगी दर्ज कराई। एसएसपी दफ्तर पर किया प्रदर्शन, सड़कों पर उतरा गुस्सा

मामले की जानकारी मिलते ही वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि, स्थानीय जन और सामाजिक कार्यकर्ता एकजुट होकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष विजय वर्मा की कार्यशैली और भाषा पर कड़ा ऐतराज जताते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का साफ तौर पर आरोप है कि सत्ता के नशे में चूर होकर भाजपा नेता ने पूरे समाज के मान-सम्मान को ठेस पहुंचाई है और ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग किया है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एससी-एसटी एक्ट के तहत तत्काल एफआईआर की मांग

एसएसपी कार्यालय पर ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन से स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि आरोपी नेता के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (निवारण) अधिनियम (एससी-एसटी एक्ट) की गंभीर धाराओं के तहत तुरंत प्राथमिकी दर्ज की जाए। प्रदर्शन में शामिल प्रबुद्ध जनों ने कहा कि सार्वजनिक मंच से समाज विशेष के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करना सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः
◆अनिल रॉयल
✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

अति अल्पकालीन रेट कुटेशन सूचना

पत्रांकः- 1537 / नि0वि0 / 2026-27 दिनांकः- 04 / 11 / 2026

समस्त ठेकेदार/फर्म स्वामियों को सूचित किया जाता है कि अहिल्याबाई चौक पर प्रतिमा मंडप, बिजली फिटिंग सहित अन्य कार्य कराना चाहती है।

अतः इच्छुक ठेकेदार/फर्म स्वामी अपनी-अपनी सील बन्द रेट कोटेशन दर सहित दिनांक 05 / 11 / 26 से दिनांक 13 / 11 / 26 तक समय 03:00 बजे कार्यालय में दस्ती अथवा डाक द्वारा प्राप्त करा सकते है, तथा प्राप्त रेट कोटेशनो को दिनांक 13 / 11 / 26 सांय 04:00 बजे खोला जायेगा। सशर्त रेट कोटेशन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी रेट कोटेशन अथवा सभी कोटेशन को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित है और अधिक जानकारी के लिए कार्यालय कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते है। जिसकी मद सूची निम्नवत् है-

S.No.	Particular of Item	QTY	UNIT	RATE
1	Supply and Fixing of White Marble Stone Mandap Fitting, Polishing, Cartage and Adhesive All Work Complete.	1	sqm	

सहायक अभियन्ता (निर्माण) नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर। | अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर। | अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, खतौली मुजफ्फरनगर

पत्रांकः- 962 /न०पा०प०/2026-27 दिनांकः 04/11/2026

"ई-निविदा दर आमंत्रण सूचना"

शासनादेश संख्या-पी०एम०यू०/1452/589/2025 दिनांक-25 जून, 2026 के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन/राज्य वित्त आयोग/पालिका निधि स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय 2.0 योजनान्तर्गत कुल 24596 टन लिगेसी वेस्ट बायोरेमेडिएशन-बायो माइनिंग निस्तारण हेतु स्वीकृत धनराशि से (Per Ton Rates of Legacy Waste Processing Through Bio-Remediation and Bio-Mining) दरें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा दर का विवरण एवं प्रपत्र उत्तर प्रदेश ई-प्रोक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है जिसे डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

टेंडर शेड्यूल (Tender Schedule)

E-Tender Reference	963 /न०पा०प०/2026-27
Publish Date and Time for Ref	04/11/2026 at 12:00 PM
Last Date and Time for Submission of E-Bids	25/11/2026 Upto 12:00 PM
E-Tender Opening Date	25/11/2026 at 02:00 PM
Place of opening of E-Bid	Nagar Palika Parishad Khatauli, Muzaffarnagar.
E-Tender Documents Processing	टैण्डर मूल्य के लिए वेबसाइट पर अपलोड निविदा में देखे **As Per List.**
E-Tender निविदा शुल्क/टेंडर मूल्य	खाता संख्या-11146410103 भारतीय स्टेट बैंक शाखा खतौली IFSC CODE-SBIN0002390
E-Tender धरोहर राशि	धरोहर राशि के लिए वेबसाइट पर अपलोड निविदा में देखे **As Per List.**
Bid Opening Place	Office of the Nagar Palika Parishad Khatauli Muzaffarnagar.

समस्त निविदादाताओं को निविदा मूल्य एवं जमानत धनराशि पालिका के भारतीय स्टेट बैंक, शाखा खतौली में संचालित खाता सं०-11146410103 (IFSC Code- SBIN0002390) में आर०टी०जी०एस०/एन०ई०एफ०टी० के द्वारा जमा किया जायेगा। उक्त वेबसाइट पर निविदा सम्बन्धी विस्तृत नियम व शर्तों का विवरण उपलब्ध है, निविदादाताओं हेतु निविदा संशोधन सूचना http://etender.up.nic.in पर ही अपलोड किया जायेगा, पृथक से प्रकाशन नही किया जायेगा। ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

अधिश



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 05 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



बस के पहिये के नीचे कुचलकर छह साल की मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत

बारात से दो बच्चों को बाइक पर बैठाकर घर लौट रहा था पिता, चोरावाला गांव के पास बस ने मारी टक्कर, चार साल का मासूम भाई और पिता घायल, हादसे के बाद परिवार में मचा कोहराम

मुजफ्फरनगर। शादी समारोह में शामिल होकर हंसी-खुशी घर लौट रहे एक परिवार की खुशियां रास्ते में हुए भीषण सड़क हादसे ने छीन लीं। पिता के साथ बाइक पर बैठकर घर लौट रही छह साल की मासूम सिमरा को क्या पता था कि उसका यह सफर जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव चोरावाला के पास मोरना की ओर से आ रही एक बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार पिता और उसके दोनों बच्चे सड़क पर जा गिरे। इसी दौरान छह वर्षीय सिमरा बस के नीचे आ गई और पहियों की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में उसका पिता साजिद और चार वर्षीय छोटा भाई शिफान भी घायल हो गए। एक पल में परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

हल्दौर से आई बारात में शामिल होने गया था परिवार

जानकारी के अनुसार बिजनौर जिले के हल्दौर निवासी साजिद शादी समारोह में शामिल होने गया था। उसके साथ उसकी छह वर्षीय बेटी सिमरा और चार वर्षीय बेटा शिफान भी थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद साजिद दोनों बच्चों को बाइक पर बैठाकर घर लौट रहा था। रास्ते में बच्चों के साथ घर पहुंचने और परिवार के बीच लौटने की उम्मीद लेकर निकले साजिद को जरा भी अंदाजा नहीं था कि चोरावाला गांव के पास एक हादसा उसकी जिंदगी को हमेशा के लिए बदल देगा। बताया गया कि साजिद जब बाइक लेकर ककरौली थाना क्षेत्र के गांव चोरावाला के पास पहुंचा, तभी मोरना की ओर से आ रही बस ने उसकी बाइक में साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और उस पर सवार तीनों सड़क पर जा गिरे। इसी दौरान छह वर्षीय सिमरा बस के नीचे आ गई। बस के पहियों की चपेट में आने से बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में साजिद और उसका चार वर्षीय बेटा शिफान भी चोटिल हो गए।

मासूम की मौत से घटनास्थल पर मची चीख-पुकार

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल की ओर



दौड़ पड़े। सड़क पर घायल पिता और मासूम बच्चे को देखकर लोगों ने मदद के प्रयास शुरू किए। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सबसे हृदयविदारक स्थिति उस समय बनी, जब परिवार को छह वर्षीय सिमरा की मौत का पता चला। जिस बेटी को पिता अपने साथ लेकर शादी समारोह से घर लौट रहा था, वह अब इस दुनिया में नहीं रही। हादसे की खबर से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मासूम की मौत से गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल बन गया।

सीओ भोपा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे

दुर्घटना की सूचना मिलते ही सीओ भोपा राधा रमण सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर एकत्र लोगों को समझाकर शांत कराया और स्थिति को संभाला। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं घायल साजिद और उसके चार वर्षीय बेटे शिफान को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बस को अपने कब्जे में ले लिया और चालक को हिरासत में लेकर थाने पहुंचा दिया।

एक मासूम की मौत ने पूरे परिवार को दिया जिंदगी भर का दर्द

सड़क हादसे में छह साल की बच्ची की मौत ने एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क पर असावधानी से होने वाली दुर्घटनाओं की गंभीरता को सामने ला दिया है। शादी समारोह में शामिल होने गया परिवार जिस खुशी के साथ घर लौट रहा था, उसी परिवार के लिए रास्ते में ऐसा दुख इंतजार कर रहा था, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। चार साल का मासूम शिफान घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि पिता साजिद को अपनी आंखों के सामने बेटी को खोने का गहरा सदमा लगा। एक तरफ परिवार में शादी की खुशियां थीं, दूसरी तरफ कुछ ही देर में मातम छा गया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में दुर्घटना के कारणों की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

वहलना चौक पर बाइक सवार तीन युवकों ने ट्रांसपोर्ट कारोबारी का मोबाइल छीना

रात करीब एक बजे फोन पर बात करते हुए जा रहा था युवक, दो बाइकों पर सवार होकर आए थे छह बदमाशों में से तीन ने दिया वारदात को अंजाम; घटना के 18 दिन बाद सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शहर में मोबाइल छीनने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। वहलना चौक के पास रात के समय बाइक पर जा रहे एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी को निशाना बनाते हुए बाइक सवार युवकों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित कारोबारी उस समय अपने निजी काम से वहलना चौक की ओर जा रहा था और मोबाइल पर बात कर रहा था। इसी दौरान पीछे से दो बाइकों पर सवार होकर आए छह युवकों में से तीन ने उसका मोबाइल छीन लिया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। अब थाना सिविल लाइन पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, सुजडू निवासी अली मुरसलीन पुत्र अनीस अहमद ट्रांसपोर्ट का काम करता है। उसने बताया कि 17 अक्टूबर 2026 की रात करीब एक बजे वह अपने निजी काम से वहलना चौक गया था। वह अपनी बाइक से जा रहा था और रास्ते में मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान पीछे की ओर से दो बाइक पर सवार होकर छह युवक वहां पहुंचे। दोनों बाइकों पर तीन-तीन युवक बैठे हुए थे। पीड़ित के अनुसार, बाइक सवार युवक पीछे से आए और मौका मिलते ही उसका मोबाइल फोन छीन लिया। अचानक हुई इस घटना से वह कुछ समझ पाता, इससे पहले ही आरोपी मोबाइल लेकर फरार हो गए। वारदात के बाद पीड़ित ने आरोपियों की तलाश करने का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मोबाइल छीनने वाले युवक दो बाइकों पर सवार थे और उनकी संख्या छह थी। घटना 17 अक्टूबर की रात की बताई गई है, जबकि पीड़ित ने चार नवंबर 2026 को थाना सिविल लाइन पहुंचकर लिखित शिकायत दी। उसने पुलिस को बताया कि वह ट्रांसपोर्ट का काम करता है और निजी काम से वहलना चौक की ओर जा रहा था, तभी उसके साथ मोबाइल छीनने की वारदात हुई। पीड़ित ने पुलिस से मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने और मोबाइल बरामद कराने की मांग की। तहरीर में पीड़ित ने अपना नाम अली मुरसलीन पुत्र अनीस अहमद बताया है। वह मकान संख्या 862, मोहल्ला कुंगर पट्टी, सुजडू, थाना खालापार, मुजफ्फरनगर का निवासी है। उसने पुलिस को अपने मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए हैं।

जोला गांव में खतरनाक स्टंटबाजी का वीडियो वायरल, दो घंटे में गाड़ियां पकड़ लाई बुढ़ाना पुलिस

चलती गाड़ियों की खिड़कियों पर खड़े होकर और बोनट पर बैठकर युवक दिखा रहे थे करतब, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही गढ़ी चौकी इंचार्ज नीरज भाटी ने संभाला मोर्चा, पुलिस की त्वरित कार्रवाई की ग्रामीणों ने की सराहना

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने और खुद को साहसी दिखाने के चक्कर में कुछ युवाओं द्वारा सड़कों पर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव जोला में कई गाड़ियों के साथ खतरनाक स्टंटबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की। वीडियो सामने आने के महज दो घंटे के भीतर गढ़ी चौकी इंचार्ज नीरज भाटी ने स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई गाड़ियों को पकड़ लिया। पुलिस की इस तत्परता की क्षेत्रीय ग्रामीणों ने सराहना की है। जानकारी के अनुसार, गांव जोला में चार से पांच गाड़ियों में सवार कुछ युवक खतरनाक अंदाज में स्टंटबाजी कर रहे थे। इस दौरान युवकों ने यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा की परवाह किए बिना गाड़ियों को स्टंट का माध्यम बना लिया। वायरल वीडियो में कुछ युवक चलती गाड़ियों की खिड़कियों पर खड़े होकर करतब दिखाते नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ युवक गाड़ियों के बोनट पर बैठकर खतरनाक अंदाज में अपनी जान जोखिम में डालते दिखाई दे रहे हैं।



स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। सार्वजनिक रास्तों पर इस तरह की हरकतों को गंभीरता से लेते हुए गढ़ी चौकी इंचार्ज नीरज भाटी ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने वीडियो के आधार पर स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई गाड़ियों की पहचान करने का प्रयास किया और संबंधित वाहनों की तलाश शुरू कर दी। गढ़ी चौकी इंचार्ज नीरज भाटी ने सक्रियता दिखाते हुए मामले में तेजी से कार्रवाई की। पुलिस ने वीडियो सामने आने के महज दो घंटे के भीतर स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई गाड़ियों को पकड़ लिया। कम समय में हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र में चर्चा रही। पुलिस की तत्परता को लेकर ग्रामीणों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कार्रवाई की सराहना की। सड़कों पर चलती गाड़ियों की खिड़कियों पर खड़े होना, बोनट पर बैठकर करतब दिखाना और वाहनों को तेज गति से दौड़ाना बेहद खतरनाक है। ऐसी लापरवाही में स्टंट करने वाले युवकों की जान तो खतरे में पड़ती ही है, साथ ही सड़क से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों, राहगीरों और स्थानीय लोगों के साथ भी गंभीर हादसा हो सकता है। अचानक संतुलन बिगड़ने या वाहन अनियंत्रित होने की स्थिति में बड़ा नुकसान हो सकता है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन की जरूरत को सामने ला दिया है।

बीमा के 16 लाख रुपये हड़पने के लिए रची स्कॉर्पियो चोरी की साजिश, वादी का पिता ही निकला मास्टरमाइंड

जानसठ पुलिस ने किया चौंकाने वाला खुलासा, पिता ने ही दो साथियों को सुपारी देकर चोरी कराई थी अपनी ही स्कॉर्पियो-एन; तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी की स्कॉर्पियो और वारदात में इस्तेमाल ऑल्टो बरामद

मुजफ्फरनगर। बीमा कंपनी से 16 लाख रुपये की रकम हासिल करने के लालच में अपनी ही स्कॉर्पियो-एन चोरी कराने की साजिश रचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस पूरे षड्यंत्र का खुलासा जानसठ पुलिस ने करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि जिस व्यक्ति ने अपनी स्कॉर्पियो चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, उसके पिता ने ही बीमा की रकम हड़पने के उद्देश्य से चोरी की पूरी योजना तैयार की थी। आरोप है कि पिता ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा और वाहन को चोरी कराकर उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगवा दी, ताकि उसे बेचकर और बीमा कंपनी से रकम हासिल कर आर्थिक लाभ लिया जा सके। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई स्कॉर्पियो-एन, वारदात में इस्तेमाल की गई ऑल्टो कार और एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया है। बरामद दोनों गाड़ियों पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थीं। पुलिस के अनुसार, ऑल्टो कार भी दिल्ली से चोरी की गई थी। मामले में धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र और फर्जी दस्तावेजों से संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार, मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र के गांव मवी मीरा निवासी मौहम्मद शाहबाज सलमानी पुत्र अफजाल ने 26 अक्टूबर 2026 को जानसठ थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी वर्ष 2023 मॉडल की सफेद रंग की स्कॉर्पियो-एन, जिसका पंजीकरण नंबर UP32PB9902 है, कस्बा जानसठ में भलेड़ी गेट के पास से अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 159/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय



के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों, संदिग्ध वाहनों और अन्य जानकारियों के आधार पर जांच शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को मामले में अहम सुराग मिले और चोरी की घटना के पीछे बीमा की रकम हासिल करने की साजिश होने का खुलासा हुआ। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी अहसान ने बताया कि स्कॉर्पियो चोरी कराने की योजना वादी मुकदमा के पिता अफजाल ने बनाई थी। आरोप है कि अफजाल ने बीमा कंपनी से करीब 16 लाख रुपये हासिल करने के उद्देश्य से अहसान और मेहताब के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा था। योजना के तहत स्कॉर्पियो को चोरी कराया गया और उसकी पहचान छिपाने के लिए उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी चोरी की स्कॉर्पियो को फर्जी नंबर प्लेट के सहारे बेचने की फिराक में थे। इस तरह वाहन चोरी की घटना को वास्तविक दिखाकर बीमा की रकम हासिल करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि, जानसठ पुलिस की जांच में साजिश का खुलासा हो गया और तीनों आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस इस मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। जानसठ पुलिस ने 4 नवंबर को सलारपुर जटवाड़ा नहर पटरी से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अहसान पुत्र फकरुद्दीन निवासी गांव तिसंग थाना जानसठ, अफजाल पुत्र नफीस निवासी गांव मवी मीरा थाना दौराला मेरठ और मेहताब पुत्र सब्बीर निवासी पानी की टंकी के पास कस्बा लावड़ थाना इंचौली मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई स्कॉर्पियो-एन और घटना में इस्तेमाल की गई ऑल्टो कार बरामद की। स्कॉर्पियो पर दिल्ली नंबर DL8CBL7279 की फर्जी नंबर प्लेट लगी मिली, जबकि उसका वास्तविक पंजीकरण नंबर UP32PB9902 है। वहीं, ऑल्टो कार का वास्तविक नंबर HR51BS5547 है, जिस पर HR18D6932 की फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी।

मुकदमे में समझौता न करने पर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप, एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

गोलीकांड के मुकदमे में जेल गए आरोपियों पर पीड़ित को लगातार परेशान करने का आरोप, नाबालिग बेटी से छेड़छाड़, दुष्कर्म और रंगदारी मांगने की शिकायत को बताया निराधार, मीडिया सेंटर में पत्रकारों के सामने रखी अपनी बात

मुजफ्फरनगर। पुराने रंजिशन गोलीकांड के मुकदमे में समझौता करने से इनकार करने पर एक व्यक्ति को झूठे आरोपों में फंसाने और लगातार मानसिक रूप से परेशान करने का मामला सामने आया है। थाना मीरापुर क्षेत्र के गांव गढ़ी मुझेड़ा निवासी चांद मोहम्मद ने अपने विरोधियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़ित का आरोप है कि गोलीकांड के मुकदमे में जेल जा चुके आरोपी अब उस पर फैसला करने का दबाव बना रहे हैं। जब उसने समझौता करने से साफ इनकार कर दिया तो उसे बदनाम करने और पुलिस व अन्य अधिकारियों के यहां झूठी शिकायतें देकर फंसाने की कोशिश की जा रही है। पीड़ित ने इस संबंध में मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी और



आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए चांद मोहम्मद ने बताया कि इंतजार को मार्च 2025 में थाना छपार क्षेत्र के गांव खामपुर में गौकशी करते हुए गौमांस के साथ पकड़ा गया था। इस मामले में इंतजार काफी समय तक जेल में भी रहा था। चांद मोहम्मद के अनुसार कुकड़ा निवासी इंतजार और उसके परिवार के लोग उस पर शक करते हैं कि उसने ही गौकशी की सूचना पुलिस को दी थी, जबकि उसका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं था। इसी बात को लेकर इंतजार, उसका बेटा अरमान और परिवार के अन्य लोग उससे रंजिश रखने लगे। चांद मोहम्मद ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 23 अप्रैल 2025 की रात उसे बहाने से एआरटीओ कार्यालय बुलाया गया था। जब वह रास्ते में एक ट्यूबवेल के पास पहुंचा तो वहां पहले से इंतजार, मोमीन, अरमान और उनके कुछ अन्य साथी मौजूद थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से गोली चला दी, जो उसके पेट में लगी थी। इस घटना के संबंध में थाना नई मंडी में मुकदमा अपराध संख्या 208/2025 धारा 190, 109(1) और 351(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। पीड़ित का कहना है कि इस मामले में इंतजार, अरमान सहित अन्य आरोपी जेल भी गए थे और मुकदमा अभी न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़ित चांद मोहम्मद का आरोप है कि गोलीकांड के मुकदमे में समझौता करने के लिए इंतजार, अरमान और इंतजार के एक रिश्तेदार द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है। उसने आरोपियों को साफ कह दिया कि वह न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे में समझौता नहीं करेगा। इसके बाद से ही उसके खिलाफ शिकायतों का सिलसिला शुरू हो गया। चांद मोहम्मद के मुताबिक, आरोपी इंतजार उसके खिलाफ पुलिस अधिकारियों, अन्य विभागों और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष भी लगातार प्रार्थना पत्र दे रहा है।

जनगणना-2027 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, पर्यवेक्षकों और प्रगणकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

डीएम उमेश मिश्रा और एडीएम गंभीर सिंह ने श्रीराम कॉलेज पहुंचकर प्रशिक्षण का किया औचक निरीक्षण, प्रशिक्षुओं से किया सीधा संवाद; आंकड़ों की शुद्धता, गोपनीयता और तकनीकी जानकारी पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 को त्रुटिरहित और सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जनगणना के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना के लिए तहसील सदर के पर्यवेक्षकों और प्रगणकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। प्रशिक्षण के दूसरे बैच के शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह ने श्रीराम कॉलेज स्थित प्रशिक्षण केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने द्वितीय शिफ्ट के प्रशिक्षण सत्र का औचक निरीक्षण करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रशिक्षुओं की सहभागिता और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के तहत तहसील सदर के पर्यवेक्षकों और



प्रगणकों को अलग-अलग बैच में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए तीन चरण निर्धारित किए गए हैं। प्रथम बैच का प्रशिक्षण 26, 27 और 28 अक्टूबर को आयोजित किया गया। द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 4, 5 और 6 नवंबर को चल रहा है, जबकि तृतीय बैच का प्रशिक्षण 12, 13 और 14 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मैदानी स्तर पर जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को आवश्यक तकनीकी जानकारी, निर्धारित प्रक्रियाओं और दिशा-निर्देशों से पूरी तरह अवगत कराना है, ताकि वास्तविक गणना के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि या परेशानी सामने न आए।

डीएम ने प्रशिक्षुओं से किया सीधा संवाद

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पर्यवेक्षकों और प्रगणकों से सीधे बातचीत की। उन्होंने प्रशिक्षण की जानकारी लेते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका और जिम्मेदारी अहम है। सभी कर्मचारी पूरी गंभीरता, ईमानदारी और सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। डीएम ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण को केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे संवादात्मक बनाया जाए। प्रशिक्षुओं को सवाल पूछने और अपनी शंकाओं का समाधान कराने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान किसी भी विषय को लेकर असमंजस नहीं रहना चाहिए, ताकि जब कर्मचारी मैदानी स्तर पर गणना के लिए पहुंचें तो उन्हें कार्य करने में कोई कठिनाई न हो। जिलाधिकारी ने जनगणना के दौरान संकलित किए जाने वाले आंकड़ों की शुद्धता और गोपनीयता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना में एकत्र की जाने वाली जानकारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

सोशल मीडिया पर विवाहिता की अश्लील तस्वीरें डालने का आरोप, पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुंबई में दर्ज पुराने मुकदमे का फैसला करने का दबाव बनाने के लिए तस्वीरें संपादित कर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर प्रसारित करने का आरोप, कई सोशल मीडिया खातों के नाम भी पुलिस को बताए

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर महिलाओं की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें अश्लील रूप में प्रसारित करने का एक गंभीर मामला बुढ़ाना कस्बे में सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने पति पर ही उसकी तस्वीरों को कथित रूप से अश्लील तरीके से संपादित कर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अपलोड करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि मुंबई में पहले से दर्ज मुकदमे का फैसला करने का दबाव बनाने के लिए पति ने सोशल मीडिया पर उसकी तस्वीरें प्रसारित कर उसे बदनाम करने की कोशिश की। विवाहिता की शिकायत पर बुढ़ाना पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत में इंस्टाग्राम के पांच खातों और फेसबुक के एक खाते का भी उल्लेख किया गया है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, बुढ़ाना कस्बे निवासी विवाहिता की शादी करीब चार वर्ष पूर्व रजा अली जाफरी निवासी बुढ़ाना, जनपद मुजफ्फरनगर, वर्तमान निवासी मुंबई के साथ हुई थी। विवाहिता का कहना है कि शादी के कुछ दिन बाद ही दोनों के बीच संबंध विच्छेद हो गए थे। इसके बाद उसका पति मुंबई में रहने लगा। वैवाहिक संबंधों में आई कड़वाहट के बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। विवाहिता ने पुलिस को बताया कि पति से संबंध विच्छेद होने के बाद उसने वर्ष 2024 में मुंबई के अग्रीपाड़ा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 367/2024 दर्ज कराया था। इस मुकदमे को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। विवाहिता का आरोप है कि आरोपी पति उस पर मुकदमे का फैसला करने के लिए दबाव बना रहा था। जब उसने दबाव में आकर मुकदमे का फैसला नहीं किया तो उसे परेशान करने और सामाजिक रूप से बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया गया।

शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने विवाहिता की तस्वीरों को कथित रूप से अश्लील तरीके से संपादित कर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अपलोड कर दिया। विवाहिता का आरोप है कि उसकी सामान्य तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें आपत्तिजनक स्वरूप में प्रस्तुत किया गया और अलग-अलग सोशल मीडिया खातों के माध्यम से प्रसारित किया गया। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद विवाहिता मानसिक रूप से परेशान हो गई। उसका कहना है कि तस्वीरों के इस तरह प्रसारित होने से उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंच रही है। विवाहिता ने अपनी तहरीर में उन सोशल मीडिया खातों के नाम भी दिए हैं, जिनके माध्यम से तस्वीरें प्रसारित किए जाने का आरोप लगाया गया है। विवाहिता ने पुलिस से इन सभी खातों की जांच कराने और यह पता लगाने की मांग की है कि इन खातों का संचालन कौन कर रहा है तथा उसकी तस्वीरों को किसने संपादित करके अपलोड किया। पुलिस के लिए अब इन खातों से जुड़े डिजिटल साक्ष्य जुटाना और तस्वीरों के प्रसारण के पीछे की वास्तविक भूमिका का पता लगाना महत्वपूर्ण होगा।

अपराधियों पर शिकंजा कसने और लंबित विवेचनाओं के निस्तारण में तेजी लाने के एसएसपी के निर्देश

एसएसपी सूरज कुमार राय ने पुलिस लाइन में की साप्ताहिक अपराध समीक्षा गोष्ठी, महिला अपराध, एससी-एसटी मामलों और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी की प्रगति पर की समीक्षा

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और पुलिस कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में साप्ताहिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध की स्थिति, लंबित मुकदमों, विवेचनाओं, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी और निरोधात्मक कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की गई। एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अपराधों के अनावरण में तेजी लाई जाए और लंबित मामलों का निस्तारण केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि विवेचनाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समयबद्ध पूरा किया जाए।

महिला अपराध और एससी-एसटी मामलों पर विशेष फोकस

समीक्षा गोष्ठी में महिला अपराध तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित अपराधों की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। एसएसपी ने ऐसे मामलों में संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिन मुकदमों का अभी तक अनावरण नहीं हो पाया है, उनकी प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र खुलासा करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने को कहा। लंबित विवेचनाओं और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की भी समीक्षा की गई। एसएसपी ने निर्देश दिए कि जिन मामलों में गिरफ्तारी शेष है, उनमें पुलिस टीमें सक्रिय की जाएं और वांछित अभियुक्तों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। विवेचना में अनावश्यक देरी न हो तथा पीड़ितों को समय से न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। गैंगस्टरों की अवैध संपत्तियों



पर चलेगी कुर्की की कार्रवाई

अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने के उद्देश्य से गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। एसएसपी ने निर्देश दिए कि संगठित अपराध और अन्य आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों को चिह्नित किया जाए। ऐसे अपराधियों की अवैध संपत्तियों की पहचान कर नियमानुसार कुर्की की कार्रवाई प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए, ताकि अपराधियों को आर्थिक लाभ के माध्यम से आपराधिक गतिविधियां जारी रखने का अवसर न मिले। गोष्ठी के दौरान निरोधात्मक कार्रवाई की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इसमें एनडीपीएस एक्ट, जुआ, अवैध शस्त्र, आबकारी अधिनियम और गुंडा एक्ट के तहत की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब के कारोबार, जुआ और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए और क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध समय रहते निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसएसपी ने पुलिस की जनशिकायत निस्तारण प्रणाली की भी समीक्षा की। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों, जनसुनवाई, पासपोर्ट सत्यापन और सीएम दर्पण डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रगति की जानकारी ली गई।

संपादकीय

बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति, बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत या सामाजिक माहौल का असर?

घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी? पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।हरियाणा में पंचकूला के एक स्कूल में महज तीसरी कक्षा के छात्र का जैसा बर्ताव सामने आया है, वह भविष्य के समाज के प्रति चिंतित और संवेदनशील किसी भी इंसान को परेशान करने के लिए काफी है। जिस उम्र में बच्चे साथ मिल कर खेलते हैं, आपस में झगड़ते हैं और थोड़ी देर बाद फिर पहले की तरह हंसते-खिलखिलाते हैं, उसमें एक बच्चा अगर किसी छोटी बच्ची पर बेरहमी के साथ जानलेवा हमला करता है, तो इसकी जड़ें कहां से निकल रही हैं? यह त्रासद घटना हाल ही में सामने आई, जब एक वीडियो में खाली कक्षा में आठ साल के एक छात्र ने छह वर्ष की बच्ची को बेलगाम तरीके से पीटा और बेहोश होने के बाद भी किसी वस्तु से जानलेवा हमला करता रहा।शर्मनाक यह है कि कई मिनट तक हुई यह घटना कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो रही थी, लेकिन इतनी देर तक न तो कक्षा में कोई आया और न ही नियंत्रण कक्ष में स्क्रीन पर कोई देखने वाला था। अनदेखी से लेकर लापरवाही की पूरी शृंखला बताती है कि यह घटना जहां स्कूल में एक व्यापक कुप्रबंधन की है, वहीं सामाजिक उदासीनता आज एक ऐसी स्थिति निर्मित कर रही है, जिसमें छोटे बच्चे एक बड़े खतरे से दो-चार हैं।घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी?

पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।स्मार्टफोन की लत ने लोगों के व्यक्तित्व को किस कदर विकृत करना शुरू कर दिया है, यह किसी से छिपा नहीं है। बच्चे इसका सबसे नाजुक शिकार बन रहे हैं। इस तरह के आभासी खतरे से अनजान माता-पिता प्यार के नाम पर बच्चों के इसके लत का शिकार होने की अनदेखी करते हैं।नतीजतन, उसके सोचने-समझने से लेकर खुद को अभिव्यक्त करने का तरीका बेलगाम बिखराव से संचालित होने लगता है। इस तरह की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। सवाल है कि इस क्रम में जैसा समाज बन रहा है, बच्चों पर जैसा असर हो रहा है, उसमें भविष्य की कैसी दुनिया बन रही है!

महाराष्ट्र में सूखे का कहर, बूंद-बूंद को तरस रही 55 फीसदी खेती वाली जमीन

सामान्य परिस्थितियों में खट्टे फलों का औसत उत्पादन करीब 13 टन प्रति हेक्टेयर होता है। एक फल का वजन 140 से 180 ग्राम तक होता है। लेकिन सूखे से प्रभावित बगीचों में उत्पादन घटकर सात से आठ टन प्रति हेक्टेयर रह सकता है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन घटने की आशंका है।संस्थान के निदेशक एन. जी. पाटिल ने कहा कि राज्य के संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अक्सर लोग बारिश की कुल मात्रा देखकर मान लेते हैं कि स्थिति बहुत खराब नहीं है। लेकिन बारिश का वितरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

(अंकिता देशकर)

बीते तीन सालों में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ इलाकों में बारिश का औसत सामान्य से काफी कम रहा है। मराठवाड़ा स्थित बीड़ जिले की 80 फीसदी आबादी अब पानी के टैंकरों पर निर्भर है।

महाराष्ट्र देश के अमीर राज्यों में से एक है। लेकिन, यहां पर भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक विषमताएं इस कदर हावी हैं कि 'अमीर राज्य' का खिताब कागजों पर ही अच्छा लगता है। राज्य के अधिकांश इलाके ऐसे हैं जहां पर सूखा और किसानों की बदहाली बाकी राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा है। मराठवाड़ा और विदर्भ के क्षेत्र लगातार सूखे और किसान आत्महत्याओं को लेकर चर्चा में रहे हैं। इंडियास्पेंड की एक रिपोर्ट के मुताबिक मराठवाड़ा स्थित बीड़ जिले में सूखा पहले के मुकाबले काफी जल्दी अपना प्रकोप दिखाने लगा है। गांवों के तमाम तालाब और कुंए सूख चुके हैं। आदमी, मवेशी और किसानों के खेत बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। बीड़ जिले के कई गांवों में टैंकरों के जरिए पानी की सप्लाई की जा रही है। जहां लोगों को रोजाना घंटो लाइन में लेकर पानी लेना पड़ता है।

तीन साल पहले महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कई गांवों में पंचायतों के साथ मिलकर कुंओं का निर्माण कराया था। लेकिन, वे सभी कुंए सूख चुके हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह कई सालों से सामान्य से काफी कम बारिश का होना है। बीड़ के सभी 11 तालुका सूखे की भयंकर चपेट में हैं। बीते तीन सालों में बारिश का अनुपात सामान्य से काफी कम रहा है। इसकी वजह से जमीन का पानी भी काफी नीचे चला गया है। सबसे बड़ी बात की इस जिले की करीब 80 फीसदी आबादी गांवों में रहती है। मगर, व्यापक स्तर पर अभी तक कोई ऐसी ठोस योजना नहीं बन पाई है जिससे 80 फीसदी लोगों को सीधे पाइपलाइन के जरिए पानी मुहैया कराया जा सके।

अगर पूरे मराठवाड़ा क्षेत्र की बात करें तो यहां के 77 फीसदी किसानों की जमीन 5 एकड़ से ज्यादा नहीं है। इंडियास्पेंड की जुलाई 2017 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय आय की तुलना में 12,547 रुपये कम हैं। लगातार सूखे की वजह से किसानों के आत्महत्याओं की खबरें भी सुर्खियों में रही हैं। 2018 में यहां पर 125 किसानों ने खुदकुशी कर ली। पानी की कमी की वजह से बड़े किसानों ने रबी की फसल की बुवाई छोड़ दी। इलाके के लोग चीनी मीलों में काम करने के लिए बाध्य हैं। वैसे महाराष्ट्र का करीब 50 फीसदी



हिस्सा पानी की कमी से जूझ रहा है। वहीं, इंडिया स्पेंड की एक दूसरी रिपोर्ट के मुताबिक पूरे भारत की 40 फीसदी जमीन पर सूखे का प्रभाव है। ऐसे में इसकी डायरेक्ट मार गांव-देहात और किसानों पर ही पड़ रही है।

मौसंबी, संतरा और अनार की फसलें बर्बाद, किसानों को लाखों का नुकसान : राज्य में एक जून से 26 सितंबर के बीच सामान्य से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद राज्य की 358 में से 304 तहसीलों में सूखा या सूखे जैसी स्थिति घोषित कर दी गई। महाराष्ट्र में सूखे की बिगड़ती स्थिति का असर अब फल उत्पादक इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। जालना जिले की अंबड तहसील में मौसंबी के पेड़ों पर लगे फल सिकुड़कर मुश्किल से नींबू के आकार के रह गए हैं। कुछ पेड़ धूप की मार से भूरे पड़ चुके हैं, जबकि पके फल जमीन पर बिखरे पड़े हैं।विदर्भ के अमरावती जिले के लिंगा गांव में तो संतरा उत्पादक किसान पेड़ों को बचाने की उम्मीद में समय से पहले ही कच्चे फल तोड़ने लगे हैं।राज्य में एक जून से 26 सितंबर के बीच सामान्य से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद राज्य की 358 में से 304 तहसीलों में सूखा या सूखे जैसी स्थिति घोषित कर दी गई। मराठवाड़ा और विदर्भ में बारिश की कमी के कारण फलों के आकार छोटे हो गए हैं, फसलें बर्बाद हो गई हैं तथा पेड़ सूखने लगे हैं।

संतरे के पौधों को नुकसान : अमरावती जिले के लिंगा गांव में संतरा उत्पादक किसान शिवहरी हडके अपने करीब दो एकड़ के बगीचे में लगे 18 साल पुराने पेड़ों से कच्चे संतरे तोड़ रहे हैं। इन फलों का आकार आंवले जितना ही है। फल देने वाले पेड़ों को नियमित रूप से पानी की जरूरत होती है। ऐसे में शिवहरी हडके को उम्मीद है कि कच्चे फल तोड़ने से पेड़ों की पानी की जरूरत कम होगी और बाकी पेड़ों को बचाया जा सकेगा। शिवहरी हडके के बगीचे में करीब 250 पेड़ हैं, जिनमें से 10 पहले ही सूख चुके हैं। उनके छोटे भाई के बगीचे के 70 पेड़ भी सूख गए हैं। हडके के कुछ पेड़ पिछले साल भी मुरझा गए थे। परिवार को जानवरों के कारण हुए नुकसान से भी जूझना पड़ रहा है। जानवरों ने पेड़ों की छाल खरोंच दी है, जिससे वे और कमजोर हो गए हैं।

मौसंबी के फलों को नुकसान : मराठवाड़ा में लगातार पड़ रहे सूखे और कीटों के हमलों ने जालना जिले के कुछ हिस्सों में मौसंबी का उत्पादन लगातार घटा दिया है। जालना के रोहिलागढ़, अंबड और घनसावंगी के साथ-साथ बीड के गेवराई और छत्रपति संभाजीनगर के पैठण इलाके कभी मौसंबी के बगीचों के लिए मशहूर थे। लेकिन बार-बार फसल बर्बाद होने के कारण कई किसानों ने फल उगाना ही छोड़ दिया है।

आनार की खेती से हुआ नुकसान: इस साल अनार की फसल बर्बाद होने से उन्हें करीब 2.5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ढाई एकड़ खेत में अनार के 500-600 पेड़ लगाए थे। इस पर करीब 2.5 लाख रुपये खर्च किए थे। लेकिन बारिश नहीं हुई और पूरी फसल के लिए सिंचाई की व्यवस्था करना भी संभव नहीं था। 400 से ज्यादा पेड़ पूरी तरह सूख गए। बाकी पेड़ों पर छोटे फल तो लगे, लेकिन वे बेचने लायक नहीं थे। अब हम उन पेड़ों को काट देंगे। मुझे नहीं पता कि बीमा और मुआवजे के रूप में कितनी रकम मिलेगी, लेकिन इस नुकसान को स्वीकार करना बहुत मुश्किल है।

अब स्थानीय बाजारों में मौसंबी सीमित मात्रा में उपलब्ध है और इसकी कीमत 35 रुपये प्रति किलो है। इस साल महाराष्ट्र को मौसंबी की मांग पूरी करने के लिए आंध्र प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ सकता है।नागपुर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय खट्टे फल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीसीआरआई) के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि खराब मौसम के कारण खट्टे फलों की खेती में भारी नुकसान हो सकता है।संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक ए. थिरुगनानवेल ने बताया कि इस साल विदर्भ जैसे प्रमुख संतरा उत्पादक इलाकों में बारिश सामान्य से करीब 30-40 फीसदी कम हुई है। बारिश वाले दिनों की संख्या कम रहने और बारिश का असमान वितरण होने से किसानों को अपने बगीचों की सिंचाई करने में मुश्किल हो रही है।

बारिश की मात्रा और वितरण दोनों जरूरी : ए. थिरुगनावेल ने कहा, बारिश की कुल मात्रा के साथ-साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि बारिश कितने समय तक होती है। इस साल बारिश की मात्रा और अवधि, दोनों ही जरूरत के मुताबिक नहीं रहीं। इसके कारण किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पाए। अधिक तापमान, पानी की कम उपलब्धता और वाष्पीकरण बढ़ने से सूखे जैसी स्थिति पैदा हुई।

पानी की कमी का असर अब फलों के आकार और पेड़ों के जीवित रहने पर भी दिखाई दे रहा है। ए. थिरुगनानवेल ने कहा, जब पानी की कमी होती है तो पौधा उपलब्ध नमी का इस्तेमाल फल को पोषण देने के बजाय खुद को जीवित रखने के लिए करता है। इसका नतीजा यह होता है कि फल का आकार छोटा रह जाता है। इसके अलावा पेड़ों के सूखने की घटनाएं भी सामने आई हैं। सामान्य परिस्थितियों में खट्टे फलों का औसत उत्पादन करीब 13 टन प्रति हेक्टेयर होता है। एक फल का वजन 140 से 180 ग्राम तक होता है। लेकिन सूखे से प्रभावित बगीचों में उत्पादन घटकर सात से आठ टन प्रति हेक्टेयर रह सकता है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन घटने की आशंका है।संस्थान के निदेशक एन. जी. पाटिल ने कहा कि राज्य के संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अक्सर लोग बारिश की कुल मात्रा देखकर मान लेते हैं कि स्थिति बहुत खराब नहीं है। लेकिन बारिश का वितरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। फसल के गलत चरण में हुई बारिश किसानों के किसी काम नहीं आती। कृषि सूखा और जलवैज्ञानिक सूखा भी अलग-अलग होते हैं।फलों का रंग ठीक से विकसित नहीं होने पर बाजार में उनकी कीमत और गिर सकती है। वहीं, लंबे समय तक नमी की कमी से पेड़ कमजोर हो जाते हैं और उन पर कीटों तथा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जो पेड़ स्थायी रूप से मुरझाने की स्थिति से आगे बढ़कर पूरी तरह सूख चुके हैं, उनके दोबारा हरा होने की संभावना नहीं रहती।

आदतें ही बनाती हैं भविष्य, छोटी-छोटी कोशिशों से बदल सकती है...

(सुरेश कुमार सारण)

जो मनुष्य जब चाहे अपनी आदतों को बदलने की इच्छाशक्ति रखता है, नई आदतें बना सकता है और पुरानी छोड़ सकता है, वह अपने जीवन में मनचाहा परिणाम भी हासिल कर सकता है। मनुष्य के भीतर सबसे ठोस और स्थायी चीज आदतें ही हैं। आदतें मुश्किल से बनती हैं और लंबे वक्त तक पीछा नहीं छोड़तीं। बार-बार दोहराने की वजह से आदतें स्वचालित बन जाती हैं। मनुष्य का व्यवहार उसकी आदतों से ही जुड़ा होता है। मनुष्य का चरित्र, व्यक्तित्व और उसकी सफलता उसकी आदतों से अनिवार्य रूप से संबद्ध होती हैं। मनुष्य अलग-अलग आदतों के जुड़ने से बना प्राणी है।

हर व्यक्ति हर चीज को अलग तरह से ग्रहण करता है और अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है। यह विशिष्टता उसकी मनोवृत्ति और किसी चीज से उसके व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव के अनुपात से बनती है। मनोविज्ञान के अनुसार मनुष्य के दैनिक कार्यों का लगभग चालीस फीसद हिस्सा सोच-समझकर लिए गए फैसलों का नहीं, बल्कि उसकी आदतों का परिणाम होता है। हम उन्हीं चीजों को बिना सोचे-समझे दोहराते हैं, जिन पर अभ्यास के द्वारा फैसला ले चुके हों। मनुष्य के निर्णय उसकी अपनी आदतों से बनते हैं। आदतें एक तरह से निर्णय ही हैं। मनुष्य द्वारा लिए गए निर्णयों के योग से उसका भविष्य बनता है।

मनुष्य की नियति और उसकी आदतों में सीधा संबंध होता है। नियति उसके निर्णयों से मिलकर बनती है। वह निर्णयों से अलग अपने आप में कोई स्थिति नहीं है, इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है। मनुष्य अपनी नियति को अपने व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया में सृजित करता है। वह दैनिक जीवन की आदतों के संचय से इसे अर्जित करता है। जो मनुष्य जब चाहे अपनी आदतों को बदलने की इच्छाशक्ति रखता है, नई आदतें बना सकता है और पुरानी छोड़ सकता है, वह अपने जीवन में मनचाहा परिणाम भी हासिल कर सकता है। परिणाम आदतों का समुच्चय है। हम जो खुराक उसमें डालेंगे, उसी के अनुरूप नतीजे सामने आएँगे। कोई नतीजा अपने आप से पैदा नहीं हो सकता। नई आदतों को विकसित करने और फालतू अनुत्पादक आदतों को छोड़ने के लिए जरूरी है कि इन आदतों से लंबे समय में मिलने वाले परिणामों के बारे में सचेत रहा जाए। कोई भी आदत एकदम से मनुष्य के जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन नहीं कर सकती है। वे धीमी गति से काम करती हैं। उनके परिणाम देर से मिलते हैं, लेकिन वे अवश्यंभावी और स्थायी होते हैं। आदतें कोई चमत्कार नहीं कर सकतीं, इसीलिए हम उनके बारे में कम सचेत रहते हैं। हमें लगता है कि इनसे कुछ भी खास नहीं होगा। लोगों को तुरंत हासिल होने वाले परिणाम चाहिए, लेकिन वे कहानियों और कल्पनाओं के अलावा कहीं नहीं होते। हर चीज एक निश्चित प्रक्रिया में घटित होती है। इस प्रक्रिया में अलग-अलग दौर और मनोस्थितियाँ शामिल होती हैं। इसमें आशा-निराशा, संभावना और पुरस्कार शामिल होते हैं। मनुष्य अपनी आदतों को दिनचर्या के अनिवार्य और अपरिवर्तनीय हिस्से के रूप में देखता है। वह उन्हें सजग हुए बिना दोहराता जाता है। रोज दोहराई जाने वाली आदतें हमारे जीवन में क्या बेहतर कर सकती हैं, इस बारे में सोचने पर आदतों के प्रति सतर्कता स्वभाव का हिस्सा बन जाएगी।

आदतें रोज जारी रहने वाली क्रिया हैं। जब हम किसी कार्य को आदत बना लेते हैं, तो वह लक्ष्य पूरा होना तय है। रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़कर भी हम बहुत ज्यादा पढ़ लेते हैं। जब हम महान व्यक्तियों के जीवन पर निगाह डालते हैं, तो पता चलता है कि उन्होंने अपने भीतर कुछ अच्छी आदतें विकसित कीं, जिन्हें वे ताउम्र दोहराते रहे। कोई भी चीज आसमान से नहीं उतरती, मनुष्य के भीतर धीरे-धीरे आकार लेती है। वह किसी एक दिन पूरी हो जाती है, लेकिन उसका चलना कई-कई महीनों और सालों का होता है। अनुशासन अच्छी आदतों से ही बनता है।

आदतें तुरंत परिणाम नहीं देतीं और उनके परिणाम भविष्य में होते हैं। इसीलिए व्यक्ति बुरी आदतों को छोड़ नहीं पाता। उसे लगता है कि इन आदतों से उसे कोई प्रत्यक्ष नुकसान नहीं हो रहा। जब परिणाम एक लंबी प्रक्रिया में मिलता है, तब अच्छी आदतों को विकसित करना मुश्किल होता जाता है। मानव स्वभाव से ही तुरंत परिवर्तन चाहता है। लंबे वक्त तक प्रेरणा और उत्साह बनाए रखना सबके वश की बात नहीं होती। जो लोग ऐसा कर पाते हैं, वे मानवीय सीमाओं को बढ़ाते हैं और महानता के करीब पहुँच जाते हैं। अपने क्षेत्रों में शिखर पर पहुँचे हुए लोगों में एक ही समानता है कि वे अपने क्षेत्र के लिए जरूरी कार्य को रोजाना करते हैं, सालों-साल के अभ्यास के बावजूद वे इसे करते हैं और पारंगत हो जाते हैं। वे जरूरत और अभ्यास को एक आदत बना लेते हैं। कुछ करना और उसे दोहराना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। सफलता पाने का यही एक सूत्र है, जिसे मानव इतिहास में अधिकतम कामयाबी मिली है। पश्चिमी दार्शनिक विल ड्यूरेंट ने कहा है कि 'हम वही हैं, जो हम बार-बार करते दिखते हैं। इसलिए, उत्कृष्टता कोई क्रिया नहीं, बल्कि एक आदत है।' महान वे होते हैं जो उत्कृष्टता को क्रिया में तब्दील कर पाने में समर्थ हो जाते हैं। आदतों से नियंत्रित होने के बजाय उन्हें अपने अनुसार विकसित करके मनुष्य अपने जीवन के नियंत्रण को अपने हाथ में ले सकता है। हम आदतों को इस तरह देखते हैं जैसे वे अपने आप बन गई हैं और उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। इसी से नियतिवादी दृष्टिकोण का जन्म होता है। दरअसल, मनुष्य में बहुत कम चीजें हैं, जो बदली न जा सकती हों। अपनी आदतों को बदलकर मनुष्य अपने जीवन में आमूलचूल परिवर्तन कर सकता है और जो चाहे हासिल कर सकता है।

किताबों और खिलौनों की उम्र में हिंसा का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं बच्चे?

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय....

(योगेश कुमार गोयल)

यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

बचपन को मासूमियत, निश्छलता, संवेदनशीलता और खिलखिलाती मुस्कान का पर्याय माना जाता है। बच्चों के हाथों में खिलौने अच्छे लगते हैं, पत्थर और ईंटें नहीं, उनकी आंखों में सपने अच्छे लगते हैं, किसी के प्रति नफरत और हिंसा नहीं। लेकिन जब 8-10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी किसी दूसरे मासूम की जान लेने पर उतारू हो जाएं, तब सवाल केवल एक बच्चे के असामान्य व्यवहार का नहीं रह जाता बल्कि पूरे सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कारों, शिक्षा व्यवस्था और हमारी बदलती जीवनशैली का हो जाता है। हरियाणा के पंचकूला में छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा किया गया बर्बर हमला इसी भयावह वास्तविकता का आईना है। जब पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार-बार प्रहार किए। करीब 96 सैकेंड तक चली इस हिंसा का दृश्य कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ। सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि हमला करने



वाला कोई व्यस्क अपराधी नहीं बल्कि 8 वर्ष का बच्चा है। यह घटना जितनी पीड़ित बच्ची के लिए भयावह है, उतनी ही उस बच्चे के मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। आखिर इतनी छोटी उम्र में किसी बच्चे के भीतर इतनी आक्रामकता कहां से आती है? क्या उसने हिंसा को सामान्य व्यवहार मान लिया है? क्या वह किसी के दर्द और असहायता को महसूस करने की क्षमता खो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि हमारे घरों, स्कूलों और समाज में ऐसा क्या बदल रहा है कि बचपन की भाषा में प्रेम और संवेदना की जगह हिंसा प्रवेश करती जा रही है? उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में जिस तरह बच्ची के असहाय हो जाने के बाद भी हमला जारी रहने की बात सामने आई है, वह सामान्य बाल-सुलभ झगड़े से कहीं अधिक गंभीर है।

इस घटना ने एक ऐसा प्रश्न हमारे सामने खड़ा किया है, जिससे मुंह मोड़ना अब संभव नहीं है कि आखिर बच्चों के मन में हिंसा के बीज कौन बो रहा है? बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय लगातार कम होता जा रहा है। माता-पिता अपनी व्यस्तताओं में उलझे हैं और कई बार बच्चे अपनी भावनात्मक उलझनों के साथ अकेले रह जाते हैं। घर में माता-पिता के झगड़े, गाली-गलौज, मारपीट, अपमानजनक भाषा और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देखने वाले बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बच्चा वही सीखता है, जो अपने आसपास बार-बार देखता है। यदि घर में समस्या का समाधान संवाद से नहीं बल्कि चीखने, धमकाने और हाथ उठाने से होता है तो उसके लिए हिंसा धीरे-धीरे व्यवहार का स्वीकार्य तरीका बन सकती है।

दूसरा बड़ा सवाल डिजिटल दुनिया का है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने बच्चों के सामने ज्ञान और मनोरंजन के असंख्य अवसर खोले हैं लेकिन इसी दुनिया में हिंसक वीडियो, मारधाड़ वाले खेल, अपमानजनक सामग्री और आक्रामक व्यवहार को महिमामंडित करने वाले दृश्य भी मौजूद हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब बच्चा बिना किसी निगरानी के घंटों ऐसी सामग्री देखता है और उसे यह समझाने वाला कोई नहीं होता कि पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में किसी के शरीर, मन और अस्तित्व को कितनी गहरी चोट पहुंचाती है। तीसरी चिंता बच्चों में संवेदनशीलता और सहानुभूति के विकास की है। आज हम बच्चों को प्रतियोगिता में आगे निकलना, जीतना और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना तो सिखा रहे हैं लेकिन हार स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, कमजोर की मदद करना और क्रोध पर नियंत्रण रखना कितना सिखा रहे हैं? क्या स्कूलों में नैतिक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सिमट गई है? क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि किसी को चोट पहुंचाना बहादुरी नहीं, कमजोरी है? किसी दूसरे की पीड़ा देखकर मन में करुणा पैदा होना ही मानवीय संवेदना का आधार है। यदि यही संवेदना विकसित नहीं होगी तो शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियां भी सभ्य समाज की गारंटी नहीं बन सकतीं। यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सवाल है कि एक छह साल की बच्ची स्कूल परिसर में एक अन्य छात्र के साथ ऐसी स्थिति में कैसे पहुंच गई, जहां उस पर लगातार हमला होता रहा और किसी शिक्षक या कर्मचारी को समय रहते इसकी जानकारी नहीं मिली? यदि स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, एक शिक्षक को कई कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही थी अथवा ड्यूटी व्यवस्था में कोई खामी थी तो यह भी जांच का विषय है।

यह पहली घटना नहीं है, जब स्कूलों में बच्चों के बीच हिंसा ने पूरे देश को झकझोरा हो। वर्ष 2017 में गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में सात वर्षीय प्रद्युम्न ठाकुर की हत्या, 2018 में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में चाकूबाजी, 2019 में तमिलनाडु के कोडईकनाल में क्रिकेट विवाद के बाद छात्र की हत्या, 2021 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में छात्र की चाकू मारकर हत्या, 2025 में अहमदाबाद में छात्र की हत्या और 2026 में सूरत में स्कूल परिसर में चाकूबाजी जैसी घटनाएं अलग-अलग समय पर सामने आ चुकी हैं। इन सभी मामलों की परिस्थितियां अलग हैं लेकिन एक बात समान है कि स्कूल, जिन्हें बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

दीपावली मेले में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की अनूठी मिसाल

'रंगों, कलाकृतियों और स्वादिष्ट व्यंजनों से सजा विद्यालय परिसर, संविधान संवाद के माध्यम से छात्राओं को कराया संवैधानिक मूल्यों से परिचित'



मुजफ्फरनगर । भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में भव्य दीपावली मेले का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। मेले का आयोजन विद्यालय के गृह विज्ञान एवं कला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मेले में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने शिल्पकला, वैज्ञानिक विधियों एवं आकर्षक रंग संयोजन का प्रयोग करते हुए विभिन्न सुंदर कलाकृतियों एवं हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुओं का प्रदर्शन किया। मेले का मुख्य उद्देश्य अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी बनाकर उनका रचनात्मक उपयोग करना तथा छात्राओं में कला-कौशल, आत्मनिर्भरता एवं उद्यमशीलता की भावना विकसित करना रहा। मेले का शुभारंभ विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह प्रबंधक शोभित सिंह, राज सिंह एवं प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा सहित प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्यों द्वारा रिबन काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मेले का मुख्य आकर्षण फूड प्लाजा रहा, जहां छात्राओं ने विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल सजाए। छात्राओं ने कहीं व्यापारी तो कहीं ग्राहक बनकर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री एवं आकर्षक दुकानों के माध्यम से छात्राओं ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा के साथ-साथ व्यावसायिक कौशल का भी परिचय दिया। यह आयोजन छात्राओं को जीविकोपार्जन के व्यावहारिक अवसरों से परिचित कराने तथा उन्हें स्वावलंबी एवं स्वाभिमानी बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा। मेले में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी सहभागिता की तथा छात्राओं द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों एवं उनके प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इसी क्रम में विद्यालय के प्रार्थना सभा स्थल पर संविधान संवाद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। विद्यालय के नोडल अधिकारी योगेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में आचार्या श्रीमती दुर्गेश नंदिनी कौशिक ने सामान्य जीवन में संविधान के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान निर्माण की प्रक्रिया, संविधान सभा के विभिन्न सदस्यों के योगदान तथा भारतीय संविधान के मूल्यों एवं आदर्शों से छात्राओं को परिचित कराया। इस अवसर पर कन्या भारती की उपाध्यक्ष बहन अंशिका ने संविधान के प्राण एवं आत्मा कही जाने वाली संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया, जिससे छात्राओं में संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का भाव विकसित हुआ। दोनों कार्यक्रमों का सफल आयोजन छात्राओं के सर्वांगीण विकास, भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करने तथा उन्हें व्यावहारिक एवं जीविकोपार्जनपरक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। इस सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग प्रमुख श्रीमती अर्चना शर्मा चित्रकला विभाग से श्रीमती रेशू सैनी एवं श्रीमती शालिनी ठाकुर का विशेष योगदान रहा। वहीं विद्यालय की मीडिया विभाग से श्रीमती ऋचा शुक्ला ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रबंध समिति एवं प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा जी ने आयोजन को सफल बनाने वाली सभी शिक्षिकाओं एवं छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस प्रकार दीपावली मेला केवल मनोरंजन एवं खरीदारी का माध्यम न बनकर छात्राओं की रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता, व्यावसायिक दक्षता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुआ।

मुजफ्फरनगर में महिला ने युवक पर लगाया दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर के थाना खालापार क्षेत्र के गांव वहलना निवासी एक महिला ने गांव के ही संजीव उर्फ राणा पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर से न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र में दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देने और अश्लील वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता रेखा पत्नी कृष्ण कुमार के अनुसार, आरोपी संजीव उर्फ राणा काफी समय से उस पर गलत नजर रखता था और रास्ते में आते-जाते उसके साथ छेड़छाड़ करता था। महिला ने बताया कि उसके पति कृष्ण कुमार का 17 अक्टूबर 2026 को एक्सीडेंट हो गया था, जिसके चलते उन्हें भोपा रोड स्थित ईवान हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। महिला का आरोप है कि 20 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 10 बजे जब वह अपने घर से खाना लेकर अस्पताल जा रही थी, तभी वहलना गेट के पास संजीव उर्फ राणा उसे मिला। आरोप है कि उसने महिला को उसके पति के एक्सीडेंट के संबंध में धमकाते हुए जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। शिकायत में रोहित पुत्र राजकुमार तथा एक अन्य व्यक्ति का भी उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि इसके बाद आरोपी संजीव उर्फ राणा उसे लगातार धमका रहा है और दोबारा संबंध बनाने का दबाव बना रहा है। ऐसा न करने पर कथित तौर पर दुष्कर्म के दौरान बनाई गई वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है। महिला के अनुसार, उसने इस संबंध में थाना खालापार पुलिस को शिकायत दी थी, लेकिन उसके आरोप के मुताबिक अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। उल्टे आरोपी पक्ष की ओर से उसे और उसके पति को झूठे मुकदमों में फंसाने तथा जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। लगातार मिल रही कथित धमकियों से परेशान महिला ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र देकर मामले में निष्पक्ष जांच कराने, थाना खालापार पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश देने तथा नामजद आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है।

अभावों की आग में तपकर बना हजारों जरूरतमंदों का सहारा, हर्ष राठी को सोनू सूद ने किया सम्मानित

खुद गरीबी और संघर्ष के दिन देखे, तो दूसरों का दर्द बांटने का लिया संकल्प, एक साल से 'हेल्पिंग एजेंडा' के जरिए हजारों गरीब, असहाय और दिव्यांगों की कर रहे निशुल्क मदद

मुजफ्फरनगर। इंसान के जीवन में संघर्ष के दिन कई बार उसे इतना कुछ सिखा जाते हैं कि वह दूसरों का दर्द भी अपना समझने लगता है। गरीबी और अभावों की पीड़ा को करीब से महसूस करने वाले एक युवा ने अपनी जिंदगी के अनुभवों को जरूरतमंदों की मदद का माध्यम बना लिया। कभी खुद मुश्किल परिस्थितियों से जूझकर आगे बढ़ने वाले यूट्यूबर हर्ष राठी आज हजारों गरीब, असहाय और दिव्यांग लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आए हैं। उनकी एक साल की निस्वार्थ समाजसेवा और मानवीय प्रयासों को बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने भी सराहा है। दिल्ली में आयोजित 'भारत लीडरशिप 2026' कार्यक्रम में सोनू सूद ने हर्ष राठी को सम्मानित कर उनके सेवा कार्यों का उत्साह बढ़ाया। मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान हर्ष राठी ने अपने संघर्ष, सेवा अभियान और सम्मान से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि करीब एक वर्ष पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर 'हेल्पिंग एजेंडा' नाम से एक पेज शुरू किया था। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से लोकप्रियता हासिल करना नहीं, बल्कि उन लोगों तक मदद पहुंचाना था, जो आर्थिक तंगी और विपरीत परिस्थितियों के चलते अपनी बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। हर्ष राठी ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में अभावों और आर्थिक परेशानियों को करीब से देखा है। गरीबी के दौरान इंसान किन परिस्थितियों से गुजरता है और छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए उसे कितने संघर्ष करने पड़ते हैं, इसका उन्हें व्यक्तिगत अनुभव है। यही वजह रही कि जब उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिला तो उन्होंने अपनी जिंदगी का एक हिस्सा जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित करने का फैसला किया। उनका कहना



है कि वह नहीं चाहते कि किसी दूसरे व्यक्ति को भी उन कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़े, जिनका सामना उन्होंने अपने जीवन में किया है। इसी सोच के साथ उन्होंने निशुल्क सहायता का अभियान शुरू किया और धीरे-धीरे यह मुहिम हजारों जरूरतमंदों तक पहुंच गई। 'हेल्पिंग एजेंडा' के माध्यम से हर्ष राठी गरीब परिवारों, असहाय लोगों और दिव्यांग व्यक्तियों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझते हैं। जरूरतमंदों की वास्तविक परिस्थितियों को सामने लाकर उनकी सहायता करने का प्रयास करते हैं। इस दौरान सहायता से जुड़े वीडियो इंस्टाग्राम पर प्रसारित किए जाते हैं, ताकि जरूरतमंदों की समस्याएं अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें और समाज के अन्य लोग भी मदद के लिए आगे आएं। पिछले एक वर्ष में इस अभियान के माध्यम से हजारों जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का प्रयास किया गया है। हर्ष राठी का मानना है कि किसी जरूरतमंद की परेशानी को समझकर उसके जीवन में थोड़ा-सा बदलाव लाना भी बहुत बड़ी बात है। उनकी कोशिश रहती है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को छोटी-छोटी मदद देकर उनके जीवन की मुश्किलें कम की जा सकें। हर्ष राठी के लगातार किए जा रहे सेवा कार्यों और जरूरतमंदों की मदद से जुड़े प्रयासों की जानकारी बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद तक पहुंची। उनके मानवीय कार्यों से प्रभावित होकर सोनू सूद ने दिल्ली में आयोजित 'भारत लीडरशिप 2026' कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया। हर्ष राठी ने कहा कि सोनू सूद जैसी शख्सियत के हाथों सम्मान मिलना उनके लिए गर्व और भावुकता का विषय है। हालांकि, वह इस सम्मान को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं मानते, बल्कि उन सभी जरूरतमंद लोगों के संघर्ष और उनकी उम्मीदों का सम्मान समझते हैं, जिनकी मदद करने का उन्हें अवसर मिला। प्रेस-वार्ता के दौरान मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गाव सोंटा निवासी हर्ष राठी अपने पिता परविंदर राठी के साथ अपनी भावनाएं साझा करते हुए कई बार भावुक नजर आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निशुल्क सेवा अभियान शुरू करने के पीछे उनका उद्देश्य सोशल मीडिया पर खुद को प्रसिद्ध करना, लोकप्रियता हासिल करना या सेलिब्रिटी बनना कभी नहीं रहा। उनका मकसद केवल उन लोगों की मदद करना है, जिन्हें वास्तव में सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसी मजबूर परिवार की परेशानी कम हो जाए, किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लौट आए और किसी असहाय व्यक्ति को यह एहसास हो कि मुश्किल समय में उसके साथ खड़ा होने वाला भी कोई है

दीपोत्सव रौशनी के रंग - चैम्बर के संग

मुजफ्फरनगर । रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर चैम्बर एवं इनरव्हील क्लब मुजफ्फरनगर चैम्बर द्वारा "दीपोत्सव" रौशनी के रंग - चैम्बर के संग का आयोजन मेरठ स्थित मूलचंद रिसॉर्ट्स में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम चैयरमेन महेश जिंदल, अजय एरन, सुभाष साहनी, गौरव गुप्ता रहे। मंच सञ्चालन महेश जिंदल का अत्यंत उत्कृष्ट एवं उच्च कोटि का रहा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण राम मदिर का चित्र रहा। सदस्य परिवारों ने मंदिर के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित दीपावली पर सभी के लिए मंगल कामना की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में मनोज सेठी ने कहा की त्यौहार जीवन को जीवंत बनाते है तथा हमारी सभ्यता को भी संजो कर रखते है। सर्वप्रथम शशि गर्ग द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात नन्ही बच्ची ने देवा ओ देवा पर अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अजय भार्गव तथा भारती साहनी द्वारा बहुत ही मनोरंजक तरीके से तीन राउंड में हाऊजी कराई गयी। जिसमे दस उपहार रखे गए तथा प्रथम हाउस में सोने का सिक्का उपहार में निकला गया तथा जिसकी भाग्यशाली विजेता प्राप्ति गोयल रही तथा दो अन्य हाउस शशि सिंघल तथा सुषमा खण्डेल वाल ने जीते। समयबद्धता के भाग्यशाली विजेता रहे प्रदीप गोयल तथा अरुण खंडेलवाल। लुक्य फॅमिली के रूप में दो पुरूस्कार प्रदीप गोयल, तथा अजय



भार्गव रहे। इस अवसर पर रोटरी मंडल से अवार्ड्स से अनिल सोबती, गौरव गुप्ता, एवं प्रदीप गुप्ता को सम्मानित किया गया। रोटरी फाउंडेशन में कंट्रीब्यूशन हेतु अनिल सोबती, अशोक शर्मा, गौरव गुप्ता, मनोज सेठी, डॉ ईश्वर चंद्रा, प्रदीप गुप्ता एवं मनोज सेठी को ढलऋ अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवाड्र्स सेरेमनी को राजेंदर सिंघल ने अत्यंत रोचक रूप से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सबसे अधिक आकर्षक भाग रहा हनुमान अंश के गीत पारवती तथा राम आएंगे पर श्वेता गोयल, चेतना सेठी, नीरा शर्मा, निशा संगल, ऋचा गुप्ता, निधि शर्मा, आँचल पंत एवं शिल्पी बंसल तथा दो नन्हे बच्चों द्वारा राम और लक्ष्मण के स्वरुप में नृत्य प्रस्तुति दी गयी, जिसके लिए सदन में बहुत देर तक तालियां बजती रही । आदित्य बंसल तथा शिल्पी बंसल की प्रस्तुति को भी सराहना मिली। सभी को उपहार देकर सम्मनित किया गया। एक अन्य एक्टिविटी में अजय गुप्ता, अनिल जैन, सुनील गोयल तथा अनिल गोयल ने उन्हें दिए हुए टास्क को पूरा किया। कार्य्क्रम भरपूर मनोरंजक रहा। सभी उपस्थित परिवारों को विशेष दीपावली उपहार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं को रोटरी सचिव विनोद जलोत्रा, कोषाध्यक्ष राजेश गोयल तथा क्लब ट्रेनर अशोक शर्मा एवं सुभाष साहनी ने मजबूती से संभाले रखा। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष श्वेता गोयल के नेतृत्व में सचिव निधि शर्मा, कोषाध्यक्ष अंजू जलोत्रा, क्रड निशा संगल एवं एडिटर चेतना सेठी ने कार्यक्रम को बनाने एवं सुचारू रूप से चलाने में अपना भरपूर योगदान दिया। वरिष्ठ सदस्य कुलभूषण बजाज के जन्मदिन को केक काटकर आनंद के साथ मनाया गया। सदस्य एवं उनके परिवारों की 100 व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को पूर्ण रूप से भव्य बना दिया।

चरथावल नगर पंचायत की जमीन पर कब्जे की कोशिश बर्दाश्त नहीं होगी:चेयरमैन

दो खसरों की भूमि को लेकर विवाद, चेयरमैन ने बताया नगर पंचायत का स्वामित्व; बोले- मेरा या परिवार का एक इंच कब्जा भी साबित हुआ तो कार्रवाई के लिए तैयार

मुजफ्फरनगर। नगर पंचायत चरथावल की सरकारी जमीनों के स्वामित्व और उन पर कथित कब्जे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने पूरे मामले में अपना पक्ष रखते हुए कुछ लोगों पर सरकारी भूमि पर कब्जे की कोशिश करने और विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर पंचायत की एक इंच जमीन पर भी अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। सरकारी संपत्ति को सुरक्षित रखना और उसका उपयोग जनहित में करना उनकी प्राथमिकता है। चेयरमैन के मुताबिक, विवाद का एक मामला खसरा नंबर 3192 की भूमि से जुड़ा है। करीब 410 मीटर रकबे वाली यह जमीन सरकारी अभिलेखों में नगर पंचायत की कमेले की भूमि के रूप में दर्ज है। यहां वर्ष 1995 से पहले चार-दीवारी बनाकर पशु वधशाला संचालित की जाती थी, जो वर्ष 2001 में बंद हो गई। इसके बाद धीरे-धीरे चारदीवारी और फर्श क्षतिग्रस्त हो गए। वर्ष 2023 में कार्यभार संभालने के बाद निरीक्षण के दौरान मौके पर उत्तर दिशा की दीवार और फर्श के कुछ अवशेष मिले थे। इस भूमि को लेकर वाजिद अली की ओर से नगर पंचायत और आसपास के खसरों के संबंध में मुकदमा संख्या



435/2024 दर्ज कराया गया है। वहीं, तस्नीम उर्फ लाल्ला पुत्र मुस्तफा प्रधान सहित कुछ अन्य लोगों पर बैनामा कराकर जमीन पर कब्जे की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। चेयरमैन ने कहा कि इस भूमि की विधिवत पैमाइश कराकर नगर पंचायत की संपत्ति सुरक्षित कराई जाएगी। दूसरा मामला खसरा नंबर 2703 का है। चेयरमैन के अनुसार, तीन बीघा 18 बिस्वा पक्की भूमि पर पूर्व चेयरमैन रमेश चंद के कार्यकाल में ईश्वरचंद त्यागी और सुनील त्यागी द्वारा कब्जा किए जाने का मामला सामने आया था। इसके खिलाफ वर्ष 2002 में वाद संख्या 841 दायर किया गया था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 16 मार्च 2015 और 4 मार्च 2024 को आए अदालती फैसलों में नगर पंचायत को सफलता मिली। चेयरमैन ने बताया कि वर्तमान कार्यकाल में जिलाधिकारी और तत्कालीन एसडीएम नीलम पांडे के निर्देश पर राजस्व टीम ने भूमि की पैमाइश कराकर उसे कब्जा मुक्त कराया और नगर पंचायत के सुपुर्द किया। उन्होंने बताया कि इस जमीन पर अब जनता की सुविधा के लिए पक्की चारदीवारी का निर्माण कराया गया है। सहारनपुर जल निगम की ओर से ट्यूबवेल और स्कॉडा भवन स्थापित किया गया है। इसके अलावा स्कूली बच्चों और राहगीरों के लिए सौर ऊर्जा से संचालित वाटर कूलर भी लगाया गया है। नगर पंचायत के भारी वाहनों और ट्रैक्टरों को खड़ा करने के लिए भी इस परिसर का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं खसरा नंबर 2703 जो है उस भूमि पड़ अब नगर पंचायत का कब्जा है और इस पड़ नगर पंचायत का भवन खड़ा है। इस भूमि को नगर पंचायत अध्यक्ष मास्टर इस्लाम द्वारा ही मुकदमा जीत कर कब्जामुक्त कराया गया है जो इस खसरा नंबर 2703 पड़ जो भूमाफिया फर्जी मुकदमा लड़कर यह सरकारी जमीन कब्जाना चाहते थे, कालू आदि भूमाफिया जब इस जमीन का मुकदमा हार गए, तो यही लोग नगर पंचायत अध्यक्ष मास्टर इस्लाम पड़ फर्जी आरोप लगाकर उनकी फर्जी शिकायत कर नगर के विकास में रोड़ा अटका रहे हैं

ग्रामीण समाज विकास केंद्र के नेतृत्व में छपरौली में बाल श्रम के खिलाफ अभियान, तीन बच्चे कराए मुक्त

बागपत। ग्रामीण समाज विकास केंद्र के नेतृत्व में बुधवार को छपरौली कस्बे में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए संयुक्त अभियान चलाया गया। शासन के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक बागपत के आदेशानुसार तथा पुलिस उपाधीक्षक एवं नोडल अधिकारी के निर्देशन में आयोजित अभियान में थाना एएचटी बागपत और श्रम विभाग की टीम ने भी सहभागिता की। अभियान के दौरान होटल और ढाबों की जांच करते हुए तीन बाल श्रमिकों को रेस्क्यू कराया गया।

अभियान में थाना एएचटी बागपत की महिला उपनिरीक्षक सरिता सिंह अपनी टीम के साथ, श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रदीप कुमार तथा ग्रामीण समाज विकास केंद्र (जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन) के प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह शामिल रहे।

तीन बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

संयुक्त टीम ने थाना छपरौली क्षेत्र के कस्बे में होटल और ढाबों का निरीक्षण किया। इस दौरान तीन बाल श्रमिकों को चिन्हित कर रेस्क्यू कराया गया। संबंधित



प्रतिष्ठानों के विरुद्ध श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। मौके पर ही बच्चों के परिजनों को बुलाया गया और बच्चों को उनकी सुपुर्दगी में सौंप दिया गया। परिजनों को भविष्य में बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम नहीं कराने की हिदायत दी गई।

अभियान के दौरान होटल, ढाबों और दुकानों के संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम न कराया जाए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में बाल श्रम या अन्य अवांछनीय गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। टीम ने आमजन, दुकानदारों और प्रतिष्ठान संचालकों को बाल श्रम निषेध कानून की जानकारी दी। बाल श्रम रोकथाम से संबंधित जागरूकता पंपलेट विभिन्न दुकानों, होटल और ढाबों पर चस्पा किए गए। ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने कहा कि बाल श्रम बच्चों के बचपन, शिक्षा और भविष्य को प्रभावित करता है। बच्चों के हाथों में काम के औजारों के बजाय किताबें होनी चाहिए। संस्था का प्रयास है कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी या अन्य कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे और उसे सुरक्षित वातावरण मिले। उन्होंने कहा कि बाल श्रम की रोकथाम के लिए प्रशासन के साथ मिलकर जागरूकता और रेस्क्यू अभियान लगातार जारी रखे जाएंगे। आमजन से भी अपील है कि कहीं बाल श्रम दिखाई देने पर संबंधित विभाग को सूचना दें। अभियान के दौरान लोगों को पुलिस एवं सहायता से जुड़े हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 1076, 1098, 1930 और 1033 की जानकारी दी गई।

रंग संसार

नुसरत फतेह अली की कव्वाली पर बना था गाना, अधूरी मोहब्बत को तब्बू ने किया बयां; आज भी कुरेदता है दिलों के जख्म



नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में 41 साल से अधिक समय बिता चुकीं एक्ट्रेस तब्बू आज अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। वह सिनेमा के बदलते दौर के साथ भले ही अब फिल्मों में अहम किरदार को भी स्वीकार करती हों, लेकिन 90 का एक ऐसा दौर था, जब तब्बू ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने दिए। उनके यादगार गानों की लिस्ट में 30 साल पहले रिलीज हुआ सनी देओल की मूवी का भी एक कल्ट क्लासिक गाना है, जो नुसरत फतेह अली खान की कव्वाली से बना था। कौन सा वो गाना जिसमें तवायफ 'तुलसीबाई' बन तब्बू ने लूट ली थी महफिल, चलिए बताते हैं। तब्बू और सनी देओल के जिस सदाबहार गाने का जिक्र हम अपने इस लेख में कर रहे हैं, वह साल 1996 में रिलीज हुआ था। गाने के बोल थे 'दिल क्या करे साहिब'। इस गीत को दिग्गज सिंगर कविता कृष्णमूर्ति ने अपनी मधुर आवाज में गाया था, तो वहीं इसके लिरिक्स मशहूर संगीतकार की जोड़ी नदीम-श्रवण की जोड़ी ने लिखे थे। गाने के लिरिक्स समीर ने लिखे थे। यह गाना सनी देओल की सुपरहिट फिल्म जीत का है। नुसरत फतेह अली खान की कव्वाली पर बना था गाना सनी देओल और सलमान खान स्टारर फिल्म जीत का'दिल क्या करे साहिब' गाना उस्ताद नुसरत फतेह अली खान की फेमस कव्वाली 'दिल पे जख्म खाते हैं गाने' से इंस्पायर था। जीत के इस गाने में मशहूर सिंगर की फेमस कव्वाली की कुछ पंक्तियां ली गई थी, जिन्हें जिगर मुरादाबादी ने लिखा था। 30 साल पहले रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म जीत का 'दिल का क्या करे साहिब' गाना तवायफ की मोहब्बत की एक तरफा प्यार की कहानी को शब्दों में बयां करता है। उनकी कोठे की जिंदगी के दर्द को बताता है। गाने में तुलसी का किरदार अदा करने वाली तब्बू कोठे पर डांस कर रही होती हैं और करण वहां बैठा शराब पी रहा होता है।

राज काज

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में कंसास सीनेट सीट पर एडम हैमिल्टन की बड़ी जीत, 94 साल का रिपब्लिकन दबदबा खत्म



वाशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी बढ़त मिली है। इसी कड़ी में कंसास जैसी पारंपरिक सीटों पर डेमोक्रेटिक पार्टी ने रिपब्लिकन को उखाड़ फेंका है। कंसास में डेमोक्रेट एडम हैमिल्टन ने रिपब्लिकन सीनेटर रोजर मार्शल को हरा कर सबको चौंका दिया है। इस राज्य में एक सदी से रिपब्लिकन पार्टी का राज था। इस चुनाव के रिजल्ट आते ही उनका दबदबा खत्म हो गया। इस जीत के साथ ही सीनेट चुनावों में पार्टी की 94 साल से चली आ रही हार का सिलसिला टूट गया। हैमिल्टन की यह जीत कंसास के डेमोक्रेट्स के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि 1932 के बाद से राज्य में उन्होंने कभी कोई सीनेट चुनाव नहीं जीता था। इस अप्रत्याशित नतीजे से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति मतदाताओं की बढ़ती नाराजगी भी झलकती है। लोगों का मानना है ट्रंप की नीति की वजह से महंगाई में इजाफा हुआ है। लोगों का मानना है कि अर्थव्यवस्था को संभालने के उनके तरीके और ईरान के साथ तनाव से अमेरिका में महंगाई काफी तेजी से बढ़ी है। 'द एसोसिएटेड प्रेस' की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस चुनावी मुकाबले में लगभग 110 मिलियन डॉलर खर्च किए गए, जो कंसास में चुनावी खर्च का एक नया रिकॉर्ड है। मार्शल को फिर से चुनाव जिताने के लिए रिपब्लिकन पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी थी। इसमें अक्टूबर में ट्रंप की दो रैलियां और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के कई दौरे भी शामिल थे। इसके बावजूद हैमिल्टन ने जीत हासिल की। इस डेमोक्रेट उम्मीदवार ने अपना चुनाव प्रचार मुख्य रूप से उदारवादी रिपब्लिकन और निर्दलीय मतदाताओं पर केंद्रित रखा। उन्होंने खुद को एक स्वतंत्र सोच वाले उम्मीदवार के रूप में पेश किया,

दैनिक राशिफल गुरूवार 05 नवम्बर 2026

मेष – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है।

वृष – अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

मिथुन : बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

कर्क – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

सिंह– दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

कन्या – सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी

तुला – भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक – व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है।

धनु – खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें।

मकर – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें।

कुंभ – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। क

सीसीटीएनएस और मेडलेप पोर्टल से चिकित्सा व पुलिस विभाग के बीच मजबूत होगा समन्वय

ऑनलाइन मेडिकल परीक्षण और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया होगी अधिक आसान और पारदर्शी, चिकित्सकों व पुलिस अधिकारियों को दिया गया तकनीकी प्रशिक्षण

मुजफ्फरनगर। मेडिको-लीगल मामलों में चिकित्सा एवं पुलिस विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और सूचनाओं के आदान-प्रदान को अधिक तेज, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने की पहल की है। इसी क्रम में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में सीसीटीएनएस और मेडलेप पोर्टल के प्रभावी संचालन को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा अधीक्षकों को दोनों पोर्टल की कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के दिशा-निर्देशन में आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया एवं एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य चिकित्सा और पुलिस विभाग के बीच तकनीकी समन्वय बढ़ाकर मेडिको-लीगल मामलों के निस्तारण में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना रहा। ऑनलाइन मेडिकल परीक्षण और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रक्रिया समझाई प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) तथा मेडलेप (मेडिको लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग) पोर्टल की कार्यप्रणाली समझाई। चिकित्सा एवं पुलिस अधिकारियों को बताया गया कि इन डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए आवश्यक सूचनाओं का आदान-प्रदान किस प्रकार किया जाना है। विशेष



रूप से ऑनलाइन मेडिकल परीक्षण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने, संबंधित अभिलेखों को डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराने और मेडिको-लीगल मामलों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं और उनके व्यावहारिक उपयोग से भी अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में फॉरेंसिक साइंस विशेषज्ञ एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने चिकित्सा संबंधी तकनीकी पहलुओं और मेडिको-लीगल प्रक्रियाओं की जानकारी दी। वहीं पुलिस विभाग की ओर से अंकित चौधरी ने सीसीटीएनएस और पुलिस से संबंधित डिजिटल कार्यप्रणाली को समझाया। दोनों प्रशिक्षकों ने अधिकारियों को बताया कि चिकित्सा और पुलिस विभाग के बीच सूचनाओं का सही समय पर आदान-प्रदान मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षण में जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों तथा चिकित्सा अधीक्षकों ने प्रतिभाग किया। उन्हें पोर्टल के माध्यम से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, आवश्यक सूचनाओं को डिजिटल तरीके से साझा करने और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मेडिको-लीगल मामलों में चिकित्सा एवं पुलिस विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है।

डिजिटल व्यवस्था के प्रभावी उपयोग से मेडिकल परीक्षण और पोस्टमार्टम से संबंधित रिपोर्ट तैयार करने तथा आवश्यक सूचनाओं को संबंधित विभाग तक पहुंचाने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हो सकेगी।

दिव्यांगजनों की प्रतिभा को मिलेगा मंच, नुमाइश मैदान में लगेगी विशेष प्रदर्शनी

दिव्यांगजनों के हाथों से तैयार चित्रों, हस्तकला और विभिन्न उत्पादों का होगा प्रदर्शन, 6 नवंबर को आयोजित होगी प्रदर्शनी एवं कार्यशाला, अधिक से अधिक लोगों से पहुंचने की अपील

मुजफ्फरनगर। दिव्यांगजनों की रचनात्मक प्रतिभा और हुनर को समाज के सामने लाने के उद्देश्य से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से विशेष प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें दिव्यांगजनों द्वारा तैयार किए गए चित्रों, हस्तकला से जुड़ी कलाकृतियों और विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से दिव्यांगजनों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलने के साथ ही उनके आत्मविश्वास और उत्साह को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दीक्षा उपाध्याय ने बताया कि आगामी 6 नवंबर को नुमाइश मैदान, मुजफ्फरनगर में प्रदर्शनी एवं कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें जिले के दिव्यांगजनों द्वारा अपने हुनर और मेहनत से तैयार किए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में चित्रकला, हस्तकला सहित अन्य रचनात्मक कार्यों को भी स्थान दिया जाएगा, ताकि आम नागरिक दिव्यांगजनों की कलात्मक क्षमता और उनकी मेहनत को करीब से देख सकें।

दिव्यांगजनों का उत्साह बढ़ाने की पहल

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि दिव्यांगजन किसी से कम नहीं हैं। उन्हें उचित अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे अपनी प्रतिभा के बल पर समाज में विशेष पहचान बना सकते हैं। इसी सोच के साथ विभाग की ओर से इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं, जिससे दिव्यांगजनों को अपनी कला और हुनर प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच मिल सके।

नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

दीक्षा उपाध्याय ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे 6 नवंबर को नुमाइश मैदान में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी एवं कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की उपस्थिति और प्रोत्साहन से दिव्यांगजनों का मनोबल बढ़ेगा तथा उन्हें अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी। विभाग का प्रयास है कि समाज के अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ें और दिव्यांगजनों के हुनर को पहचानने के साथ उनका उत्साहवर्धन करें।

परीक्षा देने कॉलेज गई युवती रहस्यमय ढंग से लापता

गांव के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के एक गांव से परीक्षा देने के लिए कॉलेज गई 20 वर्षीय युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के कई दिनों तक घर वापस नहीं लौटने और उसका मोबाइल फोन बंद मिलने से परिवार में चिंता का माहौल है। परिजनों ने अपने स्तर से रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद युवती के पिता ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली नगर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में गांव रोहाना कलां निवासी पिता ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय बेटी 29 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब नौ बजे परीक्षा देने के लिए शहर स्थित एसडी कॉलेज गई थी। घर से निकलते समय बेटी ने परीक्षा देने के लिए कॉलेज जाने की बात कही थी। परिजनों को उम्मीद थी कि परीक्षा समाप्त होने के बाद वह सामान्य रूप से घर लौट आएगी, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी जब युवती घर नहीं पहुंची तो परिवार के लोगों को चिंता होने लगी। शुरूआत में परिजनों ने सोचा कि संभवतः कॉलेज से लौटने में देर हो गई होगी, लेकिन काफी समय बीतने के बावजूद युवती का कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसके मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। कई बार फोन मिलाने के बावजूद मोबाइल बंद मिला। युवती से संपर्क नहीं होने पर परिजनों की चिंता और बढ़ गई। उन्होंने आसपास के लोगों से जानकारी करने के साथ ही अपने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी हाथ नहीं लगी। युवती के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में गांव के ही सन्नी सैनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता का कहना है कि बेटी की तलाश और जानकारी जुटाने के दौरान उन्हें पता चला कि उक्त युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इसके बाद परिवार के लोगों ने युवक के संबंध में भी जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन युवती का कोई पता नहीं चल सका।

पिता के अनुसार, बेटी के अचानक लापता होने से पूरा परिवार परेशान है। उन्हें उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है।

परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। पिता ने पुलिस से मामले को गंभीरता से लेते हुए युवती को जल्द से जल्द सकुशल बरामद कराने की मांग की है। कई दिनों तक तलाश करने के बावजूद बेटी का कोई सुराग नहीं मिलने पर पिता ने तीन नवंबर 2026 को कोतवाली नगर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र दिया। तहरीर में उन्होंने बेटी के लापता होने की पूरी जानकारी देते हुए नामजद युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और युवती की जल्द बरामदगी की मांग की। प्रार्थना पत्र में पिता ने युवती और आरोपित युवक के मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराए हैं, ताकि उनकी तलाश में आवश्यक जानकारी जुटाई जा सके। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज, बरामदगी के प्रयास शुरू पुलिस ने पिता की शिकायत और लगाए गए आरोपों के आधार पर नामजद सन्नी सैनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू करते हुए पुलिस युवती की तलाश में जुटी है। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती लापता युवती का पता लगाकर उसे सकुशल बरामद करना है।

ठंड और आगामी त्योहारों को लेकर गौशालाओं में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने रामपुर तिराहा और रोहाना कलां की अस्थायी गौशालाओं का किया निरीक्षण, एक गोवंश बीमार मिला; सफाई, हरे चारे और ठंड से बचाव के लिए पर्दे लगाने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। सर्दी का मौसम शुरू होने और आगामी त्योहारों के मद्देनजर संरक्षित गोवंश की देखभाल को लेकर पशु चिकित्सा विभाग ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं की निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने विकासखंड सदर और चरथावल क्षेत्र की दो अस्थायी गौ आश्रय स्थलों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोवंश के भरण-पोषण, भूसे और हरे चारे की उपलब्धता, साफ-सफाई, पशुओं के स्वास्थ्य तथा ठंड से बचाव के इंतजामों का जायजा लिया। अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि गौशालाओं में किसी भी गोवंश को ठंड, भूख या अव्यवस्थाओं के कारण परेशानी नहीं होनी चाहिए।

रामपुर तिराहा गौशाला में भूसा और हरा चारा पर्याप्त मिला

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने सबसे पहले विकासखंड सदर के अंतर्गत अस्थायी गौ आश्रय स्थल रामपुर तिराहा का निरीक्षण किया। यहां गोवंश के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा और हरा चारा उपलब्ध पाया गया। मौके पर दो देखभाल करने वाले कर्मचारी भी कार्य करते मिले। गौशाला में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान एक गोवंश बीमार मिला, जिसका उपचार किया जा चुका था। इस पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सदर डॉ. शक्ति प्रताप से दूरभाष पर वार्ता कर गौशाला की नियमित और सघन निगरानी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संबंधित सचिव को ठंड से गोवंश की सुरक्षा के लिए गौशाला में जल्द से जल्द पर्दे लगाने के निर्देश दिए गए।

रोहाना कलां गौशाला में सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश

इसके बाद मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने विकासखंड चरथावल के गांव



रोहाना कलां स्थित गौशाला का निरीक्षण किया। यहां गोवंश के भरण-पोषण के लिए हरा चारा दिया जा रहा था और पशु आहार भी उपलब्ध पाया गया। हालांकि, गौशाला के शेड में कुछ स्थानों पर गंदगी मिली, जिस पर संबंधित कर्मचारियों को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए। सर्दी से बचाव के इंतजामों की समीक्षा करते हुए ग्राम पंचायत अधिकारी खुर्शीद आलम को दूरभाष पर आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। गौशाला में संरक्षित गोवंश को ठंडी हवाओं से बचाने के लिए उचित प्रबंध करने पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों को नियमित निगरानी और बेहतर देखभाल के निर्देश

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों और सर्दी के मौसम को देखते हुए गौशालाओं में साफ-सफाई, भूसे, हरे चारे और पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखी जाए। बीमार गोवंश का तत्काल उपचार कराया जाए तथा पशुओं के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि ठंड से बचाव के लिए शेड में आवश्यक पर्दे और अन्य इंतजाम समय से पूरे किए जाएं।

गौशालाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सदर डॉ. शक्ति प्रताप को भी दोनों गौशालाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का उद्देश्य संरक्षित गोवंश को बेहतर भरण-पोषण, स्वच्छ वातावरण और सर्दी से सुरक्षित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करना है, ताकि मौसम में बदलाव और आगामी त्योहारों के दौरान पशुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

शराब की दुकानों पर आबकारी विभाग की छापेमारी, ओवररेटिंग की शिकायतों पर गोपनीय टेस्ट परचेज

मुजफ्फरनगर। शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने यानी ओवररेटिंग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आबकारी विभाग ने जिलेभर में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के तहत शराब की दुकानों पर अचानक पहुंचकर सघन निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने यह जांच की कि दुकानों पर शराब निर्धारित मूल्य पर ही बेची जा रही है या नहीं। इसके लिए गोपनीय तरीके से टेस्ट परचेज भी कराए गए। इसके अलावा पीओएस मशीन से शराब की शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने, स्टॉक रजिस्टर से उपलब्ध शराब का मिलान करने और बोतलों पर लगे क्यूआर कोड की जांच की गई। देर रात आबकारी विभाग की टीम ने मुझेडा टोल प्लाजा और बायवाला चौराहे पर वाहनों की सघन चेकिंग करने के साथ ही रेस्टोरेंटों का भी निरीक्षण किया। शासन स्तर से मिले निदेशों के क्रम में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जिला आबकारी विभाग ने यह अभियान चलाया। अपर मुख्य सचिव एवं आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश की ओर से दिए गए निदेशों के अनुपालन में



आबकारी विभाग की टीमों ने शराब की दुकानों पर बिक्री व्यवस्था और उपलब्ध स्टॉक की बारीकी से जांच की। अभियान के दौरान आबकारी निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में मदिरा की दुकानों का ईआईसीएफएस ऐप के माध्यम से सघन निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों की बिक्री व्यवस्था की जांच करते हुए यह सुनिश्चित किया कि शराब की बिक्री निर्धारित मूल्य पर ही हो। ओवररेटिंग की शिकायतों की वास्तविकता जानने के लिए गोपनीय टेस्ट परचेज कराए गए। इसके माध्यम से यह परखा गया कि दुकानदार ग्राहकों से शराब की बोतल पर अंकित निर्धारित मूल्य से अधिक धनराशि तो नहीं वसूल रहे हैं। आबकारी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने की शिकायत मिलने पर संबंधित अनुज्ञापी और दुकान संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों पर लगी पीओएस मशीनों की कार्यप्रणाली भी जांची। दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि शराब की प्रत्येक बिक्री पीओएस मशीन के माध्यम से ही की जाए। किसी भी स्थिति में बिक्री का रिकॉर्ड मशीन में दर्ज किए बिना मदिरा की बिक्री नहीं होनी चाहिए। इससे दुकान पर होने वाली कुल बिक्री और उपलब्ध स्टॉक का सही हिसाब रखा जा सकेगा। टीम ने दुकानों पर उपलब्ध शराब के स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर से मिलान कर भौतिक सत्यापन किया। इसके साथ ही संचित स्टॉक में से कुछ बोतलों को बेतरतीब तरीके से निकालकर उन पर लगे क्यूआर कोड की विभागीय ऐप के माध्यम से जांच की गई। इस प्रक्रिया का उद्देश्य शराब की बोतलों की प्रामाणिकता और उनके विभागीय अभिलेखों से संबंधित जानकारी का सत्यापन करना था। अधिकारियों ने दुकानदारों को स्टॉक और बिक्री से संबंधित अभिलेखों को सही तरीके से बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

खतौली में बुलेट और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल

भीषण टक्कर में जानसठ निवासी युवक की हालत गंभीर, सीएचसी से किया गया रेफर, विश्वकर्मा एंबुलेंस सर्विस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को पहुंचाया अस्पताल

मुजफ्फरनगर। खतौली क्षेत्र में तेज रफ्तार और सड़क पर बरती जाने वाली लापरवाही एक बार फिर हादसे की वजह बन गई। खंजाहपुर गांव में बुलेट और बाइक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। हादसे में जानसठ निवासी दानिश की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सीएचसी खतौली से दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जबकि दो अन्य घायलों को बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार खंजाहपुर गांव में बुधवार सुबह करीब 10 बजे बुलेट और बाइक के बीच अचानक आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर घायलों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे। दुर्घटना में बाइक सवार जानसठ निवासी दानिश पुत्र नदीम (करीब 25 वर्ष) और उसका साथी जाकिर पुत्र साजिद (करीब 22 वर्ष) घायल हो गए। इसके अलावा हादसे में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है। बुलेट सवार की हालत गंभीर बताई गई है।

सूचना मिलते ही पहुंची एंबुलेंस, घायलों को कराया अस्पताल में भर्ती

हादसे की सूचना मिलते ही विश्वकर्मा एंबुलेंस सर्विस के चालक इंतजार एंबुलेंस लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बिना देरी किए घायलों को प्राथमिक सहायता दिलाने की व्यवस्था की और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। दो घायलों को उपचार के लिए बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल बुलेट सवार को सीएचसी खतौली ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को



देखते हुए उसे रेफर कर दिया। घायलों के परिजन मुर्सलिन को भी दुर्घटना की सूचना दी गई, जिसके बाद परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे।

आमने-सामने की टक्कर ने फिर उठाए सड़क सुरक्षा पर सवाल

खंजाहपुर गांव में हुई इस दुर्घटना ने एक बार फिर दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क पर तेज गति, गलत दिशा में वाहन चलाना और हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करना अक्सर गंभीर दुर्घटनाओं की वजह बनता है। दोपहिया वाहनों की आमने-सामने की भिड़ंत में चोट लगने का खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में वाहन चलाते समय थोड़ी सी सावधानी भी बड़े हादसे को टाल सकती है।

थाना प्रभारी ने की यातायात नियमों का पालन करने की अपील

खतौली थाना प्रभारी दिनेश बघेल ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बाइक और बुलेट चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करें और निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं। गलत दिशा में वाहन चलाने से बचें तथा सड़क पर जल्दबाजी और लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सफर के लिए वाहन चालक स्वयं भी जिम्मेदार बनें और अपनी सुरक्षा के साथ सड़क पर चलने वाले दूसरे लोगों की जिंदगी का भी ध्यान रखें। हादसे में तीन लोगों का घायल होना इस बात की याद दिलाता है कि सड़क पर कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। हेलमेट, नियंत्रित गति और यातायात नियमों का पालन ही ऐसे हादसों में जान-माल के नुकसान को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है।

दीपावली से पहले बाट-माप विभाग की मीरापुर में छापेमारी, एक दर्जन दुकानों की जांच, कई के चालान

मुजफ्फरनगर। दीपावली के त्योहार पर बाजारों में खरीदारी बढ़ने के साथ ही ग्राहकों को कम वजन और निर्धारित मात्रा से कम सामान दिए जाने की आशंका को देखते हुए बाट-माप विभाग ने मीरापुर कस्बे में जांच अभियान चलाया। विभागीय टीम ने कस्बे की करीब एक दर्जन दुकानों पर पहुंचकर तराजू, बांट और नाप-तौल के उपकरणों की जांच की। इस दौरान मिठाई की दुकानों से लेकर वनस्पति तेल, गैस सिलेंडर और अन्य प्रतिष्ठानों को भी जांच के दायरे में लिया गया। जांच में नियमों का पालन नहीं करने वाले कुछ दुकानदारों के चालान किए गए। विभाग की कार्रवाई से बाजार में दुकानदारों के बीच हलचल रही। बाट-माप अधिकारी कल्पना तोमर ने नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान के निर्देश पर यह अभियान चलाया। टीम ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर इस्तेमाल किए जा रहे नाप-तौल के उपकरणों की स्थिति देखी। अधिकारियों ने यह जांच की कि दुकानों पर ग्राहकों को सामान तौलने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे तराजू और बांट निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं या नहीं। इसके साथ ही पैकिंग वाले सामान की मात्रा और वजन की भी पड़ताल की गई, ताकि ग्राहकों को निर्धारित मात्रा के अनुसार ही सामान मिल सके।

मिठाई की दुकानों पर विशेष निगरानी

त्योहारी सीजन में मिठाइयों की मांग बढ़ने के कारण विभागीय टीम ने मिठाई विक्रेताओं की दुकानों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मिठाई तौलने वाले



तराजू और बांट की जांच करते हुए दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्राहकों को मिठाई का वजन सही तरीके से बताया जाए। मिठाई के वजन में डिब्बे का वजन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाया कि ग्राहक जितनी मिठाई खरीद रहा है, उसे उतना ही शुद्ध वजन मिलना चाहिए। मिठाई के साथ डिब्बे का वजन जोड़कर पैसे वसूलना नियमों के विपरीत है। जांच अभियान केवल मिठाई की दुकानों तक सीमित नहीं रहा। विभागीय अधिकारियों ने वनस्पति तेल, गैस सिलेंडर और अन्य प्रतिष्ठानों पर भी पहुंचकर नाप-तौल से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पैकिंग वाले सामान पर अंकित मात्रा और वास्तविक मात्रा के संबंध में भी जांच की गई। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उपभोक्ताओं को सामान खरीदते समय निर्धारित वजन और मात्रा से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी न हो। कस्बे में करीब एक दर्जन दुकानों का निरीक्षण करने के दौरान कुछ दुकानदारों के खिलाफ अनियमितताएं मिलने पर चालान की कार्रवाई की गई। बाट-माप अधिकारी कल्पना तोमर ने दुकानदारों को चेताया कि त्योहारी सीजन में ग्राहकों के साथ नाप-तौल के मामले में किसी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी व्यापारी अपने तराजू, बांट और अन्य उपकरणों को निर्धारित मानकों के अनुरूप रखें तथा ग्राहकों को पूरा वजन और सही मात्रा में सामान उपलब्ध कराएं। दीपावली पर मिठाई, तेल, खाद्य सामग्री और अन्य घरेलू सामान की खरीदारी में तेजी आती है। ऐसे में नाप-तौल में गड़बड़ी होने पर उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने बाजारों में जांच अभियान चलाकर दुकानदारों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी। विभागीय कार्रवाई से व्यापारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि ग्राहकों को सही वजन और निर्धारित मात्रा में सामान देना उनकी जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने संकेत दिया कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और बाजार में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस तरह की जांच आगे भी जारी रह सकती है।

सुभाष नगर पुलिया से बझेड़ी पुलिया तक गंदगी का अंबार, कूड़े के ढेरों से उठ रही दुर्गंध ने लोगों का जीना किया मुहाल



मुजफ्फरनगर। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर किए जा रहे दावों के बीच सुभाष नगर पुलिया से बझेड़ी पुलिया तक सड़क के दोनों ओर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। जगह-जगह जमा कूड़े और उससे उठने वाली दुर्गंध ने आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ इस रास्ते से प्रतिदिन गुजरने वाले राहगीरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क किनारे पॉलिथीन, फैक्ट्रियों से निकलने वाला कचरा और घरों से निकलने वाला घरेलू कूड़ा खुले में पड़ा है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को नाक पर कपड़ा रखकर इस रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कूड़ा उठाने वाली गाड़ी रोजाना यहां पहुंचती है, लेकिन इसके बावजूद सड़क किनारे कचरे का ढेर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। सुभाष नगर पुलिया से बझेड़ी पुलिया तक सड़क के दोनों ओर कई स्थानों पर कूड़ा जमा होने से पूरा रास्ता गंदगी की चपेट में है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यहां लंबे समय से कूड़ा डाले जाने की समस्या बनी हुई है। घरेलू कचरे के साथ पॉलिथीन और फैक्ट्री से निकलने वाला कचरा भी खुले में फेंका जा रहा है। इससे न केवल वातावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि आसपास से गुजरने वाले लोगों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क की हालत भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। रास्ते के कई हिस्सों में सड़क कच्ची और टूटी हुई है। वाहनों के गुजरने से धूल उड़ती रहती है, जबकि सड़क किनारे जमा कूड़े से दुर्गंध फैलती है। ऐसे में राहगीरों को एक साथ धूल और बदबू का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रास्ते से रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं, लेकिन सड़क की स्थिति और सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा। स्कूली बच्चों और महिलाओं को भी उठानी पड़ रही परेशानी इस मार्ग से स्कूली बच्चों के अलावा महिलाएं और बुजुर्ग भी गुजरते हैं। कूड़े के ढेर और उड़ती धूल के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है। पैदल चलने वालों के लिए स्थिति और भी खराब है।

कार्यालय अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड-1, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर

अल्पाकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

पत्रांक 1746/8ए दिनांक 31.10.2026

.1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर द्वारा लोक निर्माण विभाग में A,B,C, श्रेणी में मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत एवं पात्र अनुमोदित तथा अर्ह ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा एक या समस्त कार्यों के लिए निविदा दी जा सकती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि कृपया नोट कर ले कि कॉन्ट्रेक्ट के अवार्ड हेतु अर्ह के लिए बिडर्स के निर्देश के क्लॉज–4 के अनुसार न्यूनतम अर्हता रखता है।

2.

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (जीएसटी छोड़कर) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	4	5	5	6	7
1	रोहाना खुर्द लिंक मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	58.45	4.93	04 माह	2000+ 300+ 414 = 2714.00	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी,
2	खिन्दडिया से छपरे मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	35.20	3.76	04 माह	2000+ 300+ 414 = 2714.00	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी,
3	बसेडा से भैंसरहेडी मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	38.00	3.90	04 माह	2000+ 300+ 414 = 2714.00	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी,
4	मुजफ्फरनगर थानाभवन मार्ग से ज्ञानामजरा बाढ़ बलवाखेडी मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	41.90	4.10	04 माह	2000+ 300+ 414 = 2714.00	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी,
5	रोनीहाजीपुर से भमेला मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	51.40	4.57	04 माह	2000+ 300+ 414 = 2714.00	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी,
6	डी0एन0. रोड से जडौदा मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	82.50	6.13	04 माह	2000+ 300+ 414 = 2714.00	मार्ग श्रेणी ए,बी,

3. ब

खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच के नाम पर छोटे व्यापारियों का उत्पीड़न बंद हो, ऑनलाइन कंपनियों की मनमानी पर लगे रोक

समाजवादी व्यापार सभा ने राज्यपाल के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन, सैंपलिंग और जांच प्रक्रिया पारदर्शी बनाने के साथ अवैध वसूली की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग

मुजफ्फरनगर। छोटे, मध्यम और फुटकर व्यापारियों की समस्याओं को लेकर समाजवादी व्यापार सभा ने प्रदेश की राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच और सैंपलिंग प्रक्रिया में कथित उत्पीड़न पर रोक लगाने की मांग की है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि त्योहारों के दौरान मिठाई विक्रेताओं, हलवाइयों, किराना दुकानदारों और अन्य खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर जांच एवं नमूने लेने की कार्रवाई के नाम पर अनावश्यक दबाव बनाए जाने और अवैध वसूली की शिकायतें सामने आती हैं। इसके साथ ही बड़ी ऑनलाइन व्यापारिक कंपनियों के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय बाजारों और छोटे दुकानदारों का कारोबार प्रभावित होने का मुद्दा भी उठाया गया। समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष अब्दुल मुत्तलिब के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि वे मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्षधर हैं, लेकिन इसकी आड़ में ईमानदार व्यापारियों को परेशान करना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से जांच व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और स्थानीय व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि दीपावली सहित अन्य त्योहारों के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से हलवाई, मिठाई विक्रेता, परचून और किराना दुकानदारों के यहां जांच एवं सैंपलिंग की जाती है। मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन जांच के नाम पर व्यापारियों को भयभीत करना, अनावश्यक रूप से परेशान करना अथवा अवैध वसूली करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। व्यापार सभा ने मांग की कि खाद्य सुरक्षा विभाग की पूरी कार्रवाई नियमानुसार और पारदर्शी होनी चाहिए। नमूने लेते समय संबंधित व्यापारी को नियमानुसार रसीद, आवश्यक दस्तावेज और जांच से



संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी एवं सपा नेता गौरव जैन ने कहा कि छोटे व्यापारी देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण रीढ़ हैं। मिलावटखोरों के विरुद्ध कार्रवाई आवश्यक है, लेकिन उसकी आड़ में ईमानदार दुकानदारों का उत्पीड़न स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय बाजारों और छोटे दुकानदारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। सरकार को व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और रोजगार की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। वरिष्ठ सपा नेता साजिद हसन ने कहा कि छोटे दुकानदार अपनी मेहनत से परिवार चलाने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाते हैं। जाँच के नाम पर अनावश्यक दबाव और उत्पीड़न की शिकायतें गंभीर चिंता का विषय हैं। बड़ी ऑनलाइन कंपनियों के सामने छोटे व्यापारियों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलना चाहिए। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान संवाद, पारदर्शिता और प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई से किया जाना चाहिए। समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष अब्दुल मुत्तलिब ने कहा कि व्यापार सभा मिलावट के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई का समर्थन करती है।

लेकिन सैंपलिंग के नाम पर किसी भी ईमानदार व्यापारी को परेशान करना या अवैध वसूली करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय बाजारों को बचाने और छोटे व्यापारियों को संरक्षण देने के लिए सरकार प्रभावी नीति बनाए। व्यापार सभा व्यापारियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष उठाती रहेगी। ज्ञापन में समाजवादी व्यापार सभा ने प्रशासन और प्रदेश सरकार के सामने कई प्रमुख मांगें रखीं। इनमें खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच एवं सैंपलिंग प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने, व्यापारियों को धमकाने या अवैध वसूली की शिकायतों की जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग शामिल है।

चरथावल में बाल श्रम के खिलाफ संयुक्त अभियान, आठ बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

मिठाई की दुकानों, होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट और निजी अस्पतालों समेत कई प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण; श्रम विभाग ने सेवायोजकों को दी सख्त हिदायत

मुजफ्फरनगर। जनपद में बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को चरथावल कस्बे में श्रम विभाग और विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं की संयुक्त टीम ने सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान अलग-अलग प्रतिष्ठानों से 8 बाल श्रमिकों को चिन्हित कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए बाल श्रम से मुक्त कराया गया। यह अभियान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के आदेशानुसार तथा सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह और पुलिस अधीक्षक (अपराध) इंदु सिद्धार्थ के निर्देशन में चलाया गया।

बाजार और विभिन्न प्रतिष्ठानों पर की गई जांच

अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी बालेश्वर सिंह और शालू राणा, थाना मानव तस्करी विरोधी इकाई, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा सहयोगी संस्थाओं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन और ग्रामीण समाज विकास केंद्र की संयुक्त टीम शामिल रही।

टीम ने चरथावल कस्बे के मुख्य बाजार, रोहाना रोड, कोटेश्वर रोड, थाना भवन



रोड, शिव चौक और खोली चौक क्षेत्र में निरीक्षण किया। इस दौरान मिष्ठान भंडार, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे, कार वॉशिंग सेंटर, फर्नीचर की दुकानों और निजी अस्पतालों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान 8 बाल श्रमिकों को चिन्हित कर उन्हें बाल श्रम से मुक्त कराया गया। सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह ने सभी सेवायोजकों से अपील की कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम न कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का प्रथम अधिकार शिक्षा है और बच्चों को श्रम में लगाने के बजाय उनकी पढ़ाई एवं सुरक्षित भविष्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में बाल श्रम के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने कहा कि उनकी संस्था बच्चों के सुरक्षित बचपन, शिक्षा और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रशासन के साथ निरंतर सहयोग कर रही है। अभियान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलंटियर गौरव मलिक, सब-इंस्पेक्टर जगत सिंह और कांस्टेबल जयप्रकाश का विशेष सहयोग रहा। संयुक्त टीम ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए जागरूकता और निरीक्षण अभियान को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

बुढ़ाना में घर का ताला तोड़कर घुसे ससुराल पक्ष के लोग, विरोध करने पर सास को लोहे की रॉड से पीटने का आरोप

पांच दिन के मासूम को छोड़कर एक साल पहले बहू के घर से चले जाने का भी लगाया आरोप, पीड़िता ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कस्बे में पारिवारिक विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। सफीपुर पट्टी निवासी एक महिला ने अपनी पुत्रवधू और उसके मायके पक्ष के लोगों पर घर का ताला तोड़कर जबरन घुसने, विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट करने और लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि हमलावरों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और अपनी जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। महिला ने संबंधित पुलिस चौकी के इंचार्ज पर भी आरोपियों का पक्ष लेने और उन्हें कथित रूप से उकसाने का गंभीर आरोप लगाया है। एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में सफीपुर पट्टी, चंधेड़ी रोड निवासी महिला सोमीना पत्नी फिरोज ने बताया कि करीब तीन वर्ष पहले उसके बेटे जीशान का निकाह शामली जनपद के आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के गांव धान करवा निवासी फरमाना के साथ हुआ था। महिला के अनुसार उसका बेटा और पुत्रवधू बाहर रहकर कपड़े की फेरी लगाने का काम करते थे। आरोप है कि करीब एक वर्ष पहले उसकी पुत्रवधू फरमाना अपने पांच दिन के मासूम बेटे को घर पर ही छोड़कर बुढ़ाना के एक व्यक्ति के साथ चली गई थी। इसके बाद से परिवार में विवाद चल रहा है।

एक माह से घर पर लगा रखा था ताला

पीड़िता के अनुसार करीब एक माह पहले वह गांव एलम गई हुई थी। जाने से पहले उसने अपने घर के कमरों पर ताले लगा दिए थे। आरोप है कि एक नवंबर 2026 को उसकी पुत्रवधू फरमाना अपने परिवार के साथ लेकर उसके बुढ़ाना स्थित घर पहुंची। आरोप है कि सभी लोगों ने एकराय होकर घर के कमरों के ताले तोड़ दिए और जबरन अंदर घुस गए। इसकी जानकारी पीड़िता को मोहल्ले के लोगों के माध्यम से



मिली।

घर पहुंचते ही लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

महिला ने बताया कि दो नवंबर को शाम करीब चार बजे वह अपनी लगभग 14 वर्षीय भांजी को साथ लेकर घर पहुंची। आरोप है कि जैसे ही वह घर के अंदर दाखिल हुई, वहां मौजूद अय्यूब, समीर, सलीम और कादिर ने उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता किसी तरह अपनी जान बचाकर घर से बाहर भागी तो उसकी पुत्रवधू फरमाना भी गाली-गलौज करते हुए उसके पीछे दौड़ी। आरोप है कि फरमाना ने जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई।

मोहल्ले के लोगों ने पहुंचकर बचाई जान, वीडियो होने का दावा

शिकायतकर्ता के अनुसार शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले की फरीदा, उर्मिला, यूनुस सहित कई लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटना को देखा और बीच-बचाव कर महिला की जान बचाई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पीड़िता का दावा है कि पूरी घटना से संबंधित वीडियो भी उसके मोबाइल फोन में मौजूद है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसका चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया, लेकिन आरोप है कि इसके बावजूद हमलावरों के खिलाफ कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।

चौकी इंचार्ज पर भी लगाया गंभीर आरोप

मामले में पीड़िता ने बुढ़ाना पुलिस चौकी के इंचार्ज पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने आशंका जताई है कि संबंधित दरोगा की आरोपियों से मिलीभगत हो सकती है और इसी कारण उसके मामले में कार्रवाई नहीं की जा रही है।

जान का खतरा बताते हुए एसएसपी से कार्रवाई की मांग

पीड़िता ने शिकायती पत्र में कहा है कि आरोपियों की ओर से उसे लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उसे अपनी जान-माल का खतरा बना हुआ है। महिला ने आशंका जताई कि यदि समय रहते आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो उसके साथ कोई गंभीर अप्रिय घटना हो सकती है।

नशे में सफर बना हादसे की वजह! भसाना में खड़ी मैक्स से भिड़ी पिकअप, तीन युवक अस्पताल पहुंचे

सूअरों के लिए चारा लेने निकले थे उमरपुर के विनोद और ब्रह्म सिंह, दिनकरपुर निवासी चालक चला रहा था पिकअप; गंभीर हालत में चालक जिला अस्पताल रेफर

मुजफ्फरनगर। नशे की हालत में वाहन चलाना किस तरह गंभीर हादसे का कारण बन सकता है, इसकी तस्वीर बुढ़ाना क्षेत्र के गांव भसाना में देखने को मिली। यहां सड़क किनारे खड़ी कोल्ड ड्रिंक से भरी मैक्स में एक पिकअप ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सवार तीन युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पिकअप चालक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा। बताया गया कि उमरपुर निवासी विनोद और ब्रह्म सिंह सूअर पालन का काम करते हैं। दोनों अपने काम के लिए चारा और अन्य सामान लेने दिनकरपुर निवासी चालक के साथ पिकअप में सवार होकर बुढ़ाना की ओर आ रहे थे। गांव भसाना के निकट सड़क किनारे कोल्ड ड्रिंक से भरी मैक्स खड़ी थी। इसी दौरान पिकअप चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और पिकअप



सीधे खड़ी मैक्स से जा भिड़ी।

जोरदार टक्कर से पिकअप सवारों में मची चीख-पुकार

टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप सवार तीनों युवक घायल हो गए। अचानक हुए हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद पिकअप चालक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

शराब के नशे में होने की बात सामने आई

प्रारंभिक जानकारी में हादसे के समय तीनों युवकों के शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। हालांकि नशे की पुष्टि और दुर्घटना के वास्तविक कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि पिकअप चालक वाहन से नियंत्रण कैसे खो बैठा।

खतौली में जाम के बीच बेलगाम ई-रिक्शा ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटा घायल

जानसठ रोड पर हादसे के बाद पलटी खाद्य सामग्री से भरी ई-रिक्शा, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया रास्ता; अतिक्रमण और अव्यवस्थित यातायात पर उठे सवाल

मुजफ्फरनगर। खतौली में अव्यवस्थित यातायात और सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण के बीच हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है। जानसठ रोड पर तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला राजेश देवी और उनका बेटा मोनू घायल हो गए, जबकि टक्कर के बाद खाद्य सामग्री से लदी ई-रिक्शा सड़क पर पलट गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया। राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायल मां-बेटे को सड़क से उठाकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस और खतौली पुलिस के दरोगा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सड़क पर पड़े घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचवाया और पलटी हुई ई-रिक्शा को सीधा कराकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस ई-रिक्शा चालक को पकड़कर थाने ले गई।

खतौली तिराहे के आसपास यातायात व्यवस्था पर सवाल

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने खतौली की यातायात व्यवस्था पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि खतौली तिराहे



पर पेट्रोल पंप के आसपास सड़क के दोनों ओर रोडवेज और निजी बसें खड़ी रहती हैं। इसके अलावा ई-रिक्शाओं की अनियंत्रित आवाजाही और दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण सड़कें संकरी हो जाती हैं। ऐसे में वाहन चालकों को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती और जाम के साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। गन्ने का सीजन शुरू होने से बढ़ेगी परेशानी

स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि गन्ने का सीजन शुरू होने के साथ ही क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और गन्ने से लदे ट्रकों की आवाजाही बढ़ जाएगी। पहले से ही दबाव झेल रहे जानसठ रोड और खतौली तिराहे पर यातायात संभालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। राहगीरों ने प्रशासन से सड़क किनारे खड़े होने वाले बसों के खिलाफ कार्रवाई करने, ई-रिक्शाओं के संचालन को व्यवस्थित करने, नाबालिग चालकों पर रोक लगाने और अतिक्रमण हटवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में जाम के साथ हादसों की समस्या और गंभीर हो सकती है।

15 से 16 करोड़ के कथित बैंक घोटाले में 24वें दिन भी नहीं थमा किसानों का आक्रोश, दिवाली से पहले भुगतान नहीं तो जिलेभर की शाखाओं पर तालाबंदी की चेतावनी

बुढ़ाना में सर्व ग्रामीण यूपी बैंक के बाहर दिन-रात धरने पर बैठे भाकियू कार्यकर्ता, जिला महासचिव अनुज बालियान ने बैंक प्रबंधन को दिया दो दिन का अल्टीमेटम; जांच पूरी होने के बावजूद खाताधारकों को रकम नहीं मिलने पर उठाए सवाल

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना में सर्व ग्रामीण यूपी बैंक से जुड़ा कथित करोड़ों रुपये का घोटाला अब किसानों और व्यापारियों के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के लिए खाताधारक लगातार बैंक के चक्कर काट रहे हैं, वहीं भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का बैंक के बाहर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना 24वें दिन भी जारी रहा। डीएवी रोड स्थित बैंक शाखा के बाहर किसान संगठन के कार्यकर्ताओं ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए खाताधारकों की रकम तत्काल वापस करने की मांग उठाई। भाकियू के जिला महासचिव अनुज बालियान ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दिवाली से पहले किसानों और व्यापारियों की रकम उनके खातों में वापस नहीं पहुंची तो जनपद मुजफ्फरनगर में सर्व ग्रामीण यूपी बैंक की सभी संबंधित शाखाओं पर धरना देकर तालाबंदी की जाएगी। मामले के अनुसार सर्व ग्रामीण यूपी बैंक की बुढ़ाना शाखा में करीब 15 से 16 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद से खाताधारकों में चिंता बनी हुई है। आरोप है कि बैंक मैनेजर रूपक करोड़ों रुपये की कथित हेराफेरी के बाद फरार हो गया। इस मामले में बैंक की ओर से मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। घटना सामने आने के बाद किसानों और व्यापारियों को अपनी जमा पूंजी की चिंता सताने लगी। कई खाताधारकों की रकम अटकी होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 24 दिन से बैंक के बाहर डटे हैं किसान, रात-दिन जारी है धरना

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ता किसानों और व्यापारियों की जमा पूंजी वापस दिलाने की मांग



को लेकर पिछले 24 दिनों से बैंक के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं। संगठन के जिला महासचिव अनुज बालियान ने कहा कि किसान और व्यापारी अपनी मेहनत की कमाई बैंक में सुरक्षित रखने के भरोसे से जमा करते हैं। ऐसे में करोड़ों रुपये की कथित हेराफेरी सामने आने के बाद खाताधारकों को उनकी रकम के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन लगातार इस मामले को उठा रहा है और बैंक प्रबंधन से समाधान की मांग कर रहा है, लेकिन अभी तक खाताधारकों को उनकी रकम वापस नहीं मिली है। धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक प्रभावित लोगों को उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जांच पूरी होने की जानकारी, फिर भुगतान में देरी क्यों?

अनुज बालियान ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम भी बैंक पहुंच चुकी है। संगठन को मिली जानकारी के अनुसार जांच पूरी हो चुकी है, इसके बावजूद खाताधारकों के भुगतान को लेकर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जांच पूरी हो चुकी है तो किसानों और व्यापारियों की रकम वापस करने में देरी क्यों की जा रही है? उन्होंने बैंक प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बैंक अपने बकाया की वसूली और ब्याज लेने में देरी नहीं करता, लेकिन जब किसानों और व्यापारियों की मेहनत की कमाई लौटाने की बात आती है तो उन्हें लगातार इंतजार कराया जा रहा है। खाताधारकों को यह स्पष्ट जानकारी भी मिलनी चाहिए कि उनकी रकम कब और किस प्रक्रिया के तहत वापस की जाएगी।

जिला कारागार में बंदियों के अधिकारों की पड़ताल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया निरीक्षण

पाकशाला से लेकर अस्पताल और महिला व बाल बैरक तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दोषसिद्ध बंदियों को दी संवैधानिक व कानूनी अधिकारों की जानकारी; अपील में परेशानी होने पर मिलेगी विधिक सहायता

मुजफ्फरनगर। जिला कारागार में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और रहने की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने कारागार की पाकशाला, अस्पताल, पुरुष बैरक, महिला बैरक और बाल बैरक का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान दोषसिद्ध बंदियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में बंदियों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए अपील दाखिल करने में आने वाली समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशन में किए गए निरीक्षण के दौरान डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने बंदियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उन्हें बताया कि प्रत्येक बंदी को कानून के तहत अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। किसी भी बंदी को कानूनी सहायता प्राप्त करने में आर्थिक या अन्य



किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। विधिक सेवा प्राधिकरण जरूरतमंद बंदियों को नियमानुसार निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहा है। विधिक जागरूकता शिविर के दौरान दोषसिद्ध बंदियों को विशेष रूप से उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। सचिव ने बताया कि यदि किसी दोषसिद्ध बंदी को उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने में कानूनी परेशानी आ रही है तो वह जेल अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आवेदन भेज सकता है। ऐसे आवेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और पात्र बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बंदियों को यह भी समझाया कि न्याय प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है और आर्थिक स्थिति किसी को कानूनी सहायता से वंचित रखने का आधार नहीं बननी चाहिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. चौधरी ने जिला कारागार अधीक्षक को निर्देश दिए कि ऐसे बंदियों के मामलों की सूची तैयार कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजी जाए, जिनका निस्तारण ई-जेल लोक अदालत अथवा जेल लोक अदालत के माध्यम से किया जा सकता है। इसका उद्देश्य पात्र बंदियों के मामलों का शीघ्र निस्तारण कराना है, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से न्यायिक प्रक्रिया में लंबा इंतजार न करना पड़े। इसके अलावा जिन बंदियों की जमानत याचिका अधीनस्थ न्यायालय द्वारा स्वीकार की जा चुकी है, उन्हें भी आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस पहल के माध्यम से बंदियों को कानूनी प्रक्रिया की जानकारी देने और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

12 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, इन मामलों का होगा निस्तारण

इस दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 दिसंबर 2026, द्वितीय शनिवार को किया जाएगा। इसके लिए दीवानी न्यायालय परिसर मुजफ्फरनगर के साथ बाह्य न्यायालय बुढ़ाना, ग्राम न्यायालय जानसठ, ग्राम न्यायालय खतौली और कलक्ट्रेट मुजफ्फरनगर में व्यवस्था की जाएगी। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी समझौते और सुलह के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। इसमें आपराधिक शमनीय वाद, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामले, बैंक ऋण वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, टेलीफोन, बिजली एवं पानी के बिलों से संबंधित विवाद, वैवाहिक वाद, भूमि अधिग्रहण, राजस्व वाद तथा सिविल मामलों को शामिल किया जाएगा।

हेलमेट पहनकर स्कूल पहुंचा दूसरी कक्षा का नन्हा युग बना मिसाल, एसपी ट्रैफिक ने किया सम्मानित

यातायात माह में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, एसपी यातायात अतुल कुमार चौबे ने विद्यार्थियों को दिलाई नियमों के पालन की शपथ, कविता के जरिए छात्राओं ने भी दिया सुरक्षित सफर का संदेश

मुजफ्फरनगर। सड़क सुरक्षा का पाठ केवल किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि बचपन से ही बच्चों की आदतों में शामिल हो जाए, इसी उद्देश्य से यातायात माह नवंबर के अंतर्गत एक पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एक नन्हे विद्यार्थी ने अपनी अच्छी आदत से सभी का ध्यान आकर्षित किया। कक्षा दो का छात्र युग प्रतिदिन अपने अभिभावक के साथ हेलमेट पहनकर स्कूल पहुंचता है। उसकी इस अनुशासित आदत को सड़क सुरक्षा की दिशा में दूसरों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे ने उसे मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही सड़क सुरक्षा को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प दिलाया गया।

छोटी उम्र में बड़ी सीख दे गया युग

कार्यक्रम का सबसे खास आकर्षण कक्षा दो के छात्र युग का सम्मान रहा। आमतौर पर यातायात नियमों को लेकर



बड़े-बुजुर्गों को जागरूक करने की जरूरत महसूस होती है, लेकिन युग ने अपनी नियमित आदत से यह संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा की शुरूआत छोटी उम्र से ही होनी चाहिए। वह प्रतिदिन अपने अभिभावक के साथ हेलमेट पहनकर विद्यालय आता है। उसकी इस अच्छी आदत की सराहना करते हुए एसपी यातायात अतुल कुमार चौबे ने उसे मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों से भी युग की तरह यातायात नियमों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य गगन शर्मा ने मुख्य अतिथि एसपी यातायात अतुल कुमार चौबे का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने के साथ किया। इस अवसर पर एसपी यातायात ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यातायात नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी, जिम्मेदारी और यातायात नियमों का पालन करके अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। बच्चों को चाहिए कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि बच्चों के माध्यम से परिवारों तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाना जागरूकता अभियान को मजबूत बनाने का प्रभावी तरीका है। एसपी यातायात अतुल कुमार चौबे ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन नहीं चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने की शपथ दिलाई। उन्होंने नशे की हालत में कभी वाहन नहीं चलाने तथा वाहन चलाते समय लापरवाही से बचने की भी अपील की।

यातायात उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने समझाया कि सड़क पार करते समय सावधानी बरतना, यातायात संकेतों को समझना और वाहन चालकों द्वारा नियमों का पालन करना सुरक्षित सफर के लिए बेहद जरूरी है। इस दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रेरणादायक वीडियो भी प्रदर्शित किए



कैसे बनते हैं डॉक्टर

डॉक्टर बनना निस्संदेह सबसे अधिक मांग वाले प्रोफेशन में से एक है। डॉक्टरों की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में है। यह पेशा न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि डॉक्टरों की तरफ से समाज में दिए गए योगदान के कारण महान माना जाता है। भारत में एमबीबीएस की डिग्री अक्सर पेशे से संबंधित होती है, लेकिन एक मेडिकल प्रैक्टिशनर बनने के लिए इस कोर्स को करने के अलावा और भी बहुत कुछ जरूरी है.....

भारत में वर्तमान में क्या है डॉक्टरों की स्थिति

भारत में सरकारी और निजी दोनों संस्थान/विश्वविद्यालय हैं, जो एमबीबीएस कराते हैं। देश में इस समय एमबीबीएस की सीटों की कुल संख्या 1,07000 से कुछ अधिक है। वहीं, इन सीटों पर प्रवेश के लिए लगभग हर वर्ष 20 लाख छात्र NEET UG परीक्षा देते हैं। हालांकि, सिर्फ 5 प्रतिशत अभ्यर्थियों को ही क्वालिफाई किया जाता है।

क्या है एडमिशन का नियम

नीट यूजी परीक्षा पास करने के बाद अभ्यर्थियों मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित राज्य की अथॉरिटी की तरफ से आयोजित होने वाली काउंसलिंग में भाग लेना होता है। क्योंकि राज्य कोटे की सीटों पर राज्य अथॉरिटी की तरफ से एडमिशन दिया जाता है। जबकि केंद्र कोटे की सीटों पर एमसीसी की तरफ से काउंसलिंग आयोजित की जाती है। एमबीबीएस भारत में 5.5 वर्ष का है, जिसमें 4.5 वर्ष का पाठ्यक्रम और एक वर्ष की इंटर्नशिप शामिल है।

एम्स जैसे संस्थानों में पीजी के लिए देना होता है ये एग्जाम

एम्स दिल्ली जैसे भारत के कुछ पुराने कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए INICET (राष्ट्रीय महत्व संस्थान सामान्य प्रवेश परीक्षा) आयोजित करता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली पीजी पाठ्यक्रमों जैसे मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस), डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी), मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस), डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। हर वर्ष करीब 2 लाख छात्र NEET PG और INICET देते हैं। सफल होने वाले छात्रों को 60,000 PG सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। वहीं, पीजी के बाद सर्जरी आदि में स्पेशलाइजेशन के लिए स्टूडेंट्स नीट एसएस आदि का एग्जाम दे सकते हैं।

सैलरी

MBBS, एमडी और सुपरस्पेशियलिटी के डॉक्टरों को लाखों रुपये की सैलरी दी जाती है। हालांकि, प्रैक्टिस के लिए उन्हें FMGE का एग्जाम देना होता है। क्योंकि प्रैक्टिस के लिए इस परीक्षा को पास करना जरूरी होता है।



एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर के रुप में चुनें करियर

यदि आप आसमानी ट्रैफ़िक को सुरक्षित रखने में रुचि रखते हैं और हवाई यातायात की गति पर नज़र रखने का चुनौतीपूर्ण कार्य करना चाहते हैं, तो एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी के रुप में करियर विकल्प चुन सकते हैं। एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी टकराव को रोकने के लिए और यातायात की भीड़ से उत्पन्न होने वाली देरी को कम करने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं और नीतियों के अनुसार हवाई अड्डे के आसपास और भीतर हवाई यातायात को नियंत्रित करते हैं।

एक हवाई यातायात नियंत्रक हवाई यातायात के सुरक्षित, व्यवस्थित और कुशल आवागमन के लिए और हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्र में जिम्मेदार होता है। नियंत्रकों के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, लेकिन वे विमानों को भी आसानी से निर्देशित करते हैं ताकि देरी को कम किया जा सके, नामित हवाई अड्डों के माध्यम से हवाई अड्डे के यातायात को विनियमित किया जा सके और हवाई अड्डे के आगमन और प्रस्थान को विनियमित किया जा सके।

बहुत व्यस्त हवाई अड्डों में, हवा नियंत्रकों और जमीन नियंत्रकों के बीच काम विभाजित है। लैंडिंग के दौरान एयर नियंत्रक विमान का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि ग्राउंड कंट्रोलर रनवे पर विमानों का प्रबंधन करते हैं, पार्किंग स्टैंड और होल्डिंग क्षेत्रों से विमानों को टैक्सी के रूप में निर्देश जारी करते हैं।

वायु यातायात नियंत्रकों की भूमिका

- आने और प्रस्थान करने वाले विमानों से रेडियो कॉल करना।
- लैंडिंग और टेक-ऑफ निर्देश और सूचना जारी करना।
- टेलीफोन या अंतर-फोन का उपयोग करके, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र से आने वाली उड़ानों के नियंत्रण को स्वीकार करने के लिए उड़ानों को स्थानांतरित करने पर नियंत्रण रखना।
- हवाईअड्डे के आपातकालीन कर्मचारियों और अन्य नामित कर्मियों को अलर्ट करते रहना, जब हवाई जहाज को उड़ान में कठिनाई होती है।
- एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी रेडियो का संचालन करता है और हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में काम करने वाले विमानों को नियंत्रित करने के लिए रडार की निगरानी करता है।

वायु यातायात नियंत्रकों के कौशल

संचार कौशल - जब पायलट निर्देशों के लिए नियंत्रण टॉवर से संपर्क करते हैं, तो हवाई यातायात नियंत्रकों को उनके अनुरोधों को ध्यान से सुनना चाहिए और स्पष्ट रूप से बोलकर जवाब देना चाहिए।

एकाग्रता कौशल और सतर्कता - वायु यातायात नियंत्रकों के लिए एकाग्रता कौशल और सतर्कता हर समय काम आती है। उन्हें अपने कार्य में एकाग्रता रखनी चाहिए।

निर्णय लेने का कौशल - नियंत्रकों को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। कई बार आपातकालीन स्थिति में उन्हें निर्णय लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।

मल्टीटास्किंग स्किल्स - कंट्रोलर को कई फ्लाइट्स की क्रियाओं को समन्वित करने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें एक साथ कई कामों को करना आना चाहिए।

समस्या-समाधान कौशल - नियंत्रकों को जटिल परिस्थितियों को समझने और महत्वपूर्ण जानकारी की समीक्षा करने और पायलटों को एक उचित समाधान प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

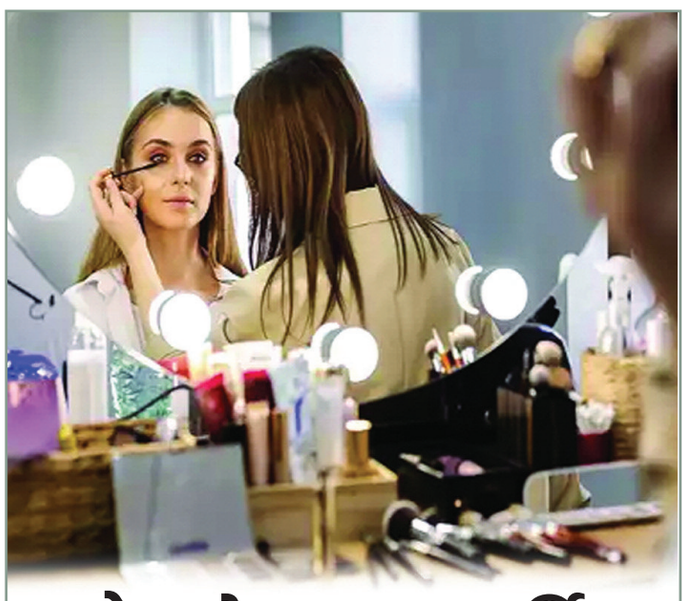
कार्य सारिणी

अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रक पूरे समय काम करते हैं, और कुछ को अतिरिक्त घंटे काम करना चाहिए। क्योंकि अधिकांश नियंत्रण टॉवर और मार्ग केंद्र घड़ी के चारों ओर संचालित होते हैं, नियंत्रक दिन, शाम और रात के बीच पारियों को घुमाते हैं। कंट्रोलर सप्ताहांत और छुट्टी की पाली में भी काम करते हैं।

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी की करियर संभावनाएं

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी एयरपोर्ट कंट्रोल ऑपरेटर, कंट्रोल टॉवर रेडियो ऑपरेटर, फ्लाइट कंट्रोल टॉवर ऑपरेटर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल स्पेशलिस्ट (एटीसीएस), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, सर्टिफाइड प्रोफेशनल कंट्रोलर (सीपीसी), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एनरूट ऑशन), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (टॉवर ऑशन) आदि रुपों में काम कर सकते हैं।





बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनाएं अपना भविष्य

अगर आप भी खुद को और दूसरों को खूबसूरत बनाने में रूचि रखते हैं तो बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

आज के समय में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है, चाहे वह महिला हो या फिर पुरूष। सुंदरता बढ़ाने के लिए लोग मेकअप पर निर्भर हैं। घर से बाहर शायद ही कोई महिला बिना मेकअप के निकलती है। मेकअप के इस दौर को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया है, टेलीविजन, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री ने। इनके कारण पहले जहां सिर्फ महिलाएं ही मेकअप करती नजर आती थी, वहीं अब पुरूष भी इनसे पीछे नहीं हैं। इन सभी को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं मेकअप आर्टिस्ट। मेकअप आर्टिस्ट ही वह व्यक्ति होता है जो किसी भी आर्टिस्ट को उसके किरदार में ढालने में एक अहम भूमिका निभाता है।

मेकअप आर्टिस्ट का कार्य

किसी भी चेहरे को सुंदर बनाना मेकअप आर्टिस्ट का मुख्य कार्य होता है। मेकअप आर्टिस्ट यह पता लगाता है कि किसी के चेहरे के अनुसार उस पर कैसा मेकअप सूट करेगा, वो व्यक्ति कैसे सुंदर लगेगा। ये सारा काम मेकअप आर्टिस्ट का होता है। फिल्मों और टीवी सीरियल में आपने देखा होगा कि कैसे एक सामान्य सी दिखने वाली लड़की बहुत सुंदर दिखने लगती है। ये सब मेकअप आर्टिस्ट का ही कमाल होता है। लड़कियों की तरह ही लड़कों का भी मेकअप होता है, जिससे वह ज्यादा स्मार्ट दिखें।

किस तरह का करें कोर्स

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए बुहत ज्यादा पढ़ाई की जरूरत नहीं पड़ती है, लेकिन इस क्षेत्र में महरत हासिल करने के लिए कोर्स की जरूरत पड़ती है, क्योंकि मेकअप किसी व्यक्ति की स्किन से जुड़ा मामला है, आपने कोई प्रॉडक्ट उस व्यक्ति पर लगाया और वो खराब हुआ तो उसकी स्किन हमेशा के लिए खराब हो सकती है। ऐसे में आपको मेकअप आर्टिस्ट से जुड़ा कोर्स जरूर करना चाहिए। जिसमे आप मेकअप और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट से जुड़ी बारीकियों को समझ सके। इसके लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं। इसमें दाखिला आप 12वीं के बाद ले सकते हैं। इन कोर्स में उम्र की कोई सीमा नहीं होती है।

इन स्किल्स की जरूरत

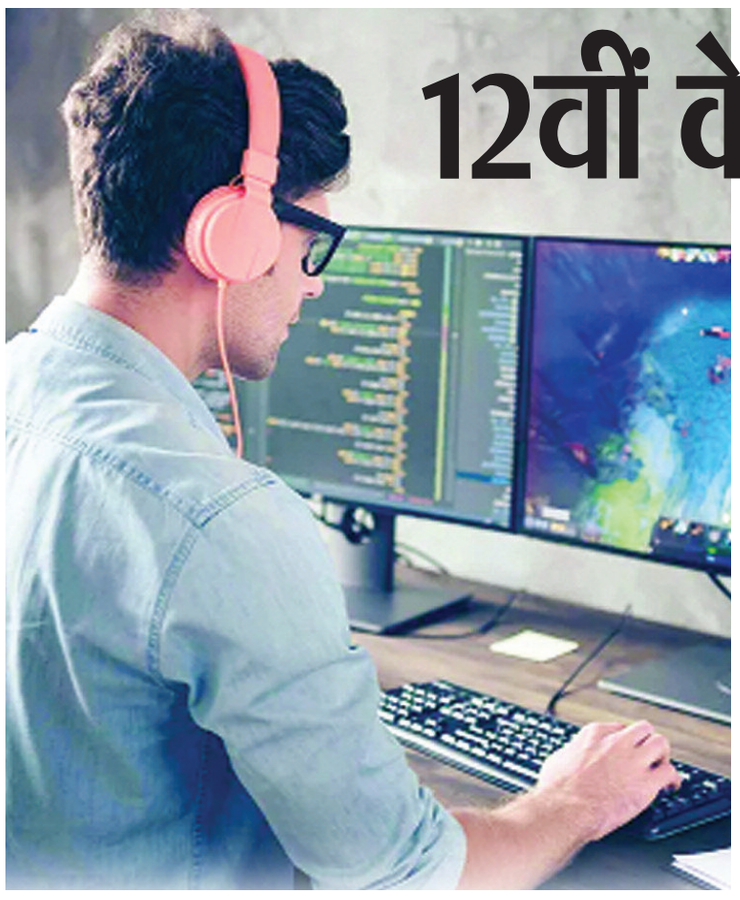
मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव माइंड होना बेहद आवश्यक है, जिससे आप अपने क्लाइंट की पर्सनैलिटी के अनुरूप मेकअप कर पाएं। हर चेहरा एक जैसा नहीं होता। इतना ही नहीं, जो व्यक्ति क्लाइंट की डिमांड और मौके के हिसाब से परफेक्ट मेकअप कर पाने में सक्षम होता है, उसे इस क्षेत्र में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही एक मेकअप आर्टिस्ट को हर स्टाइल और गेटअप के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए आपको लेटेस्ट मेकअप ट्रेंड के बारे में हमेशा रिसर्च करती रहनी चाहिए।

करियर कहां बनाए

आप इस फील्ड में कई जगह करियर बना सकते हैं। अगर आप अपने काम में एक्सपर्ट हैं तो फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम कर प्रतिमाह लाखों रुपए कमा सकते हैं। बड़े- बड़े एक्टर्स को पर्सनल मेकअप आर्टिस्ट की तलाश होती है। इसके अलावा आप टीवी चैनल, प्रॉडक्शन हाउस, फैशन इंडस्ट्री में नौकरी की तलाश कर सकते हैं। यहां भी मेकअप आर्टिस्ट की काफी ज्यादा जरूरत होती है। अगर आप किसी के अधीन नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो आप खुद भी मेकअप का काम शुरू कर सकते हैं।

कितनी होगी सैलरी

मेकअप आर्टिस्ट की सैलरी आपके कार्य, कार्य स्थल और अनुभव पर निर्भर करता है। अगर आप फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और अन्य स्थानों में कार्य कर रहे हैं तो प्रतिमाह लाखों रुपए कमा सकते हैं, वहीं अपना रोजगार शुरू करके भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।



12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने प्रशांत भूषण से जुड़े पोस्ट पर दर्ज की एफआईआर



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एक सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि उसने अक्सर विवादित बयान देकर चर्चा में रहने वाले वकील प्रशांत भूषण के ट्विटर हैंडल से साझा किए गए विदेश मंत्री एस. जयशंकर का भारत विरोधी कथित डॉक्टर्ड वीडियो प्रसारित किया गया था। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर 2026 साइबर पेट्रोलिंग के दौरान संज्ञान में आया कि सोशल मीडिया हैंडल ने प्रशांत भूषण के हैंडल से साझा किए गए विदेश मंत्री के कथित डॉक्टर्ड वीडियो को आगे शेयर किया। इस वीडियो के जरिए भ्रामक, मानहानिकारक और भड़काऊ सामग्री फैलाकर सार्वजनिक उपद्रव तथा अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस की सलाह-भ्रामक पोस्ट करने से इस मामले में स्पेशल सेल थाने में एफआईआर नंबर 263/26 दर्ज की गई है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 336(4), 353(1)(सी), 356, 340(2) और आईटी एक्ट की धारा 66सी के तहत मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर इस जानकारी को साझा करते हुए कहा कि इस तरह की भ्रामक सामग्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जांच जारी है।

दिल्ली में आग लगने की घटनाओं पर अब नए तरह पाया जाएगा काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में आग लगने की घटनाओं पर तेजी से काबू पाने और जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए दिल्ली सरकार अग्निशमन व्यवस्था में व्यापक बदलाव करने जा रही है। इसके तहत दिल्ली अग्निशमन सेवा के नियमों में संशोधन किया जाएगा। इमारतों में अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच के लिए योग्य तीसरे पक्ष के तौर पर लेखा परीक्षकों (ऑडिटर) की मदद ली जाएगी। सभी को किया जाएगा प्रशिक्षित प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इसके लिए नगर निगम के पैनल में शामिल लेखा परीक्षकों और वास्तुकारों को सूचीबद्ध कर प्रशिक्षित किया जाएगा। इस संबंध में गृह मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को बताया कि सरकार दिल्ली में आधुनिक, तेज और पूरी तरह सक्षम आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना चाहती है। उपराज्यपाल टीएस संधू की अध्यक्षता में हाल में हुई समीक्षा बैठक में इसके लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें संकरी गलियों, अधिक आबादी, यातायात जाम, बिजली के तारों पर अत्यधिक भार और घरों में प्लास्टिक व कृत्रिम सजावटी सामान के बढ़ते इस्तेमाल से पैदा हो रहे आग के खतरों को ध्यान में रखा गया है।

एडमिशन के लिए पर्सेंटाइल की जगह लागू हो सकती है रैंक आधारित व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल में पीजी (पोस्टग्रेजुएट) में एडमिशन लेने वालों को जल्द ही बदलाव मिल सकता है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की सैद्धांतिक मंजूरी के बाद ये नया सिस्टम जल्द ही लागू हो सकता है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने नीट-पीजी और नीट-सुपर स्पेशलिटी काउंसलिंग के लिए मौजूदा परसेंटाइल-आधारित सिस्टम की जगह रैंक-आधारित सिस्टम लागू करने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। नीट-पीजी दाखिले और काउंसलिंग प्रक्रिया की समीक्षा के लिए बनाई गई 12 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट में बताया कि कमीशन एक नए नियम पर काम कर रहा है। इसके तहत केवल रैंक जारी की जाएगी और परसेंटाइल मार्क्स नहीं बताए जाएंगे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के सचिव द्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक को एक अक्टूबर 2026 को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, 23 सितंबर को हुई हस्ष्ट की बैठक में इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई थी। आयोग ने अभी तक नियमों को अंतिम रूप नहीं दिया है। सुप्रीम कोर्ट उन कई याचिकाओं की जांच कर रहा है, जिनमें नीट पीजी 2025 के लिए क्वालिफाइंग कट-ऑफ परसेंटाइल को काफी हद तक कम करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी गई है। सामान्य श्रेणी के लिए क्वालिफाइंग स्कोर को 276 से घटाकर 103 कर दिया।

ट्रैफिक रूल्स तोड़ने में पश्चिमी रेंज सबसे आगे, 6.24 लाख चालान; पुरानी दिल्ली और यमुनापार हुए बेलगाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली और यमुनापार की सड़कों पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाना वाहन चालकों की आदत बनती जा रही है। वाहन चालक कहीं गलत दिशा में वाहन दौड़ते दिखते हैं तो कहीं सड़क पर बेतरतीब पार्किंग और प्रतिबंधित मार्गों पर वाहनों की आवाजाही से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है।

इसके बावजूद इन इलाकों में यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस की सख्ती अपेक्षाकृत कम नजर आती है। यातायात उल्लंघन की स्थिति और पुलिस की प्रवर्तन कार्रवाई के आंकड़े व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष 22 अक्टूबर तक मध्य जिले में 5,80,565 चालान काटे गए, जबकि नई दिल्ली जिले में 5,29,102 चालान किए गए। वहीं पूर्वी दिल्ली में 5,15,580 चालान काटे गए। इन आंकड़ों से साफ है कि मध्य और पूर्वी दिल्ली में भी यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले काफी अधिक हैं। इसके बावजूद इन क्षेत्रों में यातायात अनुशासन कायम करने की चुनौती बनी हुई है। त्योहारी सीजन में बाजारों में भीड़ और वाहनों का दबाव बढ़ने से स्थिति और बिगड़ जाती है। रेंज के स्तर पर देखें तो इस वर्ष



सबसे अधिक 6,24,652 चालान पश्चिमी रेंज में काटे गए। उत्तरी रेंज 6,14,036 चालानों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि मध्य रेंज तीसरे स्थान पर रही। पुरानी दिल्ली में दरियागंज, कमला मार्केट, तुर्कमान गेट, अजमेरी गेट और चांदनी चौक जैसे इलाकों में यातायात नियमों का उल्लंघन आम है। वहीं यमुनापार में खजूरी, सीलमपुर, जाफराबाद, मुस्तफाबाद और शास्त्री पार्क में भी वाहन चालक अक्सर नियमों की अनदेखी करते नजर आते हैं। इन इलाकों में गलत दिशा में वाहन चलाना, सड़क पर अतिक्रमण, गलत पार्किंग और यातायात संकेतों की अनदेखी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं।

बुराड़ी में ऑटो रिक्शा की फिटनेस जांच ठप, ड्राइवर बेहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बुराड़ी स्थित ऑटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर पर ऑटो रिक्शा को भी फिटनेस जांच के दायरे में शामिल किए जाने के बाद पिछले एक सप्ताह से ऑटो का फिटनेस प्रमाणपत्र बनना बंद है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इससे हजारों ऑटो चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिटनेस नहीं होने के कारण चालकों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। सड़क पर यातायात पुलिस द्वारा चालान भी किए जा रहे हैं। इससे ऑटो चालकों में नाराजगी बढ़ रही है और सरकार के प्रति नकारात्मक संदेश जा रहा है। इस संबंध में आपका अपना ऑटो टैक्सी यूनियन के महासचिव उपेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पहले परिवहन विभाग के फिटनेस इंस्पेक्टर ऑटो की मैनुअल जांच कर फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद से प्रक्रिया बाधित है।



निलंबित एसीपी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ सहित कुछ पुलिसकर्मियों की ओर से अधिवक्ताओं को धमकी देने और सार्वजनिक रूप से बदनाम करने के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है।

अधिवक्ता करण बीर सिंह द्वारा दायर की गई याचिका में वकीलों को एके-47 से धमकाने के मामले में निलंबित एसीपी मनस्वी वशिष्ठ के खिलाफ कार्रवाई और अधिवक्ताओं की सुरक्षा की मांग की गई है। अधिवक्ता विक्रांत डबास के जरिए दायर याचिका में कहा गया कि सार्वजनिक रूप से वकीलों को दी गई धमकी के लिए एसीपी मनिस्वी वशिष्ठ को निलंबित करना घटना से जुड़े संवैधानिक मुद्दों का समाधान नहीं है। इससे पहले मंगलवार को इस मामले का उल्लेख एक अधिवक्ता द्वारा मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया गया था। अधिवक्ता ने अदालत से मामले का स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया था। हालांकि, अदालत ने मामले का स्वतः संज्ञान लेने से इन्कार करते हुए अधिवक्ताओं को मामले में याचिका दायर करने का सुझाव दिया था। वकीलों ने अदालत को बताया कि निलंबित एसीपी ने एके-47 का इस्तेमाल करने और उन्हें काले कोट वाले गुंडे कहने जैसी टिप्पणियां कीं। अदालत ने कहा कि याचिका दायर करने पर इस पर विचार किया जाएगा। बता दें कि यह पूरा मामला दो नवंबर को वकीलों के खिलाफ हुए पुलिस विरोध-प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ ने इस दौरान अधिवक्ताओं को लेकर आक्रोश व्यक्त किया था। याचिका में दावा किया गया है कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो में मनिस्वी वशिष्ठ धमकी भरी और अपमानजनक बातें कहते दिख रहे हैं। याचिका में दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर हुए प्रदर्शन की जांच पुलिस बल (अधिकारों पर प्रतिबंध) अधिनियम- 1966 के तहत कराने की मांग की गई है। याचिका में इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो हटाने, वकीलों को सुरक्षा देने और वशिष्ठ समेत धमकी देने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपराधिक और विभागीय कार्रवाई की मांग भी की गई है। यह पूरा मामला 23 अक्टूबर को शाहदरा पुलिस स्टेशन में हुई घटना के बाद शुरू हुआ था।

त्योहारों पर मिलावटखोरों पर नकेल, दिल्ली में 7000 किलो सड़ा खोया जब्त, सीएम की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मोरी गेट स्थित खोया मंडी में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 7000 किलो सड़ा-गला और दुर्गंधयुक्त खोया जब्त कर नष्ट कराया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का निरीक्षण किया। त्यौहारों के मौके पर भी दिल्ली में मिलावटखोरी थमने का नाम नहीं ले रही है। नकली खोया, पनीर और देसी घी की बिक्री लोगों की सेहत के लिए भारी खतरा बनी हुई है।

जहर घोलने वालों के लिए कोई जगह नहीं

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चेतावनी दी कि त्योहारों की खुशियों में जहर घोलने वालों के लिए दिल्ली में कोई जगह नहीं है। मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अभियान लगातार जारी रखने और नकली और मिलावटी खाद्य सामग्री को बाजार तक पहुंचने से रोकने के निर्देश भी दिए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अभियान के दौरान मोरी गेट खोया मंडी से 44 निगरानी नमूने लिए। इनकी मौके पर खाद्य सुरक्षा जांच वाहन से प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें 35 नमूने फेल पाए गए। दो अन्य नमूने विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रारंभिक जांच में खोये में दूध पाउडर, वनस्पति और बाइंडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले पदार्थ मिले हैं। मोरी गेट खोया मंडी में विभाग का यह चौथा अभियान था। इससे पहले चार सितंबर



को 2830 किलो, आठ सितंबर को 610 किलो और 23 अक्टूबर को 520 किलो खोया नष्ट कराया गया था। मंगलवार की कार्रवाई के बाद अब तक कुल 10660 किलो खोया नष्ट किया जा चुका है।

खोये के साथ देसी घी की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में घी के 59 नमूनों में 19 मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाए गए, जबकि चार नमूने निर्धारित गुणवत्ता मानकों से कम मिले। इसके अलावा 29 अक्टूबर को भोगल, नजफगढ़ और शिव विहार में छापेमारी के दौरान 948.9 लीटर घी जब्त किया गया। इस कार्रवाई में 15 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दो महीने में 30 अभियान चलाकर 290 खाद्य नमूनों की जांच की। इनमें 85 नमूने असुरक्षित या निर्धारित गुणवत्ता मानकों से कम पाए गए। इस दौरान 4000 किलो से अधिक खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। यह आंकड़ा बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है।

दिल्ली में प्रदूषण पर भाजपा-आप आमने-सामने, पराली से लेकर एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन तक छिड़ी जुबानी जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण के लगातार बिगड़ते हालात को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। एक तरफ जहां भाजपा ने पंजाब सरकार पर पराली जलाने के आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी तरफ आप ने दिल्ली सरकार पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मॉनिटरिंग स्टेशनों के पास पानी छिड़ककर आंकड़ों में हेरफेर करने का दावा किया है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब की आप सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने के लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन पंजाब में पराली जलने की घटनाएं इन कोशिशों पर पानी फेर रही हैं। उन्होंने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियों का आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली आप प्रवक्ता रीना गुप्ता को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

सिरसा के अनुसार, पंजाब पुलिस और सरकारी आंकड़ों में भारी अंतर है। सैटेलाइट आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पंजाब में पराली जलाने की 933 घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि 1 नवंबर को अकेले पंजाब में 175 मामले सामने आए। इसके अलावा, केंद्र सरकार द्वारा



फसल अवशेष प्रबंधन के लिए दिए गए करोड़ों रुपये के फंड का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी पंजाब सरकार जमा नहीं करा पाई है।

पंजाब में पराली जलाने के मामलों में 95 प्रतिशत तक की कमी: आप: दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए पंजाब के किसानों को बदनाम करने का आरोप लगाया है। आप का दावा है कि भगवंत मान सरकार ने किसानों के सहयोग से पराली जलाने की घटनाओं में 90 से 95 प्रतिशत तक की कमी की है। पिछले साल जहां करीब पांच हजार मामले दर्ज हुए थे, वहीं इस साल यह संख्या घटकर लगभग एक हजार रह गई है।

आप ने लगाया मध्य प्रदेश पर आरोप: आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि देश की कुल पराली जलाने की 52 प्रतिशत घटनाएं मध्य प्रदेश में हो रही हैं और उत्तर प्रदेश में भी मामले बढ़ रहे हैं। आप नेताओं ने मांग की कि भाजपा अपनी नाकामियों को छिपाने के बजाय दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए।

मॉनिटरिंग स्टेशन के पास पानी छिड़ककर रीडिंग घटाने का आरोप: आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार पर वायु प्रदूषण के आंकड़ों में हेरफेर करने का भी गंभीर आरोप लगाया है। आप ने एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि जहांगीरपुरी स्थित आईआईटी के एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन के ठीक आसपास पानी का छिड़काव किया जा रहा है ताकि प्रदूषण की रीडिंग कम दर्ज हो सके।

पार्टी का कहना है कि मॉनिटरिंग स्टेशन के पास पानी डालने से धूल के कण नीचे बैठ जाते हैं, जिससे वास्तविक वायु गुणवत्ता का सही आकलन प्रभावित होता है। सौरभ भारद्वाज ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

दिल्ली में कैसे सुधरे एक्यूआई प्रदूषण रोकने के लिए 1200 कर्मी तैनात, फिर भी सड़कों पर धूल और खुलेआम निर्माण चालू: राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की निगरानी के लिए दिल्ली सरकार से लेकर नगर निगम और अन्य एजेंसियों ने टीमें तो गठित कर दी हैं, लेकिन जमीन पर ये टीमें नदारद दिख रही हैं। यही वजह है कि वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर धूल न उड़ने देने, मलबा खुले में न डालने और निर्माण कार्य न होने देने जैसे प्रतिबंधों का जमीनी स्तर पर कोई खास असर नहीं दिख रहा है। ऐसे में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कैसे सुधरेगा कामचलाऊ या यूं कहें कि दिखावटी नियमों के पालन के लिए किसी ने हरी चादर डाल दी है तो कहीं बिना हरी चादर के ही न केवल निर्माण किया जा रहा है, बल्कि लोग पुराने मकान भी तोड़ रहे हैं। न तो दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग का और न ही एमसीडी और पुलिस का लोगों में कोई 'खौफ' है। एमसीडी के अनुसार, उसने 12 जोन में करीब 700 और दिल्ली सरकार की ओर से 500 कर्मचारियों की तैनाती का दावा किया गया है। इसके अलावा दिन और रात में संयुक्त प्रवर्तन टीमें भी गश्त करने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद राजधानी के कई इलाकों में प्रतिबंधों का उल्लंघन जारी है। निर्माण कार्य हो रहे हैं, खुले में कूड़ा जलाया जा रहा है और सड़कों पर धूल उड़ रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि इतनी बड़ी निगरानी व्यवस्था के बावजूद प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रभावी अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। दूसरी ओर, बाहरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर धूल, गड्ढे और अधूरे निर्माण कार्य दिखाई दे रहे हैं।

हवा में कलाबाजी करते हुए नहीं, अब वर्चुअल कॉकपिट में होगी पायलटों की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विमानन क्षेत्र में तेजी से बढ़ते विमानों के बेड़े और हवाई यात्रियों की संख्या के बीच अब पायलटों के प्रशिक्षण का तरीका भी बदलने जा रहा है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी में शुमार इंडिगो ने पायलटों को असामान्य और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास कराने के लिए डिजिटल तकनीक अपनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

एयरलाइन ने एयरबस के डिजिटल प्लेटफॉर्म स्काइवाइज के साथ ए320 वर्चुअल प्रोसीजर ट्रेनर (वीपीटी) को लेकर समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक, इसके साथ ही इंडिगो दुनिया की पहली एयरलाइन बन गई है, जिसने वीपीटी के असामान्य और आपातकालीन प्रक्रियाओं वाले पैकेज को अपनाया है। दरअसल, भारतीय विमानन बाजार में प्रतिस्पर्धा अब केवल विमानों की संख्या, टिकटों की कीमत और नए उड़ान मार्गों तक सीमित नहीं रह



गई है। परिचालन क्षमता, पायलटों की उपलब्धता और सुरक्षा प्रशिक्षण भी एयरलाइनों की रणनीति का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं। भारतीय एयरलाइनों ने सैकड़ों नए विमानों के ऑर्डर दिए हैं। इनके बेड़े में शामिल होने के साथ बड़ी संख्या में प्रशिक्षित पायलटों की जरूरत होगी। ऐसे में प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करना बड़ी चुनौती है। वीपीटी इसी चुनौती से निपटने में मददगार हो सकता है। इसके माध्यम से पायलट वर्चुअल काकपिट में विमान के विभिन्न कंट्रोल, स्विच और प्रक्रियाओं का अभ्यास कर सकेंगे। खासतौर पर तकनीकी खराबी या आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं को बार-बार दोहराने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली के व्यापारियों की चेतावनी, प्रदर्शनों से भारी नुकसान, भैया दूज तक नहीं रुके तो सौंप देंगे दुकानों की चाबी

नई दिल्ली, एजेंसी। जुलाई से लेकर अक्टूबर तक लगातार हो रहे धरना-प्रदर्शनों और रैलियों के कारण व्यापार में हो रहे नुकसान से नाराज दिल्ली के व्यापारियों ने खुलकर विरोध जताने का मन बना लिया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) ने चेतावनी दी है कि यदि 11 नवंबर भैया दूज तक रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक नहीं लगाई गई, तो व्यापारी अपनी दुकानों की चाबियां प्रदर्शन आयोजकों को सौंप देंगे। साथ ही रैलियों के लिए बुराड़ी, अलीपुर या यमुना खादर जैसे वैकल्पिक स्थलों का उपयोग करने का आग्रह किया है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मांग की है कि त्योहारों के इस मौसम में कनॉट प्लेस, जंतर-मंतर, रामलीला मैदान, इंडिया गेट, राजघाट और मध्य व पुरानी दिल्ली में किसी भी रैली या विरोध मार्च की अनुमति



न दी जाए। सीटीआई का दावा है कि बीते एक महीने (एक अक्टूबर से एक नवंबर) के दौरान धरनों और रैलियों के चलते दिल्ली के व्यापार को 14 हजार करोड़ रुपये का भारी-भरकम नुकसान झेलना पड़ा है। एक से 30 अक्टूबर के बीच जंतर-मंतर और सीपी के आसपास रोजाना के जाम से तीन हजार करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी स्कूलों में पढ़ाई और सुविधाओं की होगी गहन निगरानी

फरीदाबाद, एजेंसी। बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन और सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर अतिरिक्त जिला उपायुक्त अंजली श्रोत्रिया ने जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में सुधार, शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने और स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। मिले निर्देश एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी से प्रभावी रणनीति तैयार की जाए। विद्यार्थियों की विषयवार कमजोरियों की पहचान कर उनके समाधान के लिए अतिरिक्त कक्षाएं और नियमित अभ्यास कराया जाए। स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पढ़ाई की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम के लिए स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा।

सबके खिलाफ अकेला एक इंसान

मुंबई, एजेंसी। तेजी से बदलते शहर में कुछ चीजों को छोड़ना दूसरों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल होता है। मनोज बाजपेयी, बोमन ईरानी और दिव्या दत्ता अभिनीत लास्ट मैन इन टावर की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जो अपने प्यारे घर को बचाने के लिए पूरी हाउसिंग सोसायटी के खिलाफ खड़ा हो जाता है। यह एक सेवानिवृत्त शिक्षक की दिलचस्प कहानी है, जो पुनर्विकास के लिए आकर्षक प्रस्ताव मिलने के बावजूद मुंबई स्थित अपना अपार्टमेंट खाली करने से इनकार कर देता है। यह फिल्म 6 नवंबर 2026 को हिंदी ज़ी 5 पर रिलीज़ होगी। राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया द्वारा निर्मित और बेन रेखी के निर्देशन में बनी यह फिल्म अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। मुंबई के बदलते शहरी परिवेश की पृष्ठभूमि पर आधारित यह दिलचस्प ड्रामा, लोगों को उनके घरों से जोड़ने वाले भावनात्मक बंधनों, मानवीय रिश्तों की जटिलताओं और उस स्थिति में सामने आने वाले कठिन विकल्पों की पड़ताल करता है, जब अतीत का सामना बदलाव की संभावनाओं से होता है। मुंबई की एक पुरानी होती जा रही आवासीय सोसायटी की पृष्ठभूमि पर बनी लास्ट मैन इन टावर की कहानी योगेश मिश्रा (मनोज बाजपेयी) के इर्द-गिर्द घूमती है। योगेश भौतिकी के सेवानिवृत्त शिक्षक हैं और सोसायटी के उन सभी निवासियों में अकेले हैं, जो पुनर्विकास के उस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं, जिसे उनके पड़ोसी स्वीकार कर चुके हैं। इस प्रस्ताव से कई लोगों को बेहतर भविष्य की उम्मीद है, लेकिन योगेश अपने प्यारे घर और आपस में गहराई से जुड़े सोसायटी के लोगों के साथ को बचाए रखना चाहते हैं। हालांकि, उनका यह फैसला जल्द ही उन्हें उन लोगों के बीच पराया बना देता है, जिन्हें वे कभी अपना दोस्त मानते थे। पड़ोसियों को लगता है कि उनका विरोध उनकी आकांक्षाओं के आड़े आ रहा है।

'पारिवारिक मनोरंजन' का प्रीमियर 13 नवंबर को

भोपाल, एजेंसी। इस दिवाली अपने घरों में प्यार, हंसी और परिवार के साथ बिताए खास पलों का रंग भरने के लिए तैयार हो जाइए! सोनी लिव की ओरिजिनल फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन', जिसमें पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी पहली बार एक साथ नज़र आएंगे, का डिजिटल प्रीमियर 13 नवंबर 2026 को होने जा रहा है।एक शुद्ध पारिवारिक मनोरंजन के रूप में पेश की गई यह फिल्म रोमांस, हास्य और भरपूर मनोरंजन का खूबसूरत मेल है, जो अपनों के साथ बैठकर फिल्म देखने के अनुभव को और खास बनाएगी। पंकज त्रिपाठी ने कहा, "मुझे इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी सादगी, इसके सहज किरदार और हास्य के वे छोटे-छोटे पल लगे, जो पारिवारिक कहानियों को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्माहट, थोड़ा-सा रोमांस और ऐसा मज़ेदार अंदाज़ है, जो इसे त्योहारों के मौके पर देखने के लिए एक बेहतरीन फिल्म बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी अपने परिवार और अपनों के साथ इस मनोरंजक सफर का आनंद लेंगे।" अदिति राव हैदरी ने कहा, "यह फिल्म रोमांस, हास्य और पारिवारिक ड्रामा को एक खूबसूरत कहानी में पिरोती है, जिसे आप अपने अपनों के साथ देखना चाहेंगे। अपने किरदार को निभाते हुए मुझे बहुत मज़ा आया, खासकर उसकी छोटी-छोटी खूबियों और दूसरों के साथ उसके रिश्तों को समझने में। पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करना भी बेहद खास अनुभव रहा।

ड्रग्स से निपटने के लिए 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान' शुरू करेगी सुक्खू सरकार, विजेताओं पर होगी पैसों की बारिश!

शिमला, एजेंसी। चिट्टा मुक्त हिमाचल बनाने के लिए प्रदेश की सुक्खू सरकार विभिन्न जिलों में लगातार अभियान चला रही है. इसी कड़ी में ड्रग्स के गलत इस्तेमाल से लड़ने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार पूरे राज्य में एक स्पोर्ट्स टूर्नामेंट, 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान 2026' आयोजित करने की तैयारी में है. यूथ सर्विसेज़ एंड स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि इस पहल का मकसद फिटनेस, अनुशासन, टीम वर्क और हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देना है, साथ ही युवा खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म देना है.

नशे के खिलाफ स्पोर्ट्स एक्टिविटी

प्रवक्ता ने कहा कि, यह पहल मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के हिमाचल प्रदेश को ड्रग-फ्री राज्य बनाने के विज़न को पूरा करने की दिशा में भी एक ज़रूरी कदम है. प्रवक्ता ने कहा, 'इस कैंपेन का मकसद युवाओं को अच्छी स्पोर्ट्स एक्टिविटीज़ में शामिल करना और उन्हें स्पोर्ट्स को अपनी ज़िंदगी का ज़रूरी हिस्सा बनाकर ड्रग्स से दूर रहने के लिए बढ़ावा देना है. '



खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान

चैंपियनशिप में 15-30 साल के पुरुषों और महिलाओं के लिए क्रिकेट, वॉलीबॉल और कबड्डी मैच होंगे और इसमें राज्य के सभी 12 ज़िले शामिल होंगे. यह कॉम्पिटिशन तीन लेवल पर होगा. सब-डिवीज़न, ज़िला और स्टेट लेवल पर प्रतियोगिता का आयोजन होगा. प्रवक्ता ने कहा कि, स्पोर्ट्स में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और पार्टिसिपेंट्स को मोटिवेट करने के लिए, आकर्षक कैश प्राइज़ की घोषणा की गई है.

विजेताओं पर होगी पैसे की बारिश!

तीसरे स्थान पर रहने वालों को क्रम से 51,000 रुपये, 41,000 रुपये और 31,000 रुपये के कैश प्राइज़ मिलेंगे. डिस्ट्रिक्ट लेवल पर, पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए इनाम क्रमशः 2 लाख रुपये, 1.50 लाख रुपये और 1 लाख रुपये होंगे. वहीं, स्टेट लेवल पर, जीतने वाली टीमों को पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए क्रमशः 31 लाख रुपये, 15 लाख रुपये और 10 लाख रुपये मिलेंगे.

साप्ताहिक बाजारों में प्रतिबंधित पॉलीथीन का बेरोकटोक इस्तेमाल, निगम पर उठा सवाल

साहिबाबाद, एजेंसी। प्रतिबंधित पॉलीथीन का इस्तेमाल साप्ताहिक बाजारों में धड़ल्ले से किया जा रहा है। वसुंधरा सेक्टर-15 में हर सोमवार को लगने वाले बाजार में इसको देखा जा सकता है। निवासियों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए इसकी शिकायत की है। निवासियों का कहना है कि बाजार लगने के दूसरे दिन यानि मंगलवार को सड़कों पर जगह-जगह पॉलीथीन बिखरी रहती है। निगम के वाहन इन्हें भरकर ले भी जाते हैं लेकिन बाजार में इसकी जांच नहीं की जाती। शिखर एन्क्लेव निवासी संदीप गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने एक जुलाई 2022 से चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लागू किया था। निर्धारित मानकों से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग पर भी रोक है।



राजस्थान को रोशन करेगा हिमाचल, 1300 मेगावाट बिजली बेचेगा बोर्ड

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश को बिजली बिक्री से इस बार बेहतर कमाई होने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार ने राजस्थान के साथ बिजली आपूर्ति का करार किया है। इसके तहत राजस्थान फरवरी 2027 तक हिमाचल से 1300 मेगावाट तक बिजली खरीदेगा। इसके लिए 15.50 रुपये प्रति यूनिट की दर तय की गई है। बेहतर दर पर बिजली बेचने से प्रदेश की आय में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश बिजली बेचकर सालाना करीब एक से डेढ़ हजार करोड़ रुपये तक की आय अर्जित करता रहा है। इस बार यह आंकड़ा बढ़कर करीब 3000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। यानी पिछले साल के मुकाबले बिजली बिक्री से होने वाली कमाई लगभग दोगुनी हो सकती है। राजस्थान के साथ हुए इस करार से प्रदेश को लंबे समय तक बिजली बेचने का अवसर मिला है। वहीं, ऊर्जा विभाग अन्य राज्यों के साथ भी बिजली खरीद-बिक्री के करार कर राजस्व बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। इससे प्रदेश को उपलब्ध अतिरिक्त बिजली का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। सर्दियों के दौरान हिमाचल में भी बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है। ऐसे में



राजस्थान को बिजली आपूर्ति और प्रदेश की घरेलू जरूरतों के बीच संतुलन बनाना बिजली बोर्ड के लिए चुनौती रहेगा। मांग बढ़ने पर राज्य बिजली बोर्ड को दो-तीन अन्य राज्यों से बिजली खरीदनी पड़ सकती है या प्रदेश सरकार से उपलब्ध बिजली खरीदकर आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखनी होगी। इससे पहले राज्य सरकार अपने हिस्से की बिजली बोर्ड को देता था। अब इस बार सर्दियों में बोर्ड को बिजली की आपूर्ति के लिए इसे बाहर से खरीदनी होगी। राज्य में गर्मी व बरसात में बिजली उत्पादन ज्यादा होता है, सर्दियों में बिजली का उत्पादन कम होता है, इसे पूरा करने के लिए पहले बैंकिंग की बिजली मिलती थी, अब बोर्ड को पूरी तरह से खरीद पर ही निर्भर रहना पड़ेगा।

तमिलनाडु नाश्ता योजना का विस्तार: 34 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए आपूर्ति हेतु टेंडर जारी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी पेरुनथलाइवर कामराजर नाश्ता योजना के लिए खाद्य सामग्री की खरीद हेतु देशव्यापी ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम वर्तमान में राज्य भर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 34 लाख से अधिक बच्चों को पौष्टिक सुबह का भोजन प्रदान करता है।

राज्य के उपभोक्ता सहकारी नेटवर्क के माध्यम से होने वाली यह खरीद, 1 जनवरी, 2027 से शुरू होने वाली तीन महीने की अवधि के लिए आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। टेंडर में एक किलोग्राम पैक में 1,300 मीट्रिक टन डबल-भुना हुआ रवा और 1,200 मीट्रिक टन सांभर रवा, साथ ही 200 ग्राम पैक में 1,300 मीट्रिक टन सेवइयां (वर्मीसेली) की मांग की गई है। भारत भर के आपूर्तिकर्ता बोली लगा सकते हैं, दस्तावेज़ 2 नवंबर से उपलब्ध हैं और अंतिम तिथि 2 दिसंबर है।

यह योजना, जिसे मुख्यमंत्री एम.के.



स्टालिन ने 15 सितंबर, 2022 को शुरू किया था, शुरू में आर्थिक रूप से वंचित परिवारों के प्राथमिक स्कूली बच्चों को लक्षित करती थी। तब से इसका महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है, पहले सभी सरकारी प्राथमिक स्कूलों में और फिर सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों में। सितंबर में, मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने इसे कक्षा 6 से 8 के छात्रों तक और बढ़ा दिया, जिससे 44,984 स्कूलों में लगभग 34.64 लाख बच्चे इसके दायरे में आ गए। इस विस्तार के लिए अतिरिक्त 217.63 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी, जिससे कुल आवंटन 724 करोड़ रुपये हो गया।

कक्षाओं से पहले पोंगल, उपमा और खिचड़ी जैसे ताजे तैयार भोजन की पेशकश करते हुए, इस योजना का उद्देश्य कक्षा में भूख से लड़ना, पोषण में सुधार करना, स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना और एकाग्रता में वृद्धि करना है। राज्य योजना आयोग के एक मूल्यांकन में 1,543 सर्वेक्षण किए गए स्कूलों में से 1,319 में उपस्थिति में सुधार देखा गया, जो छात्रों के जीवन पर इसके सकारात्मक प्रभाव को उजागर करता है।

जेवर एयरपोर्ट पर क्यों घट रहे यात्री, जुलाई में 76000 ने किया सफर

जेवर (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में शुरुआती बढ़ोतरी के बाद लगातार दो महीने गिरावट दर्ज की गई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के मासिक यातायात आंकड़ों के अनुसार जुलाई में एयरपोर्ट से 76,593 यात्रियों ने सफर किया था। अगस्त में यह संख्या घटकर 58,520 और सितंबर में 55,890 रह गई। जुलाई की तुलना में सितंबर में 20,703 यात्री कम हुए हैं। दो महीने में यात्रियों की संख्या में करीब 27 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एयरपोर्ट पर 15 जून 2026 से व्यावसायिक उड़ानों का संचालन शुरू हुआ था। जून के शेष दिनों में 20,522 यात्रियों ने हवाई सफर किया। जुलाई में यात्रियों की संख्या बढ़कर 76,593 पहुंच गई। इसके बाद अगस्त में 18,073 यात्रियों की कमी आई। सितंबर में भी 2,630 यात्री कम हुए। इस तरह अगस्त और सितंबर में लगातार गिरावट दर्ज की गई। जून से सितंबर तक एयरपोर्ट से कुल 2,11,525 यात्रियों ने हवाई सफर किया।

राजस्थान: हाईकोर्ट का फर्जी जमानत आदेश दिखाकर जेल से छूटा आरोपी फरार, दो संदिग्ध आदेशों की जांच शुरू

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर एक आरोपी को नियमित जमानत देने से जुड़े दो संदिग्ध न्यायिक आदेश सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। दोनों आदेशों के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारियों में अंतर मिलने से उनकी प्रामाणिकता पर सवाल खड़े हुए हैं। हाईकोर्ट प्रशासन ने न्यायिक शाखा से रिपोर्ट मांगी है कि ये आदेश वेबसाइट पर कैसे अपलोड हुए।

मामला पंजाब निवासी 53 वर्षीय कलविंदर सिंह पानेसर से जुड़ा है। उसे श्रीगंगानगर जिले में 8.061 किलो अफीम की कथित बरामदगी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। राजियासर थाने में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/18, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज है।

इस प्रकरण में 15 अक्टूबर और 26 अक्टूबर 2026 की तारीख वाले दो आदेश सामने आए हैं। 26 अक्टूबर के कथित आदेश में जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा का नाम है। इसमें पानेसर की नियमित जमानत अर्जी मंजूर करने और उसकी अंतरिम जमानत को नियमित जमानत में बदलने की बात कही गई है। वहीं, 15 अक्टूबर के दूसरे कथित आदेश में नियमित जमानत अर्जी को वकील की ओर से पैरवी नहीं किए जाने के आधार पर निस्तारित बताया गया है।

वकील बोले- अंतरिम जमानत के बाद फरार है आरोपी: पानेसर की ओर से 6 मई को अंतरिम जमानत की पैरवी करने वाले अधिवक्ता कैलाश खिलेरिया ने बताया कि उन्होंने बाद में नियमित जमानत की अर्जी भी लगाई थी, ताकि 30 दिन की अंतरिम जमानत अवधि पूरी होने के बाद उस पर सुनवाई हो सके। लेकिन अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने के बाद पानेसर ने सरेंडर नहीं किया। ऐसे में उन्होंने नियमित जमानत



की अर्जी पर पैरवी नहीं करने का फैसला किया। खिलेरिया के अनुसार, अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद से पानेसर फरार है। उन्होंने बताया कि इस बात से उसका बेटा मनप्रीत सिंह नाराज था, जो कनाडा से आया था। बाद में उसने एनओसी लेकर केस की फाइल उनसे ले ली। खिलेरिया ने बताया कि इसके बाद उन्हें मामले में हुई किसी आगे की कार्रवाई की जानकारी नहीं थी। एक दिन पहले सूरतगढ़ के एक वकील ने उन्हें बताया कि हाईकोर्ट से पानेसर को नियमित जमानत मिल गई है। कथित आदेश की जानकारी मिलने पर उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने मंगलवार को जस्टिस शर्मा की एकलपीठ के स्टाफ से इसकी पुष्टि करने के लिए संपर्क किया।

रजिस्ट्रेशन नंबर से सामने आया फर्जीवाड़ा: अधिवक्ता खिलेरिया के मुताबिक, मंगलवार को जस्टिस शर्मा खंडपीठ में बैठ रहे थे और उस दिन उनकी एकलपीठ की ऐसी कोई कॉज लिस्ट उपलब्ध नहीं थी, जिसमें यह मामला दर्ज हो। इसके बावजूद कथित जमानत आदेश मंगलवार शाम तक हाईकोर्ट की वेबसाइट पर देखने और डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध था। मामले में रजिस्ट्रेशन नंबरों का अंतर भी संदेह बढ़ाने वाला है। हाईकोर्ट के एक कर्मचारी के अनुसार, मंगलवार शाम तक वर्ष 2026 में आपराधिक जमानत अर्जियों के रजिस्ट्रेशन नंबर 15,047 तक पहुंचे थे। जबकि 26 अक्टूबर के कथित जमानत आदेश पर 15,786 नंबर दर्ज है।

वहीं, 15 अक्टूबर के कथित आदेश पर 18,756 रजिस्ट्रेशन नंबर लिखा है। इसमें कहा गया है कि अधिवक्ता ने उस समय नियमित जमानत अर्जी पर पैरवी नहीं करने का फैसला किया, इसलिए उसे 'नॉट प्रेस्ड' आधार पर निस्तारित किया गया। यह नंबर भी वर्ष के दौरान आपराधिक जमानत अर्जियों के लिए पहुंचे नंबर से काफी अधिक बताया जा रहा है। अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने भी 26 अक्टूबर के कथित आदेश की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि आदेश में सरकारी पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले सरकारी अधिवक्ता के रूप में ए. शर्मा का नाम दर्ज है, जबकि वर्तमान में इस नाम का कोई व्यक्ति हाईकोर्ट में सरकारी अधिवक्ता के पद पर कार्यरत नहीं है। पुष्टि की है कि न्यायिक शाखा से रिपोर्ट मांगी गई है। इसमें यह पता लगाया जाएगा कि दोनों कथित आदेश आधिकारिक वेबसाइट पर कैसे अपलोड हुए।

लोक आस्था का महापर्व नहाय-खाय से गूंजेंगे छठ के गीत, सीएम योगी और मालिनी अवस्थी करेंगे शिरकत

लखनऊ, एजेंसी। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है चार दिवसी इस महापर्व की शुरुआत नहाए खाए से



होगी 13 नवंबर से नहाय खाय से होने वाले अनुष्ठान का मुख्य आयोजन 15 और 16 नवंबर को लक्ष्मण मेला स्थल के छठ घाट पर होगा। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज की ओर से होने वाले इस मुख्य आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस दौरान व्रती महिलाएं भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगी।आयोजन में लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी समेत 100 से अधिक लोक कलाकार छठ मैया का गुणगान करेंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने बताया कि लक्ष्मण मेला घाट की साफ-सफाईऔर श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया गया। 14 नवंबर तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी, जिससे व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। 15 नवंबर को शाम चार बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। आयोजन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह,महापौर सुषमा खर्कवाल और भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी शामिल होंगे।

अतिक्रमण और अवैध रेहड़ी-फड़ी वालों की व्हाट्सएप पर भेजें फोटो, निगम की टीम तुरंत करेगी कार्रवाई

चंडीगढ़, एजेंसी। शहर में सड़कों, फुटपाथों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रेहड़ी-फड़ी और अतिक्रमण की समस्या को लेकर अब शहरवासी सीधे नगर निगम तक शिकायत पहुंचा सकेंगे। नगर निगम ने इसके लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9915762917 जारी किया है। शहरवासी अवैध वेंडिंग और सार्वजनिक स्थानों पर हुए अतिक्रमण की स्पष्ट तस्वीरें इस नंबर पर भेजकर निगम को इसकी जानकारी दे सकते हैं। नगर निगम ने शिकायत के साथ संबंधित स्थान की सटीक जानकारी देना भी जरूरी किया है।

इसके लिए सेक्टर, सड़क का नाम या नजदीकी लैंडमार्क बताना होगा। निगम के अनुसार, तस्वीरों और लोकेशन की जानकारी से संबंधित स्थान की पहचान करने, समस्या का सत्यापन करने और संबंधित एंफोर्समेंट टीम को



समय पर कार्रवाई के लिए भेजने में मदद मिलेगी।

नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने शहरवासियों से इस व्हाट्सएप सुविधा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

लोगों के सहयोग से सड़कों, फुटपाथों और बाजारों में अनधिकृत कब्जों की पहचान कर प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है। खास बात यह है कि इस व्हाट्सएप सुविधा का इस्तेमाल केवल अवैध वेंडिंग और अतिक्रमण की शिकायतों तक सीमित नहीं रहेगा।

दीपावली से पहले ही देहरादून और ऋषिकेश की हवा खराब, खतरनाक लेवल पर एक्यूआई

देहरादून, एजेंसी। दीपावली से पहले ही देहरादून और ऋषिकेश की हवा खराब होने लगी है। वायु गुणवत्ता की थर्ड पार्टी निगरानी के तहत तीसरे दिन जारी किए गए आंकड़ों में यह स्थिति सामने आई है। एक नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, देहरादून और ऋषिकेश का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खराब श्रेणी में 100 पार है। हालांकि, टिहरी का एक्यूआई जरूर सुरक्षित श्रेणी दर्शा रहा है।



खास बात यह है कि दीपावली से पहले ही वायु गुणवत्ता का स्तर बिगड़ने लगा है। ऐसे में त्योहार पर पटाखों से निकलने वाला धुआं स्थिति को और गंभीर बना सकता है। विशेषकर पीएम-10 और पीएम-2.5 जैसे सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ने से सांस संबंधी परेशानी और दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि लोग अधिक समझदारी दिखाएं। दीपावली के मद्देनजर उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक नवंबर से विशेष निगरानी अभियान शुरू किया था। इसके तहत देहरादून में घंटाघर और नेहरू कॉलोनी के साथ ऋषिकेश और टिहरी में 24 घंटे वायु गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

अनोखी नौकरी का गजब ऑफर, सिर्फ घूमने-फिरने के मिलेंगे 95 लाख

वाशिंगटन, एजेंसी। निया घूमने के लिए लोग अपनी जमा-पूंजी खर्च करते हैं, लेकिन कल्पना कीजिए कि कोई कंपनी आपको छह महीने तक घूमने के पैसे दे! वर्जिन ग्रुप ने हेड ऑफ यस नाम से ऐसी ही एक विशेष भूमिका निकाली थी। इसमें चुने गए व्यक्ति को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जाकर नए अनुभव लेने थे और उन अनुभवों को वीडियो, तस्वीरों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लोगों तक पहुंचाना था। यह भूमिका वर्जिन के यात्रा और आतिथ्य से जुड़े अनुभवों को लोगों के सामने पेश करने के लिए तैयार की गई थी। चयनित व्यक्ति को कंपनी के होटल, क्रूज और अन्य यात्रा सुविधाओं का अनुभव करना था। इसके बाद उन अनुभवों को रोचक कहानियों के रूप में साझा करना था। यह छह महीने का कार्यक्रम जनवरी 2027 से शुरू होना निर्धारित था।

इस अनोखी भूमिका के लिए भुगतान भी आकर्षण का बड़ा हिस्सा था। अमेरिका में रहने वाले चयनित उम्मीदवार को छह महीने के लिए 1 लाख डॉलर यानी करीब 95 लाख रुपये दिए जाने थे। वहीं, ब्रिटेन के उम्मीदवार



के लिए 75 हजार पाउंड यानी लगभग 91 लाख रुपये का भुगतान तय था। यह रकम छह महीने की साझेदारी के लिए थी, न कि सालाना वेतन। यात्रा से जुड़े खर्च भी कंपनी की ओर से वहन किए जाने थे। यानी चयनित व्यक्ति को घूमने के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए भुगतान मिलता।

कहानी सुनाने का हुनर जरूरी: आमतौर पर कंटेंट क्रिएटर से जुड़ी नौकरियों में सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या और पुराने काम को काफी महत्व दिया जाता है। लेकिन वर्जिन ग्रुप ने इस भूमिका के लिए अलग सोच रखी थी। कंपनी ने साफ किया था कि उम्मीदवार का पेशेवर कंटेंट क्रिएटर होना या सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स होना जरूरी नहीं है। कंपनी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थी, जिसके भीतर रचनात्मकता हो, नए अनुभव लेने का उत्साह हो और अपनी कहानी दिलचस्प अंदाज में सुनाने की क्षमता हो। उम्मीदवार को अपने जीवन का ऐसा अनुभव साझा करना था, जब उसने किसी नए अवसर, चुनौती या रोमांचक काम के लिए हां कहा हो और उस फैसले ने उसकी जिंदगी में कोई बदलाव लाया हो।

रिचर्ड ब्रैनसन ने भी साझा किया था नौकरी का ऑफर

वर्जिन ग्रुप के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन ने भी सोशल मीडिया पर इस अवसर की जानकारी साझा की थी। यह कोई लॉटरी या इनाम जीतने का मौका नहीं था, बल्कि चयन प्रक्रिया के जरिए मिलने वाली छह महीने की भुगतान वाली साझेदारी थी। इसमें चुने गए व्यक्ति को वर्जिन के विभिन्न यात्रा अनुभवों को करीब से जानना और उन्हें अपने अंदाज में दुनिया के सामने पेश करना था।

इस नौकरी के लिए आवेदन का तरीका भी सामान्य भर्तियों से अलग था। उम्मीदवारों को पारंपरिक बायोडाटा भेजने के बजाय एक छोटा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करना था। आवेदन के लिए ये शर्तें रखी गई थीं- अपने जीवन का कोई रोमांचक या यादगार अनुभव चुनना था। उस अनुभव पर एक छोटा वीडियो तैयार करना था। वीडियो को इंस्टाग्राम, यूट्यूब या टिकटॉक पर साझा करना था। सोशल मीडिया प्रोफाइल सार्वजनिक रखनी थी, ताकि कंपनी की टीम वीडियो देख सके। कंपनी ऐसे वीडियो देखना चाहती थी, जिनसे उम्मीदवार का व्यक्तित्व, रचनात्मकता और कहानी सुनाने का अंदाज सामने आए। इस नौकरी के लिए उम्र और निवास से जुड़ी शर्तें भी थीं। उम्मीदवार की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए थी। आवेदन का अवसर अमेरिका और ब्रिटेन के पात्र निवासियों के लिए था। वर्जिन ग्रुप के कर्मचारी इस चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकते थे। इसका मतलब है कि भारत में रहने वाले लोग इस भर्ती के लिए सीधे आवेदन नहीं कर सकते थे।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने बढ़ाई सैन्य ताकत; स्वदेशी मिसाइल फाज का सफल परीक्षण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने स्वदेशी रूप से विकसित तथा हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल फाज का सफल उड़ान परीक्षण किया। यह जानकारी पाकिस्तानी सेना ने दी। पाकिस्तानी सेना की ओर से मंगलवार देर रात जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को किया गया। उसने कहा कि इससे पाकिस्तान वायुसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बयान में कहा गया है, ऋअत्याधुनिक टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम से लैस यह मिसाइल लंबी दूरी पर दुश्मन के हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने इस उपलब्धि पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी।

भारत के नए राजदूत सुधाकर दलेला ने संभाला कार्यभार, नवीन श्रीवास्तव की ली जगह

काठमांडु , एजेंसी। नेपाल में भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला ने मंगलवार को काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास में अपना कार्यभार संभाल लिया। भारतीय दूतावास के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, दलेला कार्यभार संभालने के लिए मंगलवार को काठमांडू पहुंचे। काठमांडू में भारतीय दूतावास के उप-प्रभारी राकेश पांडे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने दलेला का स्वागत किया। दलेला ने नेपाल में भारत के राजदूत के रूप में नवीन श्रीवास्तव की जगह ली है, जो पिछले महीने सेवानिवृत्त हो गए।

अमेरिकी मदद बंद होने पर नेतन्याहू घिरे, विपक्ष बोला- सुरक्षा पर बड़ा खतरा

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल के विपक्ष के नेता यायर लापिड ने बुधवार को इस्राइल को दी जाने वाली सालाना अमेरिकी सहायता को खत्म करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इसे देश के इतिहास की सबसे गंभीर राजनीतिक और सुरक्षा विफलताओं में से एक बताया और इस मामले को संभालने के तरीके को लेकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर सवाल उठाए। लापिड ने कहा, 'ट्रंप का फैसला देश के इतिहास की सबसे गंभीर राजनीतिक और सुरक्षा विफलताओं में से एक है। यह सोचना भी मुश्किल है कि नेतन्याहू ने इसके आगे घुटने टेक दिए, और उससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि वह सुरक्षा तंत्र को तैयार करने में भी नाकाम रहे।' उनकी यह टिप्पणी तब आई जब ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस साल के अंत तक इस्राइल को दी जाने वाली लगभग 4 अरब अमेरिकी डॉलर की सालाना सहायता बंद कर देगा। ट्रंप का तर्क है कि इस्राइल आर्थिक रूप से इतना मजबूत है कि वह अपने हथियार खुद खरीद सकता है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि इस्राइल तरक्की कर रहा है। उसे अब वित्तीय सहायता की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि नेतन्याहू ने खुद ही इस सहायता को खत्म करने की संभावना पर बात की थी। रक्षा तैयारियों पर पड़ेगा असर इस घोषणा ने इस्राइली विपक्षी नेताओं के बीच देश की रक्षा तैयारियों पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर चिंता पैदा कर दी है, खासकर ऐसे समय में जब देश को क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस्राइल की डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष यायर गोलान ने भी इस कदम की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी सहायता बंद होने को देश की सुरक्षा और सार्वजनिक वित्त (पब्लिक फाइनेंस) के लिए एक बड़ा झटका बताया। गोलान ने कहा, 'अमेरिकी सहायता का रुकना इस्राइल की सुरक्षा और वहां के लोगों के जीवन स्तर के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि ऐसे नाजुक समय में सुरक्षा जरूरतों के लिए फंड जुटाने का पूरा बोझ इस्राइली जनता पर आ जाएगा।' उन्होंने इस्राइल की रक्षा क्षमताओं पर पड़ रहे दबाव की ओर भी इशारा किया। इसमें लगातार चल रहे सैन्य अभियानों के बाद एयर डिफेंस सिस्टम और आक्रामक हथियारों को फिर से तैयार करने (या उनकी भरपाई करने) की जरूरत भी शामिल है। सैन्य और सुरक्षा साझेदार रहा है। 2016 में हुए 10 साल के एक समझौते के तहत, वाशिंगटन ने 2028 तक इस्राइल को हर साल लगभग 3.8 अरब अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता देने का वादा किया था।

ईरान की ट्रंप को खुलेआम जान से मारने की धमकी

तेहरान में बिलबोर्ड पर लिखा-वी विल किल ट्रंप, खून से सनी तस्वीरें भी लगाईं

तेहरान , एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में मंगलवार को अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई बड़े पोस्टर और बैनर लगाए गए। मध्य तेहरान के व्यस्त एंगेलाब चौक के पास लगे एक विशाल पोस्टर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सलाखों के पीछे दिखाया गया है। इसके साथ लिखा है, हम ट्रंप को मार डालेंगे। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर पोस्टर और बिलबोर्ड नारों के जरिए सड़कों पर दिखाई देने लगा है। तेहरान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने वाला विशाल बिलबोर्ड लगाया गया है। इसमें ट्रंप को जेल की सलाखों के पीछे दिखाते हुए लिखा गया है- हम ट्रंप को मार डालेंगे। शहर में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग भी की। पोस्टर सामने आने के बाद यह तस्वीर ईरान के अमेरिका विरोधी संदेशों और दोनों देशों के बीच जारी तनाव को लेकर चर्चा में आ गई है।

लाल झंडे लेकर सड़कों पर उतरे लोग: एंगेलाब चौक पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में लाल झंडे और बैनर थे। एक बैनर पर लिखा था, खून बहेगा। लोग ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग कर रहे थे। खामेनेई की मौत 28 फरवरी को



अमेरिका और इजराइल के हमलों में हुई थी। इसके बाद पश्चिम एशिया में युद्ध भड़क गया था। तेहरान के उत्तरी हिस्से में स्थित ताजरीश चौक पर खुले मैदान में एक प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें ट्रंप की कई विवादित तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। एक चित्र में उन्हें जमीन पर मुंह के बल गिरा हुआ दिखाया गया है। उनका चेहरा खून से सना है और उनके सिर पर किसी व्यक्ति का पैर रखा हुआ है। एक अन्य चित्र में ट्रंप के चेहरे को बम से ढका हुआ दिखाया गया है। इसके अलावा, वहां जेल की कोठरी की आदमकद प्रतिकृति भी बनाई गई है। इसमें एक कलाकार पूरे दिन ट्रंप का रूप धारण कर बंदी के रूप में बैठा रहता है। पास लगी एक बड़ी स्क्रीन पर ईरान में अमेरिकी हवाई हमलों से हुई तबाही की तस्वीरें दिखाई जाती हैं।ईरान ने आरोप लगाया है कि युद्ध के दौरान ट्रंप ने जानबूझकर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एक स्कूल और विवाह समारोह भी शामिल हैं। ईरान का दावा है कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कई दर्जन लोगों की मौत हुई। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से सरकारी पोस्टर और दीवारों पर बनाए जाने वाले चित्र सार्वजनिक स्थानों का हिस्सा रहे हैं। इनके जरिए सहयोगियों का सम्मान, सैन्य हस्तियों को श्रद्धांजलि और विरोधी देशों को राजनीतिक संदेश दिए जाते रहे हैं। खासतौर पर अमेरिका और इजराइल को निशाना बनाकर ऐसे संदेश प्रदर्शित किए जाते हैं। गौरतलब है कि एक तरफ तेहरान में अमेरिका विरोधी प्रदर्शन और धमकी भरे पोस्टर दिखाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू कराने के लिए कूटनीतिक प्रयास भी किए जा रहे हैं। इन कोशिशों का मकसद युद्ध को दोबारा भड़कने से रोकना और क्षेत्र में फैले तनाव को कम करना है। ट्रंप ने भी समझौते की संभावना से इनकार नहीं किया है। हालांकि, ईरान युद्ध के कारण अमेरिका में उनकी नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ने की बात सामने आ रही है।

मालदीव की राजनीति में भूचाल, नाबालिग के यौन शोषण मामले में पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद गिरफ्तार

मोल, एजेंसी। मालदीव के पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद को सोमवार रात पुलिस ने गिरफ्तार किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उन्हें हुलहुमाले स्थित रेनबो ओशन फ्रंट अपार्टमेंट परिसर में उनके आवास से हिरासत में लिया गया। पुलिस ने उनके घर की तलाशी भी ली। मालदीव पुलिस ने बताया कि शाहिद को रात करीब 9 बजकर 59 मिनट पर अदालत के वारंट के तहत गिरफ्तार किया गया। उन पर 18 साल से कम उम्र के एक बच्चे के यौन शोषण का संदेह है। पुलिस ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है, लेकिन आरोपों से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। गिरफ्तारी से कुछ समय पहले शाहिद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर अपने खिलाफ फैल रही बातों को बेबुनियाद बताया था। उन्होंने कहा कि उनके चरित्र को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए झूठी बातें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपुष्ट दावों को आगे न फैलाएं। शाहिद ने आरोपों को खारिज किया है और गिरफ्तारी को राजनीतिक संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने इसे अदालत के वारंट के तहत की गई कार्रवाई बताया है।

2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी में थे शाहिद: अब्दुल्ला शाहिद मालदीव की प्रमुख विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वह पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनाव में हिस्सा लेकर 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार बनने की कोशिश कर रहे थे। वह फरवरी 2024 से अगस्त 2026 तक एमडीपी के अध्यक्ष भी रहे। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद उन्होंने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए अभियान शुरू किया था। ऐसे समय में उनकी गिरफ्तारी से मालदीव की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। शाहिद मालदीव के जाने-माने राजनयिक और राजनीतिक नेता हैं। वह 2018 से 2023 तक पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की सरकार में विदेश मंत्री रहे। इसके अलावा उन्होंने 2021 से 2022 तक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष का पद संभाला था। वह मालदीव की संसद के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

पृथ्वी पर क्रैश होगा नासा का 1.5 टन वजनी अंतरिक्ष यान



न्यूयार्क , एजेंसी। पृथ्वी पर आज आसमान से आफत आने वाली है। दरअसल नासा की 1.5 टन की अंतरिक्ष वेधशाला पृथ्वी पर बुधवार को आ रही है। इस क्रम में इसके मलबे भारत के कुछ हिस्सों पर गिर सकते हैं। नासा की अंतरिक्ष वेदशाला पृथ्वी पर करीब 22 साल तक सेवा देने के बाद आ रही है। वैज्ञानिकों ने 22तक अंतरिक्ष में इसका इस्तेमाल किया जिसमें कई अहम प्रोजेक्ट्स शामिल रहे। नील गेहरेल्स स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी को 2004 में ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों, जिन्हें गामा-रे बर्स्ट कहा जाता है, का अध्ययन करने के लिए लॉन्च किया गया था। लॉन्च के समय, यह अपनी तरह की पहली मल्टीवेवलेंथ वेधशाला थी, जिसे अपने तीन टेलीस्कोपों की मदद से ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। नासा ने सोमवार को बताया कि यूएस स्पेस फोर्स का अनुमान है कि यह अंतरिक्ष यान चार नवंबर को सुबह लगभग 3-30 बजे आ सकता है। हालांकि उन्होंने इसमें 11 घंटे का अंतर का भी अनुमान जताया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने ऐसी उम्मीद जताई है कि वायुमंडल से गुजरते समय इस अंतरिक्ष यान का ज्यादातर हिस्सा जल जाए, लेकिन कुछ हिस्से बच भी सकते हैं। बचे हुए मलबे के हिस्से को समुद्र में गिराने की तैयारी है। हालांकि, भारत, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, और मध्य व दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्से भी इसके संभावित गिरने वाले क्षेत्र में आ सकते हैं। भारत में इसके हिस्से दक्षिण तरफ गिर सकते हैं। इसमें मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, भुवनेश्वर और कोच्चि जैसे शहर शामिल हैं। वहीं, इसरो ने इस बारे में कुछ नहीं बयान जारी कर नहीं कहा है। अंतरिक्ष यान दो दशकों से भी अधिक समय तक वैज्ञानिक कार्य करने में सफल रहा। नासा ने कहा, ÷इस वेधशाला ने ब्रह्मांडीय वस्तुओं और घटनाओं के बारे में हमारी समझ को काफी व्यापक बनाया है।

मौत के बाद कौन संभालेगा आपका फेसबुक- ईमेल और बैंक खाते? कहीं आपकी डिजिटल संपत्ति न बन जाए मुसीबत

न्यूयार्क , एजेंसी। किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके सोशल मीडिया, ईमेल, ऑनलाइन खरीदारी, क्रेडिट कार्ड और मनोरंजन सेवाओं से जुड़े खातों का क्या होगा? क्या परिवार उन्हें बंद कर पाएगा या उनकी डिजिटल संपत्ति तक पहुंच बना सकेगा? कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी की जेनी तांग और शियोउन (ओवेन) वू के मुताबिक, ज्यादातर लोग इन सवालों पर पहले से विचार नहीं करते। शोधकर्ताओं ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के 21 अमेरिकी वयस्कों से बातचीत कर उनकी डिजिटल संपत्ति और मृत्यु के बाद खातों के प्रबंधन से जुड़ी चिंताओं का अध्ययन किया। कई लोगों ने अपनी भौतिक संपत्ति के लिए वसीयत तो बनवाई थी, लेकिन डिजिटल खातों के लिए कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं की थी।

सिर्फ पासवर्ड लिखकर रखना काफी नहीं: अध्ययन में शामिल ज्यादातर लोग अपने पासवर्ड कागज या डिजिटल फाइल में सुरक्षित रखते थे। कुछ ने परिवार के सदस्यों के साथ पासवर्ड साझा भी किए थे। लेकिन बार-बार पासवर्ड बदलने के कारण सूची को अद्यतन रखना मुश्किल होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पासवर्ड मैनेजर का इस्तेमाल बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें सभी खातों के पासवर्ड सुरक्षित रखे जा सकते हैं। कुछ पासवर्ड मैनेजर में आपातकालीन सुविधा भी होती है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया न मिलने पर नामित व्यक्ति को पहुंच मिल सकती है।

मोबाइल बंद हुआ तो अटक सकता है खाता कई ऑनलाइन सेवाओं में दो-स्तरीय प्रमाणीकरण की व्यवस्था होती है। इसमें पासवर्ड के साथ मोबाइल या ईमेल पर भेजा गया एक अतिरिक्त कोड भी जरूरी होता है।



ऐसे में व्यक्ति की मृत्यु के बाद मोबाइल नंबर बंद हो जाए या ईमेल तक पहुंच न मिले, तो परिवार के लिए खाते खोलना मुश्किल हो सकता है। इसलिए उन मोबाइल नंबरों, ईमेल और उपकरणों की जानकारी भी सुरक्षित रखनी चाहिए, जिनसे दूसरे खातों तक पहुंच मिलती है। फेसबुक और गूगल जैसी सेवाएं कुछ ऐसी सुविधाएं देती हैं, जिनके जरिए उपयोगकर्ता अपनी मृत्यु के बाद किसी व्यक्ति को खाता संभालने या डेटा प्राप्त करने के लिए नामित कर सकते हैं।

हैकिंग और फालतू खर्च से बचाने के लिए बनाएं सूची: मृत्यु के बाद ऑनलाइन खाते अपने आप बंद नहीं होते। निष्क्रिय खातों का इस्तेमाल हैकर पहचान की चोरी, स्पैम और धोखाधड़ी के लिए कर सकते हैं। वहीं, ओटीटी सेवाओं और डिजिटल पत्रिकाओं की सदस्यता का भुगतान भी जारी रह सकता है। इसलिए सभी डिजिटल खातों की सूची बनाकर स्पष्ट निर्देश देने चाहिए कि किन खातों को बंद करना है, किनका डेटा सुरक्षित रखना है और कहां अंतिम भुगतान करना जरूरी है। पुराने और इस्तेमाल में न आने वाले खातों को समय रहते बंद करना भी बेहतर है।

डिजिटल वसीयत से परिवार की परेशानी होगी कम: विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल संपत्ति की योजना भी सामान्य वसीयत की तरह जरूरी है। पासवर्ड, खाते, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण और खातों को बंद करने से जुड़े निर्देश व्यवस्थित रखने चाहिए। इससे परिवार को अनावश्यक भागदौड़ और आर्थिक नुकसान से बचाया जा सकता है और व्यक्ति की डिजिटल संपत्ति का प्रबंधन उसकी इच्छा के अनुसार हो सकेगा।

तीन साल से कुक आइलैंड्स में फंसी महिला; कैदी जैसी जिंदगी जीने को मजबूर, कोई देश नहीं दे रहा ट्रांजिट वीजा

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका की रहने वाली 50 वर्षीय रुचिरा रणसिंघा 8 नवंबर 2023 से कुक आइलैंड्स में फंसी हुई हैं। वह अपने देश वापस लौटना चाहती हैं, लेकिन वीजा संबंधी अड़चनों ने उनकी घर वापसी रोक रखी है। रुचिरा की मुश्किलें करीब एक दशक पहले शुरू हुई थीं। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें श्रीलंका में अपनी छोटी टी-शर्ट फैक्ट्री बंद करनी पड़ी। उन पर भारी कर्ज था। उनके भाई के मुताबिक, उनके पति की करीब सात साल पहले हत्या कर दी गई थी। इन हालात से निकलने के लिए वह 2018 में श्रीलंका छोड़कर हांगकांग चली गईं, जहां उन्होंने घरेलू देखभालकर्ता के रूप में काम किया। दिसंबर 2022 में रुचिरा दो महीने के यात्रा वीजा पर न्यूजीलैंड में अपने एक चचेरे भाई के पास रहने पहुंचीं। अपने देश में कर्जदाताओं के दबाव के कारण उन्होंने वहां शरण के लिए आवेदन किया। इसके बाद उन्हें एक साल का खुला कार्य वीजा मिला और एक रेस्तरां ने उन्हें लंबे समय के रोजगार वीजा के लिए



प्रायोजित करने की पेशकश भी की। लेकिन न्यूजीलैंड के नियमों के कारण शरण आवेदन की प्रक्रिया के दौरान दूसरे वीजा में बदलाव का उनका अनुरोध स्वीकार नहीं हुआ। इसके बाद रुचिरा ने इमिग्रेशन एंड सेक्रेटेरियल सर्विसेज नाम की एजेंसी से मदद ली। एजेंसी की प्रबंधक सिल्विआन गैलेंट ने उन्हें विदेश से रोजगार वीजा के लिए दोबारा आवेदन करने के उद्देश्य से अस्थायी रूप से न्यूजीलैंड छोड़ने की सलाह दी। इसी सलाह पर वह 8 नवंबर 2023 को कुक आइलैंड्स चली गईं। लेकिन उनका नया वीजा आवेदन खारिज हो गया। न्यूजीलैंड छोड़ने के कारण उनकी शरण संबंधी वीजा शर्तों का उल्लंघन हुआ और भविष्य में न्यूजीलैंड का वीजा हासिल करने पर भी रोक लग गई। रुचिरा ने श्रीलंका लौटने का फैसला किया, लेकिन जब वह विमान में सवार होने पहुंचीं तो उन्हें बताया गया कि न्यूजीलैंड के ट्रांजिट वीजा के बिना यात्रा संभव नहीं है। कुक आइलैंड्स से बाहर निकलने के लिए उन्हें किसी दूसरे देश से होकर गुजरना पड़ता है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने उनके आवेदन खारिज कर दिए। ताहिती या हवाई के रास्ते जाने के विकल्पों में भी बाधा है, क्योंकि इसके लिए पहले न्यूजीलैंड में व्यक्तिगत रूप से जैविक पहचान संबंधी जानकारी देनी होगी। चार साल से वह लगातार आवेदन कर रही हैं, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकल रहा। रुचिरा का इकलौता बेटा नवंबर में शादी करने जा रहा है। वह उसकी शादी में शामिल होना चाहती हैं। वहीं, उनकी मां भी उनकी स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं और लगातार अस्पताल जा रही हैं। बीबीसी से बातचीत में रुचिरा भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि अधिकारी उनसे जो भी करने को कहेंगे, वह करने के लिए तैयार हैं। उनकी बस एक ही इच्छा है कि वह अपने घर लौट सकें। कुक आइलैंड्स के स्थानीय अधिकारियों ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की कोशिश की है। 11 अप्रैल 2025 को वहां की प्रधान आव्रजन अधिकारी चेरे आर्थर ने न्यूजीलैंड के आव्रजन विभाग को पत्र लिखकर एक विशेष व्यवस्था का सुझाव दिया था।

एआई की जगह 'सुपर इंटेलिजेंस' : ट्रंप के आदेश से सरकारी महकमों में बदली भाषा; टेक दिग्गजों ने भी अपनाया नया नाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रशासन में शब्दों और नामों को बदलने की परंपरा नई नहीं है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस शब्द को रीब्रांड करने का आदेश दिया है, वह पूरी दुनिया की दैनिक बोलचाल का हिस्सा बन चुका है। सितंबर के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के बजाय 'सुपर इंटेलिजेंस' शब्द का इस्तेमाल करें। यह नाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति की ओर से कराए गए एक पोल के बाद तय किया गया। इसमें 'एक्सट्रीम इंटेलिजेंस' और 'सुप्रीम इंटेलिजेंस' जैसे विकल्प भी शामिल थे। आदेश लागू होने के एक महीने बाद सरकारी तंत्र में इसका मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। सरकारी वेबसाइटों और दस्तावेजों में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) जैसे संस्थानों ने अपनी निविदाओं में 'एसआई-पावर्ड' निगरानी तकनीक का उल्लेख करना शुरू कर दिया है। वहीं, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की वेबसाइट पर चेतावनी बैनर लगाया गया है। पेंटागन से लेकर नेशनल लैब्स तक के शोधकर्ता साक्षात्कार और बैठकों के दौरान अब भी 'एआई' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पहला वनडे

विराट कोहली का अर्धशतक, भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया

ऑकलैंड, एजेंसी। ईडन पार्क में खेले गए पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। भारत की जीत में अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी के बाद विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी की अहम भूमिका रही। 186 का लक्ष्य हासिल करने उतरी भारतीय टीम को पहला झटका रोहित शर्मा के रूप में 1 के स्कोर पर लगा। रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद गिल और विराट ने पारी को संभाला। बारिश की वजह से खेल दो बार बाधित हुआ। दूसरी बार बारिश की बाधा के बाद जब खेल शुरू हुआ, तो डीएलएस नियम के मुताबिक भारत को जीत के लिए 32 ओवर में 143 का लक्ष्य मिला।



शुभमन गिल और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के दौरान लग रहा था कि भारत 9 विकेट से जीत हासिल करेगी, लेकिन ये साझेदारी टूटते ही लगातार विकेट गिरे।

गिल दूसरे विकेट के रूप में 56 गेंदों पर 37 रन बनाकर 114 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद 124 के स्कोर पर विराट कोहली तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। विराट ने अर्धशतक लगाया। वे 51 गेंदों पर 1 छक्का और 13 चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए। 124 के स्कोर पर ही अक्षर पटेल बिना खाता खोले चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। श्रेयस अय्यर भी 13 गेंदों पर 15 रन बनाकर 136 के स्कोर पर पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए। राहुल और नमन धीर ने भारतीय टीम को जीत दिलाई। भारत ने 5 विकेट पर 22.4 ओवर में 143 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। राहुल 3 और धीर 5 रन बनाकर नाबाद रहे।

न्यूजीलैंड की तरफ से जैकब डफी ने 3, जबकि काइल जैमिसन और नाथन स्मिथ ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले, टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड के लिए टिम सिफर्ट ने 38, डेरिल मिचेल ने 28 और ग्लेन फिलिप्स ने 30 रनों की पारी खेली। इसके अलावा, ब्लेयर टिकनर ने 34 और जैकब डफी ने नाबाद 15 रन बनाए थे।

कीवी टीम ने एक समय 146 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए थे। ब्लेयर और डफी ने आखिरी विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया। भारत की तरफ से अंशुल कंबोज ने बेहद किफायती गेंदबाजी की। कंबोज ने 10 ओवर में 2 मेडन फेंकते हुए मात्र 22 रन देकर 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह थोड़े महंगे रहे। अर्शदीप ने 10 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। गुरनूर बरार ने 9.2 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तोड़ा लगातार हार का सिलसिला, रोमा को 3-2 से हराया

मैनचेस्टर, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दो गोल से पीछे रहने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करते हुए यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमा को 3-2 से हराया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ लगातार 9 मैचों में हार के सिलसिले को समाप्त किया। मटियास सोले ने मेहमान टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद डोनियल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर शुरुआती 17 मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। इन दो गोलों ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड के खिलाड़ियों को इसके बाद अपने समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पिच पर हरी टेनिस बॉल फेंकी गई और फुटबॉल डायरेक्टर जेसन विलकॉक्स के खिलाफ नारे लगाए गए। यूनाइटेड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब मिडफील्डर कार्लोस बालेबा को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिससे कैरिक की पहले से ही मुश्किल शाम में एक और चिंता बढ़ गई। हालांकि, कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी को गोल में बदलकर यूनाइटेड की मैच में वापसी कराई। हालांकि, क्षेत्र के अंदर एक उल्लंघन के बाद उन्हें स्पॉट-किक दोबारा लेनी पड़ी क्योंकि उनकी पहली कोशिश बेकार हो गई थी।



शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन

- पुरुष टीम ने जीता गोल्ड, महिला टीम को सिल्वर मेडल



पुरुषों 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में भारत को गोल्ड

इससे पहले रविंदर सिंह, सौरभ चौधरी और अमनप्रीत सिंह ने पुरुष 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। इस स्पर्धा में रविंदर सिंह ने व्यक्तिगत सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया। यह स्पर्धा ओलंपिक का हिस्सा नहीं है। रविंदर भारत की ओर से सबसे ज्यादा अंक हासिल करने वाले निशानेबाज रहे।

नई दिल्ली, एजेंसी। दोहा में आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में एक और गोल्ड और सिल्वर मेडल डाल दिया। मंगलवार तीन नवंबर 2026 को पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में रविंदर सिंह, सौरभ चौधरी और अमनप्रीत सिंह की तिकड़ी ने गोल्ड मेडल जीता। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वालारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और शांभवी श्रवण क्षीरसागर ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। एलावेनिल वालारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और शांभवी श्रवण क्षीरसागर ने कुल 1894.4 अंक हासिल किये। भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही। चीन ने 1899.8 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। जापान को 1892.6 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल मिला। एलावेनिल वालारिवन भारतीय टीम की सबसे सफल निशानेबाज रहीं। एलावेनिल वालारिवन ने 634.2 अंक हासिल किये। सोनम उत्तम मस्कर ने 630.5 और शांभवी क्षीरसागर ने 629.7 अंक का योगदान दिया। एलावेनिल वालारिवन ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बनाई थी। एलावेनिल वालारिवन क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रही थीं। उनसे मेडल जीतने के साथ भारत को पहला ओलंपिक कोटा दिलाने की उम्मीद थी। हालांकि, फाइनल में वह 167.3 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं और पदक जीतने से चूक गईं।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रचा इतिहास

पहली बार दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी बने



दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर खत्म किया लंबा इंतजार

ज्वेरेव ने इस साल शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर के दो बड़े ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। उन्होंने जून में फ्रेंच ओपन के फाइनल में फ्लावियो कोबोली को हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके बाद सितंबर में अमेरिका के फ्लशिंग मीडोज में बेन शेल्टन को हराकर यूएस ओपन की ट्रॉफी भी जीत ली।

लंदन, एजेंसी। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आखिरकार वह मुकाम हासिल कर लिया है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। सोमवार को जारी हुई पुरुष टेनिस रैंकिंग में ज्वेरेव पहली बार दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी बन गए। 29 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले ज्वेरेव इस सीजन में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने साल 2026 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किए और अब सीजन का अंत भी नंबर-1 खिलाड़ी के रूप में करना तय कर लिया है।

'जिंदगी की बेहतरीन चीजों के लिए इंतजार करना पड़ता है' – दुनिया का नंबर-1 खिलाड़ी बनने के बाद ज्वेरेव ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मुझे इंतजार करना पड़ा। लेकिन कभी-कभी जिंदगी की सबसे बेहतरीन चीजों के लिए इंतजार करना पड़ता है। मैं बेहद खुश हूं और इस उपलब्धि को लेकर काफी उत्साहित हूं।' ज्वेरेव चार साल से ज्यादा समय तक दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी रहने के बाद अब शीर्ष स्थान पर पहुंचे हैं।

नोवाक जोकोविच की शानदार वापसी

पहले दौर में वैलेंटीन वैचेरोट को हराया

पेरिस, एजेंसी। रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार वापसी करते हुए पहले दौर का मुकाबला जीत लिया। खराब शुरुआत के बावजूद दुनिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने वैलेंटीन वैचेरोट को तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-7 (5), 7-5, 6-1 से हराया।



जोकोविच ने शानदार वापसी कर दर्ज की जीत

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को मुकाबले के पहले सेट में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबले को 7-5 से अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक सेट में जोकोविच ने पूरी तरह दबदबा बनाया और 6-1 से जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। जोकोविच अपने करियर का 103वां खिताब जीतने की कोशिश में हैं। इस उपलब्धि के साथ वह रोजर फेडरर के 103 खिताबों के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। पुरुष टेनिस में सबसे ज्यादा 109 खिताब जीतने का रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम है।

बेन शेल्टन और टेलर फ्रिट्ज ने भी दर्ज की जीत

टूर्नामेंट में तीसरी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने कैमरन नॉरी को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।वहीं, 11वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने बेंजामिन बोंजी को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर जीत हासिल की।

होल्गर रूने और मोइज़ कौमे को मिली हार

अन्य मुकाबलों में फ्रांस के मोइज़ कौमे को नूनो बोर्गेस ने 6-3, 6-1 से हराया। वहीं, 2022 के चैंपियन होल्गर रूने को 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल के खिलाफ 5-7, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह पेरिस मास्टर्स में जोकोविच की जीत के साथ टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी है।

एलेक्जेंड्रा एला, सोराना क्रिस्टिया और तालिया गिब्सन अगले दौर में पहुंचीं



हांगकांग, एजेंसी। प्रूडेंशियल हांगकांग ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट में, मंगलवार शाम को दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंड्रा एला ने ब्रिटिश खिलाड़ी इमर्सन जोन्स को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से मात देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त सोराना क्रिस्टिया और पांचवीं वरीयता प्राप्त तालिया गिब्सन भी अगले दौर में पहुंच गईं, जबकि 7वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

एला ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी खिलाड़ी एलिसिया पार्क्स के टूर्नामेंट से हटने के बाद मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाली जोन्स ने वापसी करते हुए स्कोर 4-3 कर दिया, लेकिन एला ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहला सेट 6-4 से जीत लिया। इस हफ्ते डब्ल्यूटीए रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंक हासिल करने वाली फिलीपींस की एला ने दूसरे सेट में भी मजबूत शुरुआत की और 5-1 की बढ़त बना ली। जोन्स ने एक ब्रेक वापस लिया, लेकिन एला ने संयम बनाए रखा और एक घंटे 23 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की।

अगले दौर में एला का मुकाबला चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी टेरेजा वैलेंटोवा से होगा, जिन्होंने मंगलवार को खेले गए एक अन्य पहले दौर के मैच में क्वालीफायर हिमेनो साकात्सुमे को 6-3, 7-5 से शिकस्त दी।

इससे पहले, शीर्ष वरीयता प्राप्त सोराना क्रिस्टिया ने निर्णायक सेट में शुरुआती पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मारिया टिमोफीवा को 7-6, 1-6, 7-5 से हराया और दूसरे दौर में जगह बनाई। क्रिस्टिया का अगला मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी मैरी स्टोइयाना से होगा, जिन्होंने सोमवार को सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को सीधे सेटों में हराया था। इसके अलावा, माया जॉइंट भी अगले दौर में पहुंच गईं; जिन्होंने मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ एक ऑल-ऑस्ट्रेलियन मुकाबले में 7-5, 6-2 से जीत हासिल की। वहीं, जेनेप सोनमेज ने डायना यास्त्रेम्स्का को 6-4, 6-2 से हराया।

तालिया गिब्सन ने की वापसी

वहीं, पांचवीं वरीयता प्राप्त तालिया गिब्सन ने पहले सेट में 5-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ओलेक्सांड्रा ओलिनिकोवा को 7-6, 6-1 से मात दी। हालांकि, 7वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा को पहले ही दौर में एलेक्जेंड्रा शुबलाद्जे के हाथों 7-5, 1-6, 2-6 से जीत दर्ज की और दूसरे दौर में जगह बनाई।

रणजी ट्रॉफी में बड़ा बवाल

मैच से पहले पूरी टीम बदल दी गई, मैदान पर जाने के बाद लौटे खिलाड़ी



एमसीए में अध्यक्ष और सचिव के बीच विवाद

इस पूरे विवाद की जड़ एमसीए अध्यक्ष जेम्स संगमा और सचिव रेनॉल्ड खार्कमनी के बीच चल रही खींचतान है। खार्कमनी को राज्य की अंडर-23 महिला टीम की खिलाड़ियों से जुड़े यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया था। इस निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मेघालय हाई कोर्ट ने कार्रवाई को बरकरार रखा। कोर्ट ने खार्कमनी के फैसलों को अवैध माना और एमसीए की एपेक्स काउंसिल की चुनी गई रणजी टीम को भी

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन के अंदर चल रही खींचतान के कारण बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नागालैंड के खिलाफ प्लेट डिवीजन के मुकाबले से ठीक पहले पूरी टीम को बदल दिया गया। मेघालय की पुरानी टीम ने शुरुआती तीन मुकाबले खेले थे और एक मैच में जीत हासिल कर पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर थी। खिलाड़ी चौथे मैच से पहले अभ्यास भी कर रहे थे, लेकिन मेघालय हाई कोर्ट के फैसले के बाद एमसीए अध्यक्ष जेम्स संगमा ने नई टीम का चयन कर दिया।

स्पेनिश फुटबॉलर का 30 साल की उम्र में निधन

मैच के दौरान गोलकीपर से टक्कर के बाद गई जान

स्पेन, एजेंसी। स्पेनिश फुटबॉल जगत से दुखद खबर सामने आई है। फुटबॉलर जीसस डी मिगुएल अलामेडा का 30 साल की उम्र में निधन हो गया। सीडी टेनेरिफे के स्ट्राइकर सोमवार को एफसी एंडोरा के खिलाफ मुकाबले के दौरान गोलकीपर से टकराने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

मैच के दौरान गोलकीपर से हुई जोरदार टक्कर – यह दर्दनाक



घटना स्पेन की सेकंडा डिवीजन लीग में सीडी टेनेरिफे और एफसी एंडोरा के बीच मुकाबले के अंतिम पलों में हुई। डी मिगुएल गेंद का पीछा करते हुए आगे बढ़े, तभी एफसी एंडोरा के गोलकीपर जीसस ओवोनो भी गेंद रोकने के लिए अपने पेनल्टी एरिया से बाहर आ गए। इस दौरान गोलकीपर का घुटना डी मिगुएल के सीने से टकरा गया और वह मैदान पर गिर पड़े।

सीडी टेनेरिफे ने दी निधन की जानकारी – सीडी टेनेरिफे ने मंगलवार को आधिकारिक बयान जारी कर अपने खिलाड़ी के निधन की पुष्टि की।

एंबुलेंस में आया कार्डियक अरेस्ट

स्पेनिश मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में डी मिगुएल को कार्डियक अरेस्ट आया था। पैरामेडिक्स ने सीपीआर देकर उन्हें दोबारा जीवित करने में सफलता हासिल की। शुरुआत में डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई थी, लेकिन रात के दौरान उनकी न्यूरोलॉजिकल स्थिति बिगड़ गई।

प्रसिद्ध कृष्णा ने पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड दौरे के बीच टीम इंडिया को बड़ी खुशखबरी मिली है. तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है. दाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहा था. न्यूजीलैंड दौरे के बीच टीम इंडिया को बड़ी खुशखबरी मिली है. तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है. दाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहा था. प्रसिद्ध कृष्णा को 30 सितंबर को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी. इस खिलाड़ी का 22 अक्टूबर को भी टेस्ट हुआ था और अब उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर न्यूजीलैंड का टिकट कटवा लिया है. प्रसिद्ध कृष्णा को खराब फिटनेस की वजह से वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया लेकिन इस खिलाड़ी को तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में खेलने का मौका दिया जाएगा. ये मुकाबला 7 नवंबर को लिंकन में खेला जाएगा. प्रसिद्ध कृष्णा को खराब फिटनेस की वजह से वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया लेकिन इस खिलाड़ी को तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में खेलने का मौका दिया जाएगा. ये मुकाबला 7 नवंबर को लिंकन में खेला जाएगा.



न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 19 नवंबर से

टीम इंडिया प्रसिद्ध कृष्णा को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में चाहती है. न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 19 नवंबर को खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से शुरू होगा. न्यूजीलैंड की कंडिशंस कृष्णा की गेंदबाजी के अनुकूल है. टीम इंडिया प्रसिद्ध कृष्णा को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में चाहती है. न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 19 नवंबर को खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से शुरू होगा. न्यूजीलैंड की कंडिशंस कृष्णा की गेंदबाजी के अनुकूल है.